राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 307
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
गुरुवार 19 मई 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 दिल्ली सचिवालय में पर्यावरण मंत्री गोपाल राय की अध्यक्षता में अर्बन फार्मिंग विषय पर रॉउंड टेबल सम्मलेन का आयोजन किया गया

पेज 5 पत्नी-बच्चों के साथ एसएसपी ऑफिस पहुंचे किसान ने खुद को लगाई आग, इंस्पेक्टर समेत पांच सस्पेंड

पेज 7 चीन की ओछी राजनीति : श्रीलंकाई विदेश अधिकारियों को बांटे राशन, भारी हंगामा

गुजरात में बड़ा हादसा : मोरबी में नमक फैक्ट्री की दीवार ढही

मलबे में दबकर 12 मजदूरों की मौत, 18 लोग घायल

मोरबी। मोरबी जिले के हलवद में एक नमक कारखाने की दीवार गिरने से पांच महिलाओं समेत 12 मजदूरों की मौत हो गई है। मृतकों में 6 लोग एक ही परिवार के हैं। दीवार के मलबे में करीब 30 मजदूर दब गए थे। मृतकों और घायलों को जेसीबी मशीन की मदद से निकाला गया। घायलों को शहर के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती करवाया गया है। इनमें कईयों की हालत गंभीर है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका व्यक्त की जा रही है।

बच्चों के भी घायल होने की आशंका

जानकारी के अनुसार हादसा हलवद GIDC स्थित सागर सॉल्ट नाम की एक फैक्ट्री में जिस समय दीवार ढही, तब वहां करीब 30 मजदूर काम कर रहे थे। ऐसी भी जानकारी मिल रही है कि कुछ मजदूरों के बच्चे भी उनके साथ थे, जो हादसे का शिकार हो गए हैं। हालांकि, बच्चों के बारे में कंपनी से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिल सकी है।

घटना दोपहर करीब 12 बजे की है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने भी बचाव अभियान शुरू किया। घटना के बाद स्थानीय विधायक परसोत्तम सबरिया व कलेक्टर समेत कई उच्चाधिकारी भी मौके पर पहुंचे। फिलहाल यह पता नहीं चल पाया है कि दीवार किस वजह से गिरी।

एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत

हादसे में एक ही परिवार के 6 लोगों की जान गई। इनमें पति-पत्नी, उनके 3 बच्चे और एक देवर शामिल हैं। रमेशभाई सोमाणी (42), दिलीपभाई सोमाणी (23), शीतलबेन सोमाणी (22), दक्षाबेन सोमाणी (14), श्याम रमेशभाई सोमाणी (10), दीपकभाई सोमाणी (2)।

कई मजूदर खाना खाने चले गए थे

हादसे के करीब आधा घंटे पहले तक यहां 40 से ज्यादा मजदूर नमक की पैकिंग कर कर रहे थे। इनमें से कई खाना खाने बाहर चले गए थे। नहीं तो और मजदूरों की मौत हो जाती। कंपनी के कुछ श्रमिकों से मिली जानकारी के अनुसार हादसे का शिकार हुए मजदूर राधनपुर तहसील के गांवों के रहने वाले हैं।

हादसे पर पीएम मोदी ने दुख जताया

इस हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। पीएम ने अपने ट्वीट में कहा कि मोरबी में दीवार गिरने की घटना काफी दुख पहुंचाने वाली है। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। पीएम ने हादसे में घायलों के शीघ्र ठीक होने की कामना की है।

उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की हर संभव मदद कर रहा है।

मृतकों के नाम...

- रमेशभाई नरसिम्हाभाई खिराना
- श्यामभाई रमेशभाई कोली
- रमेशभाई मेघाभाई कोली
- दिलाभाई रमेशभाई कोली
- दीपकभाई सोमानी
- राजूभाई जेरामभाई
- दिलीपभाई रमेशभाई
- शीतबेन दिलीपभाई
- राजीबेन भरवाड
- देवीबेन भरवाड
- काजलबेन जेशाभाई
- दक्षाबेन रमेशभाई कोली

मृतकों के परिवार को 4-4 लाख रुपए की मदद

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने हादसे पर शोक जताते हुए मृतकों के परिवार को मुख्यमंत्री राहत कोष से चार-चार लाख रुपए की सहायता राशि देने का ऐलान किया है। वहीं, घायलों को 50-50 हजार रुपए और उनका पूरा इलाज मुफ्त करवाए जाने की भी घोषणा की है।

दिल्ली के एलजी अनिल बैजल का इस्तीफा

उप-राज्यपाल ने अचानक राष्ट्रपति को भेजा इस्तीफा; रेस में प्रफुल्ल पटेल-राजीव महर्षि सबसे आगे

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल अनिल बैजल ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को अपना इस्तीफा भेज दिया है। मार्च 2022 से ही उनके हटने की अटकलें लगाई जा रही थीं। दिल्ली में नए उपराज्यपाल की रेस में प्रफुल्ल पटेल (प्रशासक, दमन-दीव) राजीव महर्षि (पूर्व गृह सचिव) का नाम सबसे आगे है।

प्रेसिडेंट को अचानक भेजा इस्तीफा

अनिल बैजल दिसंबर 2016 में उपराज्यपाल बनाए गए थे। वे इस पद पर 5 साल से ज्यादा समय तक रहे। बैजल ने आज अचानक अपना इस्तीफा प्रेसिडेंट को भेज दिया। सूत्रों के मुताबिक उन्होंने निजी वजहों का हवाला देते हुए इस्तीफा दिया है।

केजरीवाल से तकरार के कारण भी सुर्खियों में रहे

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और बैजल के बीच कई बार फैसलों को लेकर टकराव देखा गया।

इस साल की शुरुआत में जब कोरोना जोर पकड़ रहा था, तो वीकेंड कर्फ्यू और सभी दुकानों के लिए ऑड-ईवन के नियम को लेकर दोनों आमने-सामने आ गए थे। बैजल ने केजरीवाल के प्रस्तावों को मानने से इनकार कर दिया था।

इतना ही नहीं, दोनों के बीच दिल्ली में 1000 बसों की खरीद प्रक्रिया पर भी तकरार देखने को मिली। बैजल ने इस मामले की जांच के लिए 3 सदस्यीय पैनल बनाने का निर्देश दिया था, जिसमें एक रिटायर्ड IAS ऑफिसर, विजिलेंस विभाग के प्रिंसिपल सेक्रेटरी और दिल्ली सरकार के ट्रांसपोर्ट कमिश्नर शामिल थे। इसको लेकर भी विवाद हुआ था।

दिल्ली सरकार ने बुलडोज़र चलाने पर निगमों से माँगी रिपोर्ट

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार ने तीनों निगमों उत्तरी, दक्षिणी और पूर्वी को नोटिस जारी करते हुए राजधानी में जो बुलडोजर चला है उसे लेकर रिपोर्ट पेश करने को कहा है। सरकार ने अपने नोटिस में कहा है कि तीनों नगर निगम एक अप्रैल से लेकर अब तक जितने भी अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाए हैं उनकी विस्तार से रिपोर्ट पेश करे और अब तक सारा आंकड़ा भी उपलब्ध कराए। गौरतलब है कि श्री केजरीवाल ने बुलडोजर के जरिये अतिक्रमण और अवैध निर्माण पर कार्रवाई को लेकर सोमवार को कहा था कि वह अपने विधायकों को कहा है कि आपको जेल भी जाना पड़े, तो डरना मत, लेकिन आपको जनता के साथ खड़ा होना है।

शिवलिंग पर आपत्तिजनक टिप्पणी पर ओवैसी का प्रवक्ता गिरफ्तार

अहमदाबाद में पकड़ा गया; मुजफ्फरनगर में सपा नेता गिरफ्तार, पूछा था- लीची के अंदर क्या है?

लखनऊ। असदुद्दीन ओवैसी के प्राटी AIMIM प्रवक्ता दानिश कुरैशी को वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद में मिले कथित शिवलिंग पर कमेंट करना भारी पड़ा है। दानिश को अहमदाबाद की साइबर क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। दरअसल, प्रवक्ता दानिश ने शिवलिंग को लेकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट लिखी थी। विश्व हिंदू परिषद ने स्थानीय थाने में उनके खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके पहले मंगलवार को मुजफ्फरनगर में सपा नेता को आपत्तिजनक फोटो पोस्ट करने पर पुलिस ने गिरफ्तार किया था। बता दें कि ज्ञानवापी प्रकरण को लेकर देशभर में पुलिस सोशल मीडिया पर खास नजर रख रही है। जिससे सौहार्द न बिगड़ने पाए।

आपत्तिजनक फोटो शेयर करने पर कथित सपा नेता भी हुए गिरफ्तार

उधर, मुजफ्फरनगर पुलिस ने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में मोहसिन अंसारी नाम के कथित सपा नेता को मंगलवार को गिरफ्तार किया था। मोहसिन खुद को पूर्व प्रदेश सचिव लोहिया वाहिनी बताता है। आरोप है कि मोहसिन ने सोशल मीडिया अकाउंट पर लीची की फोटो शेयर करते हुए कथित तौर से शिवलिंग के रूप में दिखाया। पूछा था कि लीची के अंदर क्या है? जिसके बाद उस पर कई विवादित टिप्पणी की गई। इससे सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने का खतरा पैदा हो गया। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

हार्दिक पटेल ने छोड़ी कांग्रेस, अपमान का आरोप, राम मंदिर का जिक्र कर भाजपा में जाने के संकेत

अहमदाबाद। गुजरात कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल ने पार्टी छोड़ दी है। उन्होंने पार्टी के सभी पदों और प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। पाटीदार नेता ने खुद ट्वीट कर इस बारे में जानकारी दी है। हिंदी, अंग्रेजी और गुजराती में लिखे अपने इस्तीफे का पत्र ट्वीट करते हुए हार्दिक पटेल ने लिखा, आज मैं हिम्मत करके कांग्रेस पार्टी के पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देता हूँ। मुझे विश्वास है कि मेरे इस निर्णय का स्वागत मेरा हर साथी और गुजरात की जनता करेगी। मैं मानता हूं कि मेरे इस कदम के बाद मैं भविष्य में गुजरात के लिए सच में सकारात्मक रूप से कार्य कर पाऊँगा।

कांग्रेसियों पर लगाया था खुद को किनारे करने का आरोप

हार्दिक पटेल लंबे समय से पार्टी से नाराज चल रहे थे और लगातार राज्य के नेताओं और हाईकमान पर सवाल खड़े कर रहे थे। गुजरात में विधानसभा चुनाव में कुछ ही महीने बचे हैं और उससे पहले हार्दिक पटेल के इस्तीफे ने कांग्रेस को करारा झटका दिया है। हार्दिक पटेल ने कहा था कि वह कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष जरूर बने हैं, लेकिन उन्हें कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई है और लगातार नेता उन्हें किनारे लगाने में जुटे हैं। हार्दिक पटेल ने राज्य इकाई के नेताओं पर आरोप लगाया था कि वे चाहते हैं कि मैं कांग्रेस छोड़ दूं। यही नहीं उनका कहना था कि कांग्रेस राज्य में बेहद कमजोर है और चुनाव जीतने की स्थिति में फिलहाल नजर नहीं आती है।

राम मंदिर और 370 का जिक्र कर भाजपा में जाने के दिए संकेत

कई महीनों से हार्दिक पटेल के भाजपा में जाने की अटकलें लगाई जाती रही हैं। अपने इस्तीफे से हार्दिक पटेल ने इस बात के संकेत भी दिए हैं कि वे भाजपा में जा सकते हैं। हार्दिक पटेल ने अपने इस्तीफे में राम मंदिर, आर्टिकल 370 और जीएसटी का जिक्र करते हुए कहा कि इन मुद्दों का समाधान देश के लिए जरूरी था, लेकिन कांग्रेस लगातार इनमें बाधा ही बनती रही। उनकी इस टिप्पणी से यह माना जा रहा है कि वह भाजपा में शामिल हो सकते हैं। हार्दिक पटेल ने कहा कि भारत हो, गुजरात या फिर मेरे पटेल समाज की बात हो, कांग्रेस का अजेंडा सिर्फ केंद्र सरकार के विरोध का ही रहा है।

कांग्रेस पर लगाया तिरस्कार का आरोप, कहा- युवाओं के लिए है द्वेष

हार्दिक पटेल ने अपने इस्तीफे में कांग्रेस पर अपमान का आरोप भी लगाया है।

उन्होंने लिखा, राजनीति में सक्रिय हर व्यक्ति का धर्म होता है कि वह जनता के लिए कुछ करता रहे। लेकिन अफसोस की बात है कि कांग्रेस पार्टी गुजरात की जनता के लिए कुछ अच्छा करना ही नहीं चाहती। इसलिए जब मैं गुजरात के लिए कुछ करना चाहता था तो कांग्रेस ने सिर्फ मेरा तिरस्कार ही किया।

मैंने सोचा नहीं था कि कांग्रेस का नेतृत्व हमारे प्रदेश, समाज और विशेष तौर पर युवाओं के लिए इस प्रकार का द्वेष अपने मन में रखता है।

राजीव गांधी हत्याकांड का दोषी जेल से रिहा होगा

हत्या में बम सप्लाई के आरोप में दोषी पाया गया था पेरारिवलन, 31 साल से जेल में बंद है

नई दिल्ली। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के हत्याकांड मामले में बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। 31 साल से जेल में बंद हत्यारा ए. जी. पेरारिवलन को रिहा कर दिया है। पेराविलन ने मानवीयता के आधार पर इस मामले में याचिका दाखिल की थी। इधर, कांग्रेस ने पेररिवलन की रिहाई पर केंद्र सरकार को घेरा है। पार्टी प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी बताएं कि क्या यही राष्ट्रवाद है।

राजीव गांधी की हत्या 21 मई 1991 को तमिलनाडु के श्रीपेरंबुदूर में एक बम धमाके में हुई थी। धमाके में उपयोग किए गए दो 9 वोल्ट की बैटरी खरीद कर मुख्य दोषी शिवरासन को देने के आरोप में ए. जी. पेरारिवलन को दोषी ठहराया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने पेरारिवलन को रिहा करने के लिए अनुच्छेद 142 का उपयोग किया है। इसके तहत कोर्ट किसी भी मामले में कंप्लिट जस्टिस के लिए अपनी शक्ति का उपयोग करता है।

यह सिर्फ दया का मामला नहीं है : पेररिवलन

कोर्ट से राहत मिलने के बाद पेररिवलन ने मीडिया को कहा कि मैं 31 साल से संघर्ष कर रहा हूं। अब बाहर आऊंगा और हम अपनी नई जिंदगी की शुरुआत करेंगे। उन्होंने कहा कि इस मामले में मृत्युदंड की आवश्यकता नहीं है। यह सिर्फ दया का मामला नहीं है। कोर्ट ने भी ऐसा माना है।

कोर्ट ने कहा था हम आंख बंद नहीं कर सकते

मामले में सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अगर सरकार कानून का पालन नहीं करेगी, तो हम आंख मूंद नहीं सकते हैं। साथ ही कहा था कि राज्यपाल कैबिनेट के फैसले को मानने के लिए बाध्य है, लेकिन अब तक इसे अमल में नहीं लाया गया है।

देश में 1,800 से अधिक कोरोना के नये मामले दर्ज

नयी दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस संक्रमण की नई लहर के बीच देश में पिछले 24 घंटे में 1,829 नये मामले सामने आये हैं और इसी के साथ कुल संक्रमितों की संख्या चार करोड़ 31 लाख 27 हजार 199 हो गई है। वहीं, इस अवधि में 33 लोगों की मौत हुई है, जिन्हें शामिल करते हुए महामारी की चपेट में आकर अब तक दम तोड़ने वालों की संख्या पांच लाख 24 हजार 293 तक पहुंच गई है।

इस बीच, देश में जारी कोविड टीकाकरण अभियान में अब तक 191.65 करोड़ से अधिक टीके लग चुके हैं। देश में रविवार को 14,97,695 टीके लगाए गए।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से बुधवार सुबह जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में 2,549 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल चार करोड़ 25 लाख 87 हजार 259 लोग कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.75 प्रतिशत है। वहीं, सक्रिय दर 0.04 प्रतिशत और मृत्यु दर 1.22 प्रतिशत है।

केरल में कोरोना वायरस के सक्रिय मामले 71 घटकर 3,331 रह गये हैं। इससे निजात पाने वाले लोगों की संख्या 364 बढ़कर 64,75,066 हो गयी जबकि मृतकों की संख्या 69434 है।

राष्ट्रीय राजधानी में दिल्ली में सक्रिय मामले 318 घटकर 2,910 रह गये हैं। वहीं, 709 और लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों का आंकड़ा 18,72,020 पर पहुंच गया जबकि मृतकों की संख्या 26198 हो गया है।

कनार्टक में सक्रिय मामले 38 घटकर 1,802 रह गये हैं। इस दौरान 147 लोगों के स्वस्थ होने से महामारी से उबरने वाले मरीजों की कुल संख्या 39,07,975 हो गयी जबकि मृतकों का आंकड़ा 40105 पर स्थिर है।

ज्ञानवापी मस्जिद

जहां शिवलिंग मिला, उसके नीचे तहखाने का सर्वे हो, फव्वारा है तो वाटर सप्लाई दिखाएं

ज्ञानवापी पर सुनवाई टली : हिंदू पक्ष ने की 2 मांगें

वाराणसी। ज्ञानवापी मस्जिद मामले में वाराणसी कोर्ट में बुधवार को होने वाली सुनवाई टल गई। वकीलों की हड़ताल के चलते अब केस पर कल यानी गुरुवार को सुनवाई होगी। कोर्ट ने गुरुवार को ज्ञानवापी परिसर की सर्वे रिपोर्ट भी दाखिल करने के आदेश दिए हैं।

हिंदू पक्ष की दो मांग

इससे पहले, हिंदू पक्ष के दो वकील हरिशंकर जैन और विष्णु जैन मीडिया के सामने आए। उन्होंने दो नई मांगों का जिक्र किया। हरिशंकर जैन ने कहा, जहां शिवलिंग मिला है, उसके नीचे तहखाने का सर्वे कराया जाना चाहिए। सामने की दीवार को साफ करके अच्छे तरीके से वीडियोग्राफी होनी चाहिए। हमें उम्मीद है कि कोर्ट हमारे इस प्रार्थना पत्र पर तथ्यों और साक्ष्य के आधार पर फैसला सुनाएगा।

हिंदू पक्ष के वकील- विष्णु जैन (दाएं) और हरिशंकर जैन ने मीडिया से बातचीत में अपनी दो नई मांगों का जिक्र किया है।

विष्णु जैन ने कहा, ज्ञानवापी मस्जिद के वजूखाने में मिले शिवलिंग को दूसरा पक्ष फव्वारा कह रहा है। अगर ऐसा है तो वह फव्वारा चलाकर दिखा दें।

फव्वारा है तो वहां वाटर सप्लाई का पूरा सिस्टम भी होगा। ऐसे में प्रतिवादी पक्ष को जांच पर ऐतराज क्यों है? उन्होंने यह भी दावा किया कि नंदी महाराज के सामने से व्यासजी के कक्ष से शिवलिंग तक रास्ता जाता है। कोर्ट से वहां खुदाई कराने की मांग की गई है।

पूर्व एडवोकेट कमिश्नर अजय मिश्रा से ही तैयार कराई जाए सर्वे रिपोर्ट

हिंदू पक्ष के एक वादी ने कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर कोर्ट द्वारा कार्यमुक्त किए गए एडवोकेट कमिश्नर अजय मिश्रा से सर्वे रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा है। वादी ने कहा, 6 और 7 मई को ज्ञानवापी के सर्वे की कार्रवाई उन्हीं के द्वारा सम्पन्न की गई थी। अजय कुमार मिश्रा का सहयोग लिए बगैर रिपोर्ट अधूरी रहेगी। बता दें कि अजय मिश्रा पर मुस्लिम पक्ष ने ऐतराज जताते हुए उनको हटाने की मांग की थी। हालांकि तब कोर्ट ने उनको नहीं हटाया था। बाद में सर्वे की जानकारी लीक करने के मामले में कोर्ट ने उनको हटा दिया था।

दिल्ली हाईकोर्ट में नौ न्यायाधीशों ने ली शपथ, कुल संख्या हुई 44

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी ने तीन महिलाओं सहित नौ नए न्यायाधीशों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई, जिससे कुल 60 न्यायाधीशों की क्षमता वाले दिल्ली उच्च न्यायालय ने अब न्यायाधीशों की कुल संख्या 44 हो गई है। उच्चतम न्यायायलय कॉलेजियम ने भारत के संविधान के तहत प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के रूप में कई अधिवक्ताओं की पदोन्नति के प्रस्ताव को सिफारिश की थी। भारत के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम ने 04 मई को हुई बैठक के बाद यह निर्णय लिया। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा को दिल्ली उच्च न्यायालय के नए मुख्य न्यायाधीश और दिल्ली उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विपिन सांघी को उत्तराखंड उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की थी। दिल्ली उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी ने आज तारा विशाल गंजू, मिनी पुष्करणा, मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा, विकास महाजन, तुषार राव गेडेला, सचिन दत्ता, अमित महाजन, गौरांग कंठ और सौरभ बनर्जी को दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

शार्ट न्यूज

शीना बोरा हत्याकांड में बड़ा फैसला, इंद्राणी मुखर्जी को सुप्रीम कोर्ट ने दी जमानत

नई दिल्ली। शीना बोरा हत्याकांड में सुप्रीम कोर्ट की तरफ से बुधवार को बड़ा फैसला आया। कोर्ट ने मामले में मुख्य आरोपी इंद्राणी मुखर्जी को जमानत दे दी है। शीर्ष अदालत का कहना है कि उन्होंने पहले ही 6.5 साल से जेल में हैं। जस्टिस एल नागेश्व राव, बीआर गवई और एएस बोपन्ना की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। मुंबई पुलिस ने 25 अगस्त 2015 बेटी शीना की हत्या के आरोप में मुखर्जी को गिरफ्तार किया था। कोर्ट ने कहा, इंद्राणी मुखर्जी 6.5 साल से हिरासत में हैं। हम मामले के मेरिट्स पर कोई टिप्पणी नहीं कर रहे हैं। भले ही अभियोजन पक्ष की तरफ से 50 फीसदी गवाहों को छोड़ दिया गया हो, लेकिन यह मुकदमा जल्दी खत्म नहीं होगा। उन्हें जमानत दी गई है। शीर्ष अदालत ने कहा कि पीटर मुखर्जी पर लागू शर्तें इंद्राणी पर भी लागू होंगी। सीबीआई का मामला यह है कि मुखर्जी ने पूर्व पति संजीव खन्ना, मौजूदा पति पीटर मुखर्जी और ड्राइवर श्यामवर राय की मदद से बोरा की हत्या कर दी थी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने नवंबर 2021 में मुखर्जी की जमानत याचिका को खारिज कर दिया था, जिसके बाद शीर्ष अदालत में अपील की गई। मुखर्जी की तरफ से कोर्ट में वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी पहुंचे थे। जबकि, सीबीआई का पक्ष अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने रखा।

आग में जलकर खाक हुआ यातायात पुलिस मुख्यालय

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर के मौलाना आजाद मार्ग पर स्थित यातायात पुलिस का मुख्यालय बुधवार को आग लगने के एक भीषण हादसे में क्षतिग्रस्त हो गया है। यातायात मुख्यालय में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में सुबह करीब 04:10 बजे आग लगी, जिसकी चपेट में आकर सभी रिकॉर्ड, फाइलें और वायरलेस सेट संचार उपकरण क्षतिग्रस्त हो गए हैं। दमकल और आपातकालीन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आग पर काबू पाने के लिए दमकल की 12 गाड़ियां सहित दो बचाव दल मौके पर मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि आग इमारत की आखिरी मंजिल पर लगी और देखते ही देखते पूरी बिल्डिंग में फैल गई। आग पर काबू पाने में दमकल की गाड़ियों को लगभग तीन घंटे लगे। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है और हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है।

जद (एस) के पूर्व नेता होराती भाजपा में शामिल

बेंगलुरु। कर्नाटक में जनता दल (सेक्युलर) को बड़ा झटका देते हुए विधान परिषद के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता बसवराज होराती बुधवार को विधिवत भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। भाजपा में शामिल होने से पहले श्री होराती ने विधान परिषद के सभापति पद से और विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। होराती का पार्टी में स्वागत करते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि उन्होंने पिछले 45 वर्षों से उच्च सदन के एक सदस्य, मंत्री और अध्यक्ष के रूप में सेवाएं दीं हैं। उनके पास अपार अनुभव है। बोम्मई ने कहा, होराती ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की थी और अपने पद से इस्तीफा दे दिया था और आधिकारिक तौर पर आज (बुधवार) पार्टी में शामिल हो गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी में उनके शामिल होने के उपलक्ष्य में हुबली में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि श्री होराती के शामिल होने से उत्तर कर्नाटक क्षेत्र में पार्टी मजबूत होगी क्योंकि उनके पास सात एमएलसी चुनाव जीतने का रिकॉर्ड है जो देश के किसी अन्य राजनेता ने हासिल नहीं किया है। गौरतलब है कि श्री होराती राज्य में शिक्षा मंत्री भी थे और फरवरी 2021 में विधान परिषद के सभापति के रूप में चुने गए थे। वह जद (एस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौडा के भी करीबी नेता थे। इससे पहले श्री होराती ने मंगलवार को यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की थी। इस अवसर पर श्री शाह के साथ केंद्रीय संसदीय कार्य एवं खान मंत्री प्रह्लाद जोशी, मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार भी मौजूद थे।

वाईएसआरसीपी ने राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की

विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ पार्टी वाईएसआरसीपी ने राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। वाईएसआरसीपी ने वी विजय साई रेड्डी, आर कृष्णैया, एस निरंजन रेड्डी और बीडा मस्तान राव को चुनाव लड़ने के लिए टिकट दिया है। वाईएसआरसीपी की राज्य महासचिव सज्जला रामकृष्ण रेड्डी और शिक्षा मंत्री बोत्सा सत्यनारायण ने मंगलवार को यहां उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। आज घोषित चार नामों में से वी विजय साई रेड्डी वर्तमान में राज्यसभा सदस्य हैं और उनका कार्यकाल 22 जून को समाप्त होने जा रहा है। चार्टर्ड अकाउंटेंट से राजनेता बने विजय साई रेड्डी मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी के बहुत करीबी सहयोगी हैं।आर कृष्णैया और बीड़ा मस्तान राव बीसी समुदाय से हैं और निरंजन रेड्डी उच्चतम न्यायालय में वरिष्ठ अधिवक्ता हैं। आर कृष्णैया एक लोकप्रिय बीसी नेता हैं जबकि मस्तान राव एक व्यवसायी हैं। आंध्र प्रदेश विधानसभा में कुल 175 विधानसभाओं में से, वाईएससीपी के पास 151 हैं, प्रमुख विपक्षी तेलुगू देशम पार्टी के 23 सदस्य हैं और जनसेना के पास एक सदस्य है। तेदेपा के चार विधायक और जनसेना के एकमात्र विधायक ने सत्तारूढ़ वाईएसआरसीपी के प्रति अपनी वफादारी बदल ली है।

भागवत की यात्रा के दौरान राज्य में उचित सुरक्षा सुनिश्चित करें: ममता

मेदिनीपुर (पश्चिम बंगाल)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को पुलिस से कहा कि राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत की राज्य की चार दिवसीय यात्रा के दौरान राज्य में उचित सुरक्षा सुनिश्चित करें ताकि किसी भी अनिश्चित घटना को रोका जा सकें। भागवत मंगलवार को शहर पहुंचे और पश्चिम मेदिनीपुर जिले के केशियारी के लिए रवाना हुए, जहां वह आरएसएस के प्रशिक्षण कार्यक्रम के सिलसिले में 21 मई तक रहेंगे। मुख्यमंत्री बनर्जी ने दिन में यहां प्रशासनिक समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा,आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत 17 से 20 मई तक केशियारी में रहेंगे। उनका एजेंडा क्या है, आपको नजर रखनी चाहिए और उचित सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए ताकि वे दंगे न भड़काएं। आरएसएस के पश्चिम बंगाल सचिव जिष्णु बसु ने यूनीवार्ता को बताया,केशियारी में 21 मई तक रहने के दौरान श्री भागवत संघ के द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन करेंगे।

दिवंगत बंगाली अभिनेत्री पल्लवी का लिव-इन पार्टनर गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की दिवंगत टेलीविजन अभिनेत्री पल्लवी दे के लिव-इन पार्टनर सग्निक चक्रवर्ती को पुलिस ने मंगलवार को शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न और अभिनेत्री के धन के गबन के आरोपों के बाद गिरफ्तार किया। अभिनेत्री दे रविवार को दक्षिण कोलकाता में अपने फ्लैट में छत से लटकी मिली थी। अभिनेत्री के माता-पिता ने चक्रवर्ती पर आरोप लगाया कि उन्होंने उनकी बेटी के साथ दुर्व्यवहार किया और एक मामूली रकम कमाने के बावजूद एक अपने शान के लिए उसके पैसे का गबन किया। अभिनेत्री ने अमी सिराजेर बेगम (2018) में मुख्य भूमिका निभाई थी। वह वर्तमान में टीवी शो मोन माने ना में मुख्य भूमिका निभा रही थीं।

मोदी सरकार ने ऐसे हालात पैदा किए कि राजीव गांधी का हत्यारा रिहा हो गया : कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के हत्यारे ए.जी. पेरारिवलन को सुप्रीम कोर्ट की ओर से रिहा किए जाने पर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी सरकार ने ऐसे हालात पैदा किए कि अदालत को यह निर्णय देना पड़ा। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि आतंकवाद को लेकर सरकार का यह रवैया निंदनीय है।

उन्होंने मीडिया से कहा, उच्चतम न्यायालय का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण है। इससे करोड़ों भारतीय नागरिकों की भावना आहत हुई है क्योंकि न्यायालय ने राजीव गांधी जी के एक हत्यारे को रिहा कर दिया है। तथ्य बड़े स्पष्ट हैं और जिम्मेदार मोदी सरकार है।

उनके अनुसार, नौ सितंबर, 2018 को तमिलनाडु की तत्कालीन अन्नाद्रमुक-भाजपा सरकार ने उस समय के राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित को सिफारिश भेजी कि राजीव गांधी जी की हत्या के सभी सात दोषियों को रिहा कर दिया जाए।

राज्यपाल ने कोई निर्णय नहीं लिया। उन्होंने अपना पल्ला झाड़ते हुए मामला राष्ट्रपति को भेज दिया। राष्ट्रपति ने भी कोई निर्णय नहीं लिया।'

सुरजेवाला ने दावा किया कि इस विलंब और भाजपा सरकार द्वारा नियुक्त राज्यपाल द्वारा निर्णय नहीं लिए जाने के कारण एक हत्यारे को रिहा कर दिया। अब सभी दोषी रिहा हो जाएंगे। उन्होंने सवाल किया, 'मोदी जी, क्या आपका यही राष्ट्रवाद है? क्या आपका तौर-तरीका है कि कोई निर्णय ही नहीं लो और उस आधार पर अदालत राजीव गांधी जी के हत्यारे को रिहा कर दे?' कांग्रेस नेता ने कहा, 'जिस आधार पर निर्णय हुआ है उस आधार पर तो हजारों तमिल कैदियों को छोड़ दिया जाना चाहिए।

देश में आजीवन कारावास के लाखों कैदी हैं, उनको भी छोड़ दिया जाना चाहिए।'रणदीप सुरजेवाला ने कहा, 'यह कांग्रेस के एक नेता का सवाल नहीं है, बल्कि राजीव गांधी जी हमारे प्रधानमंत्री थे, जिन्होंने देश के लिए कुर्बानी दी। सरकार का रुख निंदनीय है और इसकी हम कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। देश के लोग देख लें कि इस सरकार का आतंकवाद को लेकर रवैया क्या है।'

31 सालों से जेल में बंद था ए.जी. पेरारिवलन

गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय ने राजीव गांधी हत्याकांड मामले में दोषी ए.जी. पेरारिवलन को रिहा करने का बुधवार को आदेश दिया, जो उम्रकैद की सजा के तहत 30 साल से अधिक समय से जेल में बंद है। न्यायमूर्ति एल. नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने अनुच्छेद 142 के तहत अपने विशेषाधिकार का इस्तेमाल करते हुए पेरारिवलन को रिहा करने का आदेश दिया।

कोर्ट के आदेश के बाद भावुक हुए पेरारिवलन के परिवार के सदस्य

चेन्नई। उच्चतम न्यायालय ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे एक आरोपी एजी पेरारिवलन को रिहा करने का आदेश सुनने के बाद तमिलनाडु के वेल्लौर जिले में जोलारपेट्टै में स्थित उनके आवास पर लोगों की काफी भीड़ देखने को मिली।

एक दुर्लभ मामले में संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी असाधारण शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए शीर्ष अदालत द्वारा पेरारिवलन की रिहाई का आदेश सुनाए जाने के बाद उनकी मां अर्पुथम्मल और पिता कुलदासन सहित परिवार के अन्य सदस्यों व रिश्तेदारों की आंखें भर आईं। अदालत के इस फैसले के साथ एजी पेरारिवलन 31 साल बाद जेल से बाहर आएंगे। पेरारिवलन के परिवार के सदस्यों ने आज इस खास मौके पर मिठाइयां बांटी, एक-दूसरे को गले लगाया। सभी इस दौरान बेहद भावुक नजर आए। पेरारिवलन ने खुद आस-पड़ोस के लोगों को मिठाइयां बांटी। गौर करने वाली बात है कि पेरारिवलन अपने बीमार पिता की देखभाल के लिए जमानत पर बाहर थे।

पेरारिवलन के माता-पिता ने उनकी रिहाई पर खुशी जताते हुए उन सभी को धन्यवाद दियाजो लंबी कानूनी लड़ाई में उनके साथ खड़े रहे। दोनों ने जमानत पर पेरारिवलन को रिहा करने की अनुमति देने के लिए तमिलनाडु सरकार और मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन को भी धन्यवाद दिया और शीर्ष न्यायालय को भी जमानत देने के लिए शुक्रिया कहा।

पेरारिवलन की रिहाई पर राजनेताओं ने कहा, यह एक मां की जीत है, जिसने अपने बेटे की रिहाई के लिए तीन दशक लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी। वेल्लोर जेल में 30 साल तक कैद रहे पेरारिवलन ने इस दौरान बयान दिया, सच्चाई और न्याय हमारे साथ है। हमें गहरा यकीन था कि मैंने कोई गलत काम नहीं किया और इसी ने मुझे और मेरी मां को इस कानूनी लड़ाई को जीतने की ताकत दी।

किसानों का प्रदर्शन अनुचित, अवांछनीय : मान

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने किसानों के आंदोलन को 'अनुचित' और 'अवांछनीय' करार देते हुए किसान यूनियनों से 'खोखली नारेबाजी' बंद कर राज्य सरकार से मिलकर पंजाब के गिरते जलस्तर को बचाने की अपील की। मुख्यमंत्री ने मंगलवार रात यहां जारी बयान में कहा कि धान की रोपाई के किश्तों में कार्यक्रम से किसानों के हितों पर कोई असर नहीं होगा बल्कि यह प्रदेश में जलस्तर बचाने में भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह महान गुरुओं के दिखाए रास्ते पर चल रहे हैं और उन्हें कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने दावा किया कि किसानों से बातचीत के लिए उनके दरवाजे हमेशा खुले हैं पर खोखले नारों से उनके जल स्तर बचाने के इरादों को तोड़ा नहीं जा सकता। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह किसान के बेटे हैं और जानते हैं कि किसानों को क्या चाहिए और उन्हें 10 जून और 18 जून का फर्क भी पता है। श्री मान ने कहा कि पानी और वायु पर उनका कोई पेटेंट नहीं है पर प्राकृतिक संसाधनों को बचाने के प्रति उनकी जिम्मेवारी है। उन्होंने कहा कि किसानों को आंदोलन करने के बजाय आगे आकर प्रदेश सरकार का समर्थन करना चाहिए क्योंकि सरकार का उद्देश्य पंजाब व पंजाबवासियों क बेहतरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बासमती और मूंग न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने की घोषणा वह कर चुके हैं और राज्य सरकार सीधी बिजाई पर लाभ भी दे रही है। मान ने किसानों से एक साल तक साथ देने को कहा और कहा कि इस दौरान किसानों को कोई नुकसान हुआ तो प्रदेश सरकार उसका पूरा मुआवजा देगी। उन्होंने आंदोलनरत किसान यूनियनों से जानना चाहा कि क्या पानी व पर्यावरण बचाने के बारे में सोचकर वह कुछ गलत कर रहे हैं। उन्होंने किसान यूनियनों से जानना चाहा कि वह उस समय क्यों चुप थे जब स्कूली बच्चों की एक बस बटाला में पराली जलाने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हुई और आग में दो छोटे बच्चों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि समय आ गया है कि ऐसी नखरेबाजी में उलझने के बजाय सब मिलकर पंजाब को बचाने की कोशिश करें। उन्होंने कहा कि वह लोकसभा में किसानों के मुद्दे उठाते रहे हैं और अब मुख्यमंत्री के नाते उनके हितों की रक्षा उनकी जिम्मेवारी है। उन्होंने कहा कि लेकिन किसानों को भी हालात की गंभीरता समझनी चाहिए और प्रदेश सरकार की मदद करनी चाहिए।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सेना भर्ती के मुद्दे पर युवा नेता अनुपम का पत्र

देश के विकास में योगदान देने के काबिल युवा हताशा में अपनी जान दे रहे हैं : अनुपम

श्री राजनाथ सिंह
माननीय रक्षा मंत्री
भारत सरकार

विषय : भारी संख्या में पद रिक्त होने के बावजूद सेना भर्ती न निकलने के संबंध में

आप भलीभांति अवगत होंगे कि देश में युवाओं का एक बड़ा वर्ग है जो भारतीय सेना में जाकर देश की सुरक्षा में अपना योगदान देना चाहता है। देशप्रेम की भावना से ओतप्रोत ये नौजवान छोटी उम्र से ही भर्ती प्रक्रिया में सफल होने के उद्देश्य से जीतोड़ मेहनत करने लग जाते हैं। भारतीय सेना में भर्ती होना देश के इन करोड़ों युवाओं का सपना होता है। लेकिन राष्ट्रवाद और सेना को अपनी नीति निर्धारण और राजनीति के केंद्र में रखने वाली आपकी सरकार का इस गंभीर विषय पर रवैय्या आश्चर्यजनक और दुखद है। सेना की तैयारी कर रहे युवाओं के माध्यम से मुझे सूचना मिली है कि भर्तियों पर फिलहाल रोक लगा रखी है। पिछले तीन वर्षों से भर्ती रैलियों का आयोजन भी बंद कर दिया गया है। सेना भर्ती की प्रतीक्षा में इन नौजवानों की उमर निकलती जा रही है। जिस कारण भारत के गाँवों शहरों के मैदानों में दिन रात मेहनत कर रहे युवाओं की उम्मीदें टूटने लगी हैं।

बेरोज़गारी के संकट पर सरकार की उदासीनता के कारण हताशा ऐसी बढ़ रही है कि युवाओं के आत्महत्या की खबरें आ रही हैं। आंकड़ें भी तस्दीक करते हैं कि भारत का %लेबर फोर्स% घटता जा रहा है। मतलब नाउम्मीदी ऐसी है कि लोग रोज़गार पाने की कोशिश भी बंद करने लगे हैं। भारत का %डेमोग्राफिक डिविडेंड% अब %डेमोग्राफिक डिजास्टर% का रूप लेता जा रहा है। देश के विकास और समृद्धि में योगदान देने के काबिल युवा अब हताशा और नाउम्मीदी में अपनी जान देने लगे हैं। एक युवा देश में ये सब होना हर देशभक्त के लिए चिंता का सबब होना चाहिए था। लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि आपकी सरकार का ध्यान अभी भी इस ज्वलंत विषय पर नहीं है।

आपको स्मरण होगा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के दौरान जब आप जनता के बीच आए थे तो युवाओं ने सेना भर्ती को लेकर आपसे सवाल किया था। तब आपने आश्वासन दिया था कि भर्ती होगी, होगी जो मीडिया सोशल मीडिया के माध्यम से सबने देखा। आपको इसी कारण से पत्र लिख रहा हूँ कि आपके रक्षा मंत्री रहते हुए अब भी कुछ उम्मीद है।

विशेष तौर पर तब जब सेना में एक लाख से अधिक पद रिक्त पड़े हों और चीन पाकिस्तान जैसे राष्ट्रीय सुरक्षा के खतरों से हम निरंतर जूझ रहे हों। भारत की ज़मीन पर कब्ज़ा करके बैठी चीनी सेना लदाख से अरुणाचल तक तरह तरह के दावे करता रहता है। ये समझना कठिन नहीं कि सेना में समय रहते भर्ती करना सिर्फ इन बेरोज़गार युवाओं के लिए ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में भी है।

आपसे निवेदन है कि बिना देरी किए देश भर में सेना भर्ती के लिए रैलियों का आयोजन हो और रिक्त पदों को भरा जाए।

बेंगलुरु में मौसम की मार, भारी बारिश से 2 मजदूरों की मौत, पाइपलाइन में मिले शव

बेंगलुरु। कर्नाटक की राजधानी में भारी बारिश के चलते दो लोगों की मौत हो गई है। खबर है कि दक्षिण पश्चिम मानसून से जुड़ी गतिविधियों के चलते हुई गरज के साथ बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यवस्त कर दिया है। भारतीय मौसम विभाग ने अगले 4-5 दिनों में भारी बारिश का पूर्वानुमान लगाया है। साथ ही बेंगलुरु के कई शहरी और ग्रामीण इलाकों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, खराब मौसम ने दो लोगों की जान ले ली। दोनों उल्लाल उपानगर में मजदूरी का काम करते थे। खबर है कि इनमें से एक उत्तर प्रदेश और एक बिहार से था। दोनों के शव पाइपलाइन में पाए गए हैं।

एनडीटीवी से बातचीत में पुलिस अधिकारी ने बताया, मृतकों की पहचान बिहार के देवभारत और उत्तर प्रदेश के अंकित कुमार के रूप में हुई है। कल शाम 5 बचे बारिश तेज थई और मजदूर साइट पर थे। शाम 7 बजे करीब जलस्तर बढ़ा। हम यहां सुरक्षा उपायों का आकलन कर रहे हैं।% रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि शहर में 155 मिमी से ज्यादा बारिश हो चुकी है।

निचले इलाकों के कई वीडियो सामने आए, जहां लोग घुटनों तक पानी में डूबे हुए हैं। खबर है कि जेपी नगर, जयनगर, लालबाग, चिकपट, मजेस्टिक, मल्लेशवरम, राजाजीनगर, यशवंतपुर, एमजी रोड, क्यूबन पार्क, विजय नगर, राजाराजेश्वरी नगर, मगदी रोड और मैसूर रोड समेत कई अन्य क्षेत्र प्रभावित हुए हैं।

समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, IMD ने तटीय और दक्षिण आंतरिक इलाकों में ज्यादा बारिश का अनुमान जताया है। देश के दक्षिण आंतरिक हिस्सों में बेंगलुरु, मदिकेरी, चिकमंगलूर, वायनाड, कोवलम और दक्षिण भारत के कई अन्य शहर शामिल हैं।

धामी का आरटीओ पर छापा, आरटीओ को किया निलंबित

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के बुधवार सुबह अचानक आरटीओ कार्यालय में पहुंचने से विभाग में हलचल मच गया। इस दौरान लापरवाही को लेकर श्री धामी ने आरटीओ दिनेश पठोई को निलंबित कर दिया। मुख्यमंत्री की ओर से की गई इस कार्रवाई के बाद विभागीय अधिकारियों में हड़कंप मच गया है। वह आज सुबह अचानक आरटीओ कार्यालय पहुंचे। यहां अनियमितताओं को लेकर उन्होंने तुरंत आरटीओ दिनेश पठोई को निलंबित कर दिया। इस दौरान यहां 80 फीसदी कर्मचारी अनुपस्थित मिले। सुबह दस बजे दफ्तर नहीं पहुंचने वाले कई अधिकारियों कर्मचारियों को नोटिस जारी करने के आदेश किए गए। मुख्यमंत्री को आरटीओ कार्यालय में अनियमितता की लगातार शिकायतें मिल रही थी। विभागीय सूत्रों के मुताबिक अभी कई और अफसरों पर गाज गिर सकती है।

नैनीताल-रानीबाग रोपवे का निर्माण जर्मन-आस्ट्रेलियन कंपनी करेगी

नैनीताल। नैनीताल-रानीबाग प्रस्तावित रज्जू मार्ग (रोप-वे) का निर्माण जर्मन-आस्ट्रेलियन कंपनी द्वारा किया जाएगा। केन्द्र सरकार की ओर इसकी जिम्मेदारी जर्मन-आस्ट्रेलियन कंपनी को सौंप दी गई है।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की ओर से यह बात बुधवार को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजय कुमार मिश्रा की अगुवाई वाली पीठ के समक्ष रखी गई। एनएचएआई की ओर कहा गया कि केन्द्र सरकार ने रोप-वे से जुड़े सभी बड़े प्रोजेक्ट प्राधिकरण को सौंप दिए हैं। इनमें उत्तराखण्ड के बड़े प्रोजेक्ट के साथ का नैनीताल-रानीबाग के बीच बनने वाला रोप-वे भी शामिल है। कंपनी की ओर से नये सिरे से इसका सर्वे किया जाएगा। केन्द्र सरकार की ओर इस प्रोजेक्ट के सर्वे के लिए धनराशि भी आवंटित कर दी गई है। इसके बाद कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की अगुवाई वाली पीठ ने एनएचएआई को इस मामले में 15 जून तक लिखित में जवाब देने को कहा है। एनएचएआई की ओर से यह बात मशहूर पर्यावरणविद् अजय रावत की ओर से दायर जनहित याचिका के जवाब में कही गयी।

याचिकाकर्ता की ओर से 2019 में एक जनहित याचिका के माध्यम से इस मामले को चुनौती दी गयी। याचिका में कहा गया कि नैनीताल में जिस स्थान पर रोप-वे के अपर टर्मिनल का निर्माण किया जा रहा है, वह भूगर्भीय दृष्टि से काफी संवेदनशील है। निहाल नाला व बलियानाला के बीच पहाड़ियों में लगातार कटाव होता जा रहा है।

उन्होंने कहा कि योजना को अंतिम रूप देने से पहले इसका ठोस अध्ययन किया जाना चाहिए। पहले प्रदेश पर्यटन विकास बोर्ड की ओर से इस रोप-वे का निर्माण किया जाना था।

'IFTDO 2022%' वर्ल्ड कांफ्रेंस दिल्ली में 19-21 मई को

IFTDO 2022 का उद्घाटन लोकसभा अध्यक्ष, ओम बिरला केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और धर्मेंद्र प्रधान की उपस्थिती में करेगें

नई दिल्ली। भारत 19 से 21 मई 2022 के दौरान नई दिल्ली में एक बेहतर कार्य संस्कृति के लिए रणनीति नए युग के रास्ते विषय पर IFTDO 2022 विश्व कार्फ्रेंस और प्रदर्शनी की मेजबानी करने जा रहा है। IFTDO जीवन की बेहतरी के लिए विश्व स्तर पर काम कर रहे संगठनों को मानव संसाधन विकास से संबंधित अनूठा और प्रभावी संसाधन पेश करता है।

2013 के बाद यह 5वीं बार होगा जब यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन भारत में आयोजित किया जाएगा।

IFTDO 2022 का उद्घाटन मुख्य अतिथि लोकसभा अध्यक्ष, ओम बिरला, हरदीप सिंह पुरी, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, आवास और शहरी मामलों के मंत्री और धर्मेंद्र प्रधान, शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री की उपस्थिति में किया जाएगा। इसके साथ ही श्रम मंत्री, मानव संसाधन विकास एवं प्रशिक्षण, मॉरीशस सरकार सूदेश सत्कम कालीचर्न समापन सत्र में उपस्थित रहेंगे।

भारत, बहरीन, नाइजीरिया, मलेशिया, आयरलैंड और अधिक देशों के 500 से अधिक वक्ताओं से विभिन्न विषयों पर अपने दृष्टिकोण और विचार साझा करेगें। 20 से अधिक शीर्ष प्रदर्शक अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे। IFTDO 2022 में 40 से अधिक इंटरैक्टिव लर्निंग सेशन भी आयोजित किए जाएंगे। इसमें विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों के छात्र भी शामिल होंगे।

इसका आयोजन इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट (आईएसटीडी) द्वारा नेशनल ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट (एनएचआरडी) और स्टेंडिंग कांफ्रेंस आफ पब्लिक एंटरप्राइजेज (एससीओपीई) के सहयोग से किया जा रहा है। इसके अन्य सहयोगी संस्थाओं में सोसाइटी फॉर ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट (एसएचआरएम) और संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पैक्ट (यूएनजीसी) शामिल हैं।

इस पूरे आयोजन का नेतृत्व डॉ. रंजन कुमार महापात्रा, अध्यक्ष, ढ्ढस्न्रञ्जष्ठह्र और निदेशक (एचआर), इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, डॉ. नटराज रे, राष्ट्रीय अध्यक्ष, आईएसटीडी और डॉ. विनयशील गौतम, अध्यक्ष, संचालन समिति जैसी प्रतिष्ठित हस्तियों द्वारा किया जाएगा। महामारी के दौरान कुछ कंपनियां डिजिटल काम को तेजी से अपना रही थीं लेकिन अधिकांश कंपनियों को नए मॉडल का सामना करने में सक्षम होने में भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। कुछ संगठनों को पूरी तरह से बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस चुनौतीपूर्ण परिदृश्य को ध्यान में रखते हुए विषय और उप-विषयों को डिकोड करने और समझने की कोशिश करते हुए इन समस्याओं पर चर्चा की जाएगी कि संगठन बेहतर कार्य संस्कृति का समर्थन करने के लिए क्या कर सकते हैं।

सम्मेलन के सत्रों को चार विषयों के तहत समूहीकृत किया जाएगा जिसमें कौशल, प्रौद्योगिकी, बाजार और स्थिरता शामिल हैं।

सम्मेलन में दुनिया भर के प्रख्यात वक्ता मानव क्षमताओं को फिर से आकार देने में बेहतर कार्य संस्कृति की सीमाओं को आगे बढ़ाने, गिग इकॉनमी में कुशल कार्यबल की चुनौतियों, डिजिटल रूप से जुड़े कार्यस्थल में कौशल का महत्व, मानव संरक्षण जैसे विषयों पर अपने दृष्टिकोण और विचारों को साझा करेंगे। डिजिटली कनेक्टेड कार्यस्थल, कार्यबल रणनीतियों के माध्यम से उद्यम को बढ़ावा देने, डेटा के माध्यम से निर्णय लेने को मुक्त करने और डिजिटल हस्तक्षेपों के साथ पुन- कौशल और अप-स्किलिंग के साथ ही अन्य विषयों पर इस सम्मेलन में चर्चा की जाएगी।

पत्रकारो को संबोधित करते हुए डॉ. रंजन कुमार महापात्रा, अध्यक्ष, IFTDO, और निदेशक (एचआर), इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने कहा, महामारी के कारण यह प्रतिष्ठित कार्यक्रम का आयोजन नहीं हो सका था।

जिससे हम चिंतित थे। वर्तमान समय में हम इस समारोह को आयोजित करने के लिए पूर्ण रुप से तैयार है। इस कार्यक्रम को आयोजित करने का उद्धेश्य महामारी के बाद के समय में बजार को गतिशीलता देना है। इसके साथ ही हम इस बात पर भी चर्चा करेगें कि हमने महामारी के कठिन समय में क्या क्या सीखा है और भविष्य में हम अपने काम को और बेहतर कैसे कर सकते है।

इस अवसर पर बोलते हुए, डॉ. नटराज रे, राष्ट्रीय अध्यक्ष, आईएसटीडी ने जोर देते हुए कहा कि, महामारी के बाद आयोजित होने वाला यह सम्मेलन मानव संसाधन विकास के लिए एक अनूठा अवसर है।

यह वास्तव में महामारी के बाद शारीरिक और स्किलिंग, रीस्किलिंग रूप से मिलने पर विचार-विमर्श करने और महामारी से हमने जो सीखा है और आने वाले वर्षों में इसकी चुनौतियों के बारे में हमें यहां जानकारी मिलेगी।

दिल्ली सचिवालय में पर्यावरण मंत्री गोपाल राय की अध्यक्षता में अर्बन फार्मिंग विषय पर रॉउंड टेबल सम्मलेन का आयोजन किया गया

अर्बन फार्मिंग से सम्बंधित ह्यड्रोपोनिक्स, ग्रीनहाउस फार्मिंग, किचन गार्डन, फार्मलेटस, एरोपोनिक्स, रेवोपोनिक्स, एकुवाकल्चर जैसे क्षेत्रो पर की गई चर्चा : गोपाल राय

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली सचिवालय में आज पर्यावरण मंत्री गोपाल राय की अध्यक्षता में अर्बन फार्मिंग विषय पर भिन्न प्रौद्योगिकी प्रदाताओं के साथ रॉउंड टेबल सम्मलेन आयोजित किया गया। इस सम्मलेन के दौरान अर्बन फार्मिंग के लिए प्रयोग में लाई जाने वाली विभिन्न कृषि प्रौद्योगिकियों पर चर्चा की गई। साथ ही अर्बन फार्मिंग के ज़रिए दिल्ली में ग्रीन कवर बढ़ाने के साथ-साथ, रोज़गार भी बढ़ेगा। जिसकी नोडल एजेंसी डायरेक्टोरेट ऑफ़ हॉर्टिकल्चर को बनाया गया है।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि ठंड के मौसम में दिल्ली में प्रदूषण का स्तर काफी बढ़ जाता है। दिल्ली में खेती योग्य भूमि लगातार कम होती जा रही है और कंक्रीट के बिल्डिंग्स की संख्या बढ़ती जा रही है। इसलिए दिल्ली में आने वाले समय में जमीन की कमी की संभावना बढ़ रही है और इसी के मद्देनजर दिल्ली सरकार अर्बन फार्मिंग का प्लान शुरू की है। इस प्लान का मकसद लोगों को अपने घरों की छतों, बॉलकनी और बरामदों में अपने उपयोग की सब्जियां व फल इत्यादि का उत्पादन करने के प्रति प्रोत्साहित करना है। इससे न सिर्फ लोगों को अपने द्वारा उगाई गई शुद्ध फल और सब्जियां प्राप्त होंगी, बल्कि दिल्ली के ग्रीन क्षेत्र में भी वृद्धि होगी।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने रॉउंड टेबल सम्मलेन के बारें में जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली में शुरू किए गए समर एक्शन प्लान के 14 बिंदुओं में सम्मिलित अर्बन फार्मिंग विषय को लेकर आज दिल्ली सचिवालय में विभिन्न कंपनियों / प्रौद्योगिकी प्रदाताओं के साथ नए -नए अर्बन फार्मिंग से सम्बंधित मॉडल्स को लेकर चर्चा की गई। इस रॉउंड टेबल सम्मलेन में देश के कोने-कोने से विभिन्न कंपनियो/ प्रौद्योगिकी प्रदाताओं ने भागीदारी की। इनमे फ़्लोरा कंसलटेंट, हारवेल एग्रो, भूमिका ऑर्गनिक्स, इज़ीग्रो, एमआर फार्म्स, एडिबले रुट्स, आर एस पॉलीमर, सो गुड जैसे नाम शामिल रहें। यह सभी कंपनी /प्रौद्योगिकी प्रदाता शहरी कृषि से सम्बंधित विभिन्न क्षेत्रो में कार्यरत हैं। जिसमें मुख्यत: ह्यड्रोपोनिक्स ,ग्रीनहाउस फार्मिंग ,किचन गार्डन , फार्मलेटस , एरोपोनिक्स , रेवोपोनिक्स, एकुवाकल्चर जैसे क्षेत्रो में कार्य कर रहें हैं। उन्होंने बताया कि इस सम्मलेन के दौरान विभिन्न प्रौद्योगिकी प्रदाताओं ने दिल्ली की जलवायु और यहां की स्थितियों के लिए उपयुक्त विभिन्न अर्बन फार्मिंग से सम्बंधित मॉडल प्रस्तुत किए।साथ ही इन सभी कंपनियों /प्रौद्योगिकी प्रदाताओं को अपने मॉडल्स की विस्तृत जानकारी विभाग को जमा करने के आदेश भी दिए गए हैं। जिसके आधार पर दिल्ली में अर्बन फार्मिंग को लेकर आगे की कार्य योजना तैयार की जाएगी। पर्यावरण मंत्री की सलाहकार रीना गुप्ता ने कहा, दिल्ली जैसे वैश्विक महानगर के अंदर अर्बन फार्मिंग एक उद्योग के रूप में हजारों हरित रोजगार पैदा करने की क्षमता रखता है। इस उद्योग ने पिछले कुछ वर्षों में कई नई तकनीकों को आगे आते हुए देखा है और दिल्ली में अर्बन फार्मिंग जैसे अभियान को शुरू करने से पहले इन नई तकनीकों और मॉडलों को समझना महत्वपूर्ण है। आज की बैठक ने हमें इस उद्योग के प्रौद्योगिकी प्रदाताओं के साथ बातचीत करने और उनके मॉडल के बारे में जानने का अवसर दिया। हम जल्द ही दिल्ली के लिए उपयुक्त सबसे अच्छा संभव मॉडल लॉन्च करेंगे।

अर्बन फार्मिंग के ज़रिए दिल्ली मे लोगों को मिलेगा रोज़गार

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली में ग्रीन कवर बढ़ाने के साथ-साथ, रोज़गार भी बढ़ेगा। इसकी नोडल एजेंसी डायरेक्टोरेट ऑफ़ हॉर्टिकल्चर को बनाया गया है , जो कृषि सम्बंधित सभी जानकारियों को लोकल पब्लिक के साथ भिन्न कम्पैन्स के ज़रिये साझा करेंगे।

क्या है अर्बन फार्मिंग?

अर्बन फार्मिंग के तहत, यदि पर्याप्त धूप उपलब्ध हो तो लोग अपने घर की छतों पर फल, सब्जियां और पौधे उगा सकते हैं। अर्बन फार्मिंग से लोगों को उन खाद्य उत्पादों में कीटनाशकों और हानिकारक रसायनों से बचने में मदद मिलेगी, जिनका वे दिन-प्रतिदिन उपभोग करते हैं। साथ ही इससे शहर में ग्रीन कवर को भी बढ़ावा मिलेगा। दिल्ली सरकार का हार्टिकल्चर विभाग इस पहल का नोडल विभाग के रूप में काम करेगा। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि दिल्लीवासी अपने दैनिक जीवन में रासायनिक उत्पादों के अधिक खपत को कम करके और अर्बन फार्मिंग के माध्यम से स्वास्थ्य सुधार करने में सक्षम होंगे।

शार्ट न्यूज

कृष्णा नगर विधान सभा में भाजपा ने चलाया दिल्ली सरकार के खिलाफ पोल खोल अभियान

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने कृष्णा नगर विधान सभा कृष्णा नगर मंडल के राधे पूरी क्षेत्र में समिति नंबर 114 और 115 में दिल्ली सरकार के खिलाफ पोल खोल अभियान चलाया गया। भाजपा दिल्ली प्रदेश महामंत्री माननीय श्री हर्ष मल्होत्रा जी और भाजपा दिल्ली प्रदेश किसान मोर्चा अध्यक्ष माननीय श्री विनोद सहरावत जी के मार्गदर्शन में पोल खोल अभियान चलाया गया। इस अभियान में सौ से भी ज्यादा भाजपा कार्यकर्ताओ ने सौ से ज्यादा घरो में जाकर लोगो से संपर्क स्थापित किया जिनको ये बताया गया की दिल्ली सरकार पिछले सात साल से दिल्ली के लोगो को छल रही है। दिल्ली सरकार झूठ बोल रही है की उन्होंने 12 लाख जॉब दी है जबकि हकीकत में दिल्ली सरकार ने पिछले साथ सालो में 440 जॉब ही दिए गए है। दिल्ली सरकार ने 20 अस्पताल खोलने का वादा किया था लेकिन एक भी हॉस्पिटल दिल्ली सरकार ने अभी तक नहीं बनाया है। दिल्ली सरकार ने 500 स्कूल खोलने का वादा जनता से किया था लेकिन दिल्ली सरकार ने अभी तक एक भी स्कूल नया नहीं बनाया है। जबकि 70 प्रतिशत स्कूलों में प्रधानाचार्य ही नहीं है। ये हालत दिल्ली सरकार के वादो की है। इन वादो की पोल खोलने के लिए जनता बीच जाकर लोगो को बताया गया की किस प्रकार से दिल्ली की भोली भाली जनता को ठगा गया है। और आगे भी दिल्ली को न ठगा जाये इसके लिए जनता जागरूक हो और ऐसी सरकार को उखाड़ फेकें जो झूठ पर आधारित है सिर्फ प्रचार माध्यम पर आधारित है और ना ही कोई शासन है और ना ही कोई प्रसाशन है सिर्फ कुसाशन है। इस कुसाशन के खिलाफ, ग्यारह करोड़ डीटीसी घाटे के खिलाफ, सत्तावन हजार करोड़ दिल्ली जल बोर्ड लोन के खिलाफ आज जनता सड़को पर उतर आयी है जनता का अत्यंत सपोर्ट भाजपा कार्यकर्ताओ को मिल रहा है। बल्कि अब तो ये जन आंदोलन हो गया है जनता ने कहा इन्होने अब तक कुछ तो नहीं किया लकिन घर घर शराब पहुंचाने का काम जरूर कर दिया है इस वार्ड में पहले एक दो दुकाने होती थी लकिन अब पांच पांच दुकाने खुल गयी है। रात को तीन बजे तक दुकाने खुली रहती है जिससे युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है। घर बर्बाद हो रहे है। और जो सब्सिडी मिल रही है उसके कारण शराब का प्रचलन, शराब पीने की लत लोगो में बड़ा रहे है। ऐसी सरकार को उखाड़ फेकना ही भारतीय जनता पार्टी की लक्ष्य है इस अवसर पर पार्षद श्री संदीप कपूर जी , विधायक प्रत्याशी डॉ अनिल गोयल जी, मंडल अध्यक्ष श्री कुश बिंद्रा जी,उपाध्यक्ष श्री महेंद्र भटेजा जी, बूथ संयोजक श्री अनिल अरोड़ा जी, महामंत्री श्री राजेश चड्ढा जी, महामंत्री श्री हितेश गिरी जी, उपस्थित रहे।

IGNOU ने असाइनमेंट जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाई

नई दिल्ली। टर्म एंड एग्जाम 2022 सत्र के लिए इग्नू ने छात्रों को अपने सत्रीय कार्य को जमा कराने के लिए समय सीमा को बढ़ा दिया है ऐसे में जो छात्र मई में अंतिम तिथि तक अपना सत्रीय कार्य जमा कराने की स्तिथि में नहीं थे उनके लिए थोड़ी राहत की बात है. इग्नू ने सत्रीय कार्य की अंतिम तारीख को 15 मई 2022 से बढ़ाकर 31 मई 2022 कर दिया है. छात्रों को अपने सत्रीय कार्य की हार्ड एवं सॉफ्ट कॉपी दोनों कॉपी को इग्नू में जमा कराना होगा।

बिजली विभाग ने मुंडका की इन अवैध फैक्ट्रियों को हाई लोड बिजली मीटर एवं दिल्ली सरकार के जी.एस.टी. विभाग ने व्यवसायिक पंजीकरण क्यों दिया : दिल्ली भाजपा प्रवक्ता

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के प्रवक्ता श्री प्रवीण शंकर कपूर ने कहा है कि जिस तरह आम आदमी पार्टी नेता दुर्गेश पाठक एवं अतिशी के बाद आज सौरभ भारद्वाज ने मुंडका में हुई दुर्घटना पर रटी रटाई ब्यानबाजी की उससे स्थापित हो गया की इन सभी 'आप' नेताओं को मानवीय पीड़ा पर राजनीति करने में आनंद आता है। दिल्ली भाजपा प्रवक्ता ने कहा है कि यह बेहद दुखद है आम आदमी पार्टी नेता नगर निगम एवं भाजपा नेताओं पर दोषारोपण की ओछी राजनीति कर रहे हैं जबकि उनकी अपनी अरविंद केजरीवाल सरकार ने सात साल की सत्ता में दिल्ली की अग्निशमन सेवा के सुधार के लिये कोई काम नहीं किया जिसका नतीजा यह रहा है की मुंडका अग्निकांड के बाद फायर ब्रिगेड विलम्ब से पहुंची और जो पहुंची उनके पास विशेष यंत्र नहीं थे नतीजा अनेक जानें चाहकर भी नहीं बचाई जा सकीं। अपने अन्य साथियों की तरह सौरभ भारद्वाज आज यह सवाल उठा रहे हैं कि नगर निगम की लापरवाही से इस बिल्डिंग में अवैध व्यवसायिक गतिविधियाँ चल रही थीं पर दिल्ली की जनता जानना चाहती है की दिल्ली सरकार के बिजली विभाग ने मुंडका की इन अवैध फैक्ट्रियों को हाई लोड बिजली मीटर एवं दिल्ली सरकार के जी.एस.टी. विभाग ने व्यवसायिक पंजीकरण क्यों दिया। दिल्ली भाजपा प्रवक्ता ने कहा है कि आज दिल्ली में अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सत्येन्द्र जैन की सरपरस्ती में हजारों छोटी बड़ी अवैध फैक्ट्रियां गलत कागजों के आधार बिजली एवं जी.एस.टी. पंजीकरण करवा कर चल रहीं है और यह तीनों ही मुंडका कांड के लियें भी जिम्मेदार हैं।

22 मई को होगा दिल्ली की तीनों निगमों का एकीकरण, केंद्र सरकार ने जारी किया आदेश

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने दिल्ली की तीनों निगमों के एकीकरण के लिए 22 मई को निर्धारित किया है। बुधवार को उत्तरी निगम के महापौर का कार्यकाल समाप्त हुआ तो दक्षिण दिल्ली नगर निगम के महापौर का कार्यकाल 20 मई को समाप्त हो रहा है इसके बाद 22 मई को पूर्वी दिल्ली नगर निगम के महापौर का कार्यकाल समाप्त हो जाएगा। इसके बाद दिल्ली नगर निगम अपने पुराने अस्तित्व में आ जाएगी और दस साल पहले हुआ तीनों निगमों का विभाजन इतिहास बन कर रह जाएगा। गत 18 अप्रैल 2022 को दिल्ली नगर निगम को एकीकृत करने संबंधी विधेयक पास किया गया था और 18 मई को केंद्र सरकार ने तीनों निगमों के एकीकरण के लिए 22 मई को निर्धारित किया है। वैसे तो 31 मार्च को तीनों निगमों की समितियों के अध्यक्षों का कार्यकाल समाप्त हो गया था और अधिकांश पार्षदों ने अपने-अपने लैपटॉप भी जमा करा दिए थे। लेकिन तीनों निगमों में महापौर का कार्यकाल 22 मई तक समाप्त हो रहा है इसके मद्देनजर केंद्र सरकार की तरफ से एकीकरण को लेकर शाम आदेश जारी किए गए। सूत्रों का कहना है कि 22 मई को एकीकृत निगम की कमान सौंपने के लिए स्पेशल आफिसर के साथ ही निगमायुक्त के नाम की भी घोषणा की जा सकती है। इसके अलावा यह भी देखना होगा कि 22 मई को निगम के एकीकरण के साथ केंद्र सरकार पूर्वी निगम के कर्मचारियों को जिनको पांच माह से वेतन नहीं मिला है, उनके लिए क्या घोषणा करती है।

दवा भेजने के नाम पर रिटायर्ड एएसआई से 3.60 लाख ठगे

नई दिल्ली। दवा भेजने के नाम पर दिल्ली पुलिस से सेवानिवृत्त एएसआई चोखे लाल से 3.60 लाख रुपये ठगने का मामला सामने आया है। एएसआई ने आईसीयू में भर्ती पत्नी के लिए करोलबाग के एक मेडिकल स्टोर से ऑनलाइन दवा मंगाई थी। पीड़ित की शिकायत पर मंगलवार को साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पीड़ित 65 वर्षीय चोखे लाल खजूरी खास में रहते हैं। उनके अनुसार, पत्नी प्रेमलता पूर्वी दिल्ली के पटपड़गंज स्थित मैक्स अस्पताल में 19 जनवरी से 24 मार्च तक भर्ती थीं। वह 18 दिन तक आईसीयू में भर्ती रहीं। आईसीयू में भर्ती के दौरान डॉक्टर द्वारा लिखी दवा के लिए चोखे लाल ने करोलबाग स्थित मेडिकल स्टोर संचालक रवि से संपर्क किया था। उसने तीन-चार दिन में दवा भेजने को कहा। उन्होंने रवि के खाते में 3,59,500 भेज दिए। चोखे लाल का आरोप है कि रवि ने न तो दवा भेजी और न ही रुपये वापस किए।

आदेश गुप्ता और विजय गोयल ने चांदनी चौक जिले में केजरीवाल के खिलाफ पोल खोल अभियान चलाया

केजरीवाल बिजली के फिक्स चार्ज के नाम पर करोड़ों रुपये की कर रहे हैं वसूली : आदेश गुप्ता

आनंद राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि भीषण गर्मी के बीच पानी की किल्लत से दिल्लीवासी जूझ रहे हैं, लेकिन दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के लिए पानी नहीं बल्कि शराब प्राथमिकता है। अब एक जून से एक बार फिर से शराब सस्ती करने की बात कही गई है। आज आदेश गुप्ता ने चांदनी चौक जिले के सदर विधानसभा, मॉडल टाउन विधानसभा और चाँदनी चौक विधानसभा क्षेत्रों में पूर्व केन्द्रीय मंत्री विजय गोयल और जिला अध्यक्ष विकेश सेठी के साथ केजरीवाल सरकार के खिलाफ पोल खोल अभियान के दौरान लोगों से मुलाकात की और केजरीवाल सरकार की नाकामियों की जानकारी आम जनता तक पहुंचाई।

आदेश गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार पिछले सात सालों में अपने हर वायदों को पूरा करने में फेल साबित हुई है। जनता को हर बार गुमराह कर एक मासूम चेहरा लिए केजरीवाल ने दिल्लीवालों के टैक्स के पैसों को पानी की तरह बर्बाद करने का काम किया है। बड़े-बड़े होर्डिंग्स और पोस्टर लगाकर अपनी वाहवाही करवाने के लिए केजरीवाल सरकार ने काम करने की जगह प्रचार पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि विज्ञापन की राजनीति करते-करते केजरीवाल ने दिल्ली की व्यवस्था को पूरी तरह से पंगू बना डाला है। केजरीवाल एक तरफ शिक्षा की बात करते हैं तो दूसरी तरफ दिल्ली के युवाओं को शराब पीने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

आदेश गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल ने वायदा किया था कि वह वृद्धा अवस्था पेंशन बढ़ाएंगे लेकिन पिछले चार सालों में पेंशन बढ़ाने की तो छोड़ दीजिए उन्होंने एक भी नई पेंशन लागू नहीं की और जिनकी पुरानी पेंशन लगी हुई थी, उनको भी पेंशन समय पर नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि मुफ्त बिजली का ढ़िढ़ोंरा केजरीवाल और उनके मंत्री दूसरे राज्यों तक पीट रहे हैं लेकिन झुग्गी में रहने वालों के घर पर हजारों रुपये के बिल आ रहे हैं। इतना ही नहीं फिक्स चार्ज के नाम पर करोड़ों रुपये वसूल किया जा रहा है और आए दिन कोयले की कमी बताकर दिल्ली को अंधेरे में डुबने का डर दिखाते रहते हैं।

विजय गोयल ने कहा कि दिल्ली में हर साल प्रदूषण से बुरा हाल होता रहा है, लेकिन पिछले सात सालों में केजरीवाल सरकार ने प्रदूषण के रोकथाम के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया। अपना पल्ला झाड़ने में माहिर केजरीवाल प्रदूषण के लिए हरियाणा-पंजाब को दोषी ठहराते रहे हैं। जबकि हकीकत तो यही है कि केजरीवाल की कमियों के कारण ही दिल्ली गैस चैंबर बनी रहती है। उन्होंने कहा कि कई बार कोर्ट द्वारा प्रदूषण के मामले में केजरीवाल को फटकार लगायी जा चुकी है लेकिन बावजूद उसके केजरीवाल कोर्ट की फटकार को भी लगातार अनदेखी करते रहे हैं और प्रदूषण दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है।

एक अन्य कार्यक्रम में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश उपाध्याय ने ग्रीन पार्क मार्किट में लोगों के बीच जाकर केजरीवाल के किये गये वायदों की सच्चाई से सभी को रूबरू करवाया। उन्होंने कहा कि किस तरह से पानी, बिजली, बस इत्यादि हर एक विषय पर केजरीवाल ने दिल्लीवासियों को कोरा सपना दिखाने का काम किया है वह सबके सामने उजागर हो चुका है। दिल्लीवासी भी समझ चुके हैं कि विज्ञापन के सहारे चलने वाली आप पार्टी की करनी और कथनी में काफी अंतर है।

इस मौके पर नई दिल्ली जिला अध्यक्ष श्री प्रशांत शर्मा, निगम पार्षद श्रीमती राधिका अब्रोल एवं मंडल अध्यक्ष श्री मनोज गर्ग सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

हौज खास में तेज रफ्तार कार ने दो बच्चों को कुचला, एक की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के हौजखास इलाके में तेज रफ्तार कार ने साइकिल चला रहे दो भाइयों को कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल दोनों बच्चों को सड़क पर बेसुध पड़े देख आरोपी कार चालक ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया। जहां से 13 वर्षीय वीर और 18 वर्षीय देव मंडल को दूसरे अस्पताल में रेफर कर दिया गया। उपचार के दौरान मंगलवार दोपहर वीर की मौत हो गई। जबकि देव की हालत अब स्थिर है।

मामले की सूचना के बाद हौजखास थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने आरोपी कार चालक कैलाश निवासी धनंजय मलिक को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि बाद में उसे जमानत पर छोड़ दिया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतक बच्चा 13 वर्षीय वीर अपने परिवार के साथ पंचशील पार्क के जेजे कैंप निवासी इलाके में रहता था। परिवार में माता-पिता के अलावा एक छोटा भाई आर्यन भी शामिल है। वीर के परिजनों ने बताया कि वीर शनिवार को स्वीमिंग के लिए अपने मौसेरे भई देव के साथ गया।

दोपहर को दोनों साइकिल से अपने घर लौट रहे थे। जब दोनों बच्चे अगस्त क्रांति मार्ग पहुंचे तो पीछे से एक तेज रफ्तार स्कोडा कार ने उन्हें टक्कर मार दी। गाड़ी की टक्कर से दोनों बच्चे साईकिल से उछलकर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। आरोपी धनंजय मलिक ने दोनों भाईयों को साकेत स्थिति मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया और फोन कर परिजनों को घटना की जानकारी दी। उपचार के दौरान छोटे भाई वीर की मंगलवार को मौत हो गई। पुलिस को अस्पताल से मामले की सूचना दी गई। मौके पर पहुंची हौजखास थाना पुलिस ने संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

हिंदू महासभा का दावा- जामा मस्जिद के नीचे देवी-देवताओं की मूर्तियां, पीएम को लिखा लेटर

नई दिल्ली। वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद, कुतुब मीनार और ताजमहल बाद हिंदू संगठनों के निशाने पर अब दिल्ली की जामा मस्जिद भी आ गई है। हिंदू महासभा के अध्यक्ष स्वामी चक्रपाणि ने दावा है कि जामा मस्जिद के नीचे हिंदू देवी देवताओं की मूर्तियां हैं। इस पर उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री को चिट्ठी लिखकर जामा मस्जिद के चबूतरे और सीढ़ियों की खुदाई कराके उन्हें निकलवाने की अपील की है। स्वामी चक्रपाणी ने शाही इमाम से जामा मस्जिद की खुदाई करने की अनुमति देने की मांग की। उन्होंने कहा कि इस तरह जो भी सच्चाई होगी वो लोगों के सामने आ जाएगा। हिंदू महासभा ने ये मांग तब की है जब वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद में शिवलिंग मिलने का दावा किया जा रहा है। हालांकि अभी हिंदू पक्ष और मुस्लिम पक्ष के अलग अलग दावे हैं। आपको बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब स्वामी चक्रपाणि ने ऐसा बयान दिया हो। इससे पहले भी उनकी मांग थी कि दिल्ली का नाम बदलकर इंद्रप्रस्थ रखा जाना चाहिए, क्योंकि नाम का बहुत महत्व होता है। अगर दिल्ली का नाम बदलकर इंद्रप्रस्थ रखा जाए तो दिल्ली में बारिश भी होगी और दिल्ली में खुशहाली भी आएगी। जब देश की राजधानी खुशहाल रहेगी तो पूरा देश खुशहाल रहेगा।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने डीटीसी में भ्रष्टाचार की जांच सीबीआई से कराने की मांग को लेकर गृहमंत्री अमित शाह को लिखा पत्र

एक महीने के अंदर यात्रियों से खचाखच भरी छह डीटीसी की बसें धू-धू कर जल चुकी हैं : आदेश गुप्ता

विवेक राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि अरविंद केजरीवाल जो कभी आम आदमी की बात करते थे आज उनके लिए आम लोगों के जान की कीमत पानी से भी सस्ती हो गई है। इसलिए 5000 करोड़ रुपये के बजट वाला डीटीसी परिवहन निगम आज बर्बादी के कगार पर पहुंच गया है। डीटीसी जो बस के माध्यम से सुविधाएं देता था, आज लोगों की जान ले रहा है। डीटीसी आज पूरी तरह से भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुका है।

आदेश गुप्ता ने बर्बाद होती डीटीसी में भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा को देखते हुए इस पूरे मामले की जांच सीबीआई से कराने के लिए गृहमंत्री अमित शाह को एक पत्र लिखा है। आदेश गुप्ता ने आज

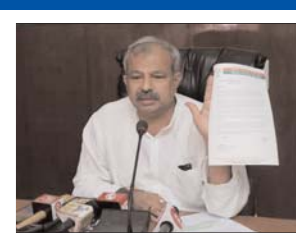

पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पिछले एक महीने के अंदर छह डीटीसी बसे धू-धू कर जल गई और यह दिल्ली सरकार की बर्बादी की कहानी बयां कर रही है। केजरीवाल के सत्ता में आने से पहले डीटीसी 6200 बसे थीं जो आज घटकर 3700 रह गई हैं।

जबकि दिल्ली की आबादी में पिछले सात सालों में 20 से 25 लाख का इजाफा हुआ है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने खुद कोर्ट में हलफनामा पेश कर कहा था कि दिल्ली में 11000 बसों की जरुरत है। आम आदमी पार्टी ने अपने घोषणा पत्र में भी कहा था कि उनकी सरकार आते ही 11000 बसे लेकर आएंगे। लेकिन उन 11000 बसों का आज भी जनता को इंतजार है। आदेश गुप्ता ने कहा कि आज डीटीसी की बसें जीती जागती जानलेवा बन गई है। केजरीवाल सरकार ने जिन बसों की उम्र समाप्त हो गई है, उन 1000 बसों को 500 करोड़ रुपये मेंटनेंस के लिए एग्रिमेंट किया। यानि जिन बसों की उम्र समाप्त हो गई है उनके मरम्मत पर 50 लाख रुपये प्रतिवर्ष केजरीवाल सरकार पानी की तरह पैसे बहाने का एग्रीमेंट किया हुआ है। उन्होंने कहा कि एक बस की उम्र सीमा 8 से 12 सालों की होती है और आज दिल्ली के अंदर 99 फीसदी बसों की उम्र सीमा 12 साल के पार हो चुकी है। आज डीटीसी के अंदर 32 बसे 12 साल पुरानी है जबकि 3700 बसें 10 से 12 साल पुरानी है। यानि उम्र सीमा को पार कर चुकी बसों को दिल्ली की सड़कों पर चलाकर केजरीवाल लोगों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। आदेश गुप्ता ने कहा कि दिल्ली परिवहन निगम में जो कुछ भी हो रहा है वह मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत की मिलीभगत है। ना ही किसी बस की मरम्मत हो रही है और ना ही कोई सुधार किया जा रहा है। क्योंकि मियाद खत्म हुई बसों की मरम्मत नहीं हो सकती है और अगर होती तो शायद ये बसें बीच सड़क पर जलती नहीं दिखाई देती।

उन्होंने कहा कि पुरानी बसों की मरम्मत पर खर्च होने वाले पैसों में भ्रष्टाचार हुआ है जिसकी सीबीआई जांच होनी चाहिए।

दिल्ली में सड़कों पर अवैध धार्मिक ढांचों को लेकर हाई कोर्ट का आदेश, सख्ती दिखाए सरकार

नई दिल्ली। राजधानी में सड़कों के किनारे और कई जगहों पर बीच में अवैध तरीके से बड़े पैमाने पर धार्मिक ढांचा बनाए जाने पर उच्च न्यायालय ने मंगलवार को चिंता व्यक्त की है। न्यायालय ने सरकार और संबंधित प्राधिकार से कहा कि ऐसे ढांचों के खिलाफ कठोर कदम उठाने होंगे।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी और न्यायमूर्ति नवीन चावला की खंडपीठ ने सरकार से कहा कि यह गंभीर चिंता का विषय है। पीठ ने कहा कि यदि सड़कों के बीच में इस तरह से अवैध तरीके से चीजें आ रही हैं, तो सभ्य समाज कैसे बचेगा? पीठ ने कहा कि आपको (सरकार) एक संदेश देना होगा और स्पष्ट कड़ा संदेश देना होगा कि इस तरह की चीजों (सड़कों पर अवैध निर्मित धार्मिक ढांचों) को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसमें अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का संदेश होगा।

पीठ ने यह टिप्पणी राजधानी की सड़कों पर अवैध धार्मिक ढांचों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान की है। यह याचिका अधिवक्ता एस.डी. विमलेश की ओर से दाखिल की गई है। उन्होंने उत्तर-पूर्वी दिल्ली के भजनपुरा इलाके में सड़कों के बीच में अतिक्रमण और धार्मिक संरचनाओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

याचिका में कहा गया है कि इस तरह के अतिक्रमण से यातायात बाधित होता है और लोगों को परेशानियां होती हैं। पीठ ने कहा कि 'हम यह समझ नहीं पा रहे हैं कि इस तरह के मसलों पर राज्य (सरकार) कैसे मूक दर्शक बन सकता है। पीठ ने कहा है कि हमारे विचार से, राज्य को ऐसे मामलों में एक स्पष्ट, निश्चित और दृढ़ रुख अपनाना चाहिए और अतिक्रमण करने वालों को संदेश देने के लिए कड़ा रुख अपनाना चाहिए कि इस तरह के अतिक्रमण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सरकार को सख्त संदेश देना होगा

पीठ ने कहा कि सरकार को यह संदेश देना होगा कि जैसे ही कोई भी इस तरह का अतिक्रमण करेगा और इस तरह के ढांचे खड़ा करेगा, उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। न्यायालय ने सड़कों से अवैध धार्मिक ढांचे को हटाने की मांग को लेकर दिल्ली सरकार, नगर निगम सहित सभी पक्षकारों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

दिल्ली में बढ़ा कोरोना का ग्राफ, दो दिन बाद फिर 500 अधिक नए केस

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में कोरोना के मामले घटने के साथ संक्रमण दर भी घटकर 2.5 फीसदी से कम हो गया है। राहत की बात है कि लंबे दिनों मे बाद बुधवार को कोरोना से किसी मरीज की मौत नहीं हुई। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार बुधवार को कोरोना के 532 नए मामले सामने आए। वहीं 767 नए मरीजों को छुट्टी दी गई। दिल्ली में कोरोना की जांच के लिए मंगलवार को 24989 टेस्ट हुए जिसमें 2.13 फीसदी मरीज संक्रमित पाए गए। दिल्ली में अभी तक 1901660 लोग कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 1872787 मरीज ठीक हो गए, जबकि 26198 मरीजों ने कोरोना के कारण दम तोड़ दिया। दिल्ली में कोरोना से मृत्युदर 1.38 फीसदी है। विभाग के अनुसार दिल्ली में कोरोना के सक्रिय मरीज घटकर 2675 हो गए हैं। इनमें से होम आइसोलेशन में 2039 और अस्पतालों में 104 मरीज भर्ती हैं। अस्पतालों में भर्ती मरीजों में से आईसीयू में 38, ऑक्सीजन सपोर्ट पर 46 और वेंटिलेटर पर 5 मरीज भर्ती हैं। दिल्ली में घटते मामलों के साथ कन्टेनमेट जोन की संख्या घटकर 1244 रह गई है।

संपादकीय

सोनिया गांधी ने तो पार्टी का कर्ज उतारने को कहा था, मगर नेता कांग्रेस छोड़ रहे हैं

हाल ही में उदयपुर में संपन्न कांग्रेस के चिंतन शिविर से पहले पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कांग्रेसियों से कहा था कि पार्टी का कर्ज उतारने का समय आ गया है। सोनिया गांधी के इस आह्वान के बाद कितने कांग्रेसियों ने कर्ज उतारा इसका तो कोई आधिकारिक आंकड़ा नहीं है लेकिन कांग्रेस का पटका उतार कर पार्टी छोड़ने का ऐलान दो बड़े नेता सुनील जाखड़ और अब हार्दिक पटेल कर चुके हैं। जी हाँ, गुजरात विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार में उतर चुके राहुल गांधी को झटका देते हुए हार्दिक पटेल ने कांग्रेस छोड़ने का ऐलान कर दिया है। पाटीदार आरक्षण आंदोलन से उभरे नेता हार्दिक पटेल ने कांग्रेस की गुजरात इकाई के कार्यकारी अध्यक्ष पद और पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा देकर गुजरात की राजनीति में नये समीकरण बना दिये हैं। हार्दिक पटेल का कहना है कि वह कांग्रेस के ऐसे वर्किंग प्रेसिडेंट थे जिसके पास कोई वर्क नहीं था। हार्दिक कांग्रेस से नाराज चल रहे हैं इस बात की खबरें तो बहुत दिनों से चल रही थीं। माना जा रहा था कि वह गुजरात में अपना आधार बनाने की कोशिश कर रही आम आदमी पार्टी में शामिल हो सकते हैं। लेकिन हार्दिक शायद अब अपने राजनीतिक कॅरियर के साथ और प्रयोग नहीं करना चाहते इसलिए कांग्रेस छोड़ते समय उन्होंने जो पत्र लिखा है वह दर्शा रहा है कि हार्दिक पटेल जल्द ही भाजपा में शामिल होकर इस साल के अंत में होने वाला विधानसभा चुनाव लड़ सकते हैं। संभवत: आने वाले दिनों में भाजपा जल्द ही कहे- हार्दिक स्वागत। क्योंकि हार्दिक की युवाओं के बीच अच्छी पकड़ और पटेलों के बीच समर्थन का लाभ उस पार्टी को होना ही है जिसके साथ हार्दिक जायेंगे। वैसे तो गुजरात में भाजपा का अपना जनाधार है लेकिन फिर भी वह कभी भी जीत के लिए कोई कसर बाकी नहीं रखती। 2019 में कांग्रेस में शामिल हुए हार्दिक पटेल ने पार्टी छोड़ने से पहले कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को लिखे एक पत्र में दावा किया कि कांग्रेस ने देश में कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों पर केवल एक अवरोधक की भूमिका निभाई'' है और उसने हर चीज का महज विरोध ही किया है।'' हार्दिक पटेल ने बिना कोई नाम लिए कहा कि उन्होंने जब भी गुजरात के लोगों के हितों से जुड़े मुद्दे उठाये, तब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता फोन पर अपने संदेश देखने में मसरूफ होते और कुछ नेता जब पार्टी और देश को उनकी जरूरत होती तब ''विदेश में मजे कर रहे होते थे।'' हम आपको बता दें कि कांग्रेस छोड़ने वाले कई नेता यही आरोप लगाते रहे हैं कि जब-जब उन्होंने वरिष्ठ नेताओं के समक्ष अपने मुद्दे उठाये तो उनकी बात पर ध्यान देने की बजाय नेता या तो कुत्ते को बिस्किट खिलाने, मोबाइल फोन पर गेम खेलने, मोबाइल फोन पर मैसेज देखने आदि में बिजी रहते थे। वहीं, कांग्रेस ने हार्दिक पटेल के इस्तीफे को लेकर आरोप लगाया है कि उनके त्यागपत्र में इस्तेमाल शब्द भारतीय जनता पार्टी के हैं और अब 'भाजपा के आका' तय करेंगे कि हार्दिक का अगला कदम क्या होगा। पार्टी प्रवक्ता शक्ति सिंह गोहिल ने यह दावा भी किया कि गुजरात में भाजपा अपने खिसकते जनाधार के कारण कांग्रेस को कमजोर करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''गुजरात में राहुल गांधी की हालिया रैली के बाद भाजपा में डर पैदा हो गया है। उसका आधार खिसक रहा है। गोहिल ने कहा कि डरी और बौखलाई भाजपा कांग्रेस के आधार को कमजोर बनाने के लिए सिर्फ साम, दाम, दंडभेद का सहारा ही नहीं ले रही है, बल्कि निम्न स्तर पर जाकर वार कर रही है।''

'तपती धरती' का जो ज़िम्मेदार, बचाव भी उसी से दरकार

निर्मल रानी

मौसम विशेषज्ञों द्वारा ग्रीष्म ऋतू शुरू होने से पहले ही यह भविष्यवाणी कर दी गयी थी कि इस बार दुनिया के अधिकांश देश झुलसाने वाली अभूतपूर्व गर्मी का सामना कर सकते हैं। सहस्त्राब्दियों पुराने ग्लेशियर्स के लगातार पिघलते रहने के बीच जब यह ख़बर भी आयी थी कि पूरे विश्व को प्रकृतिक रूप से लगभग बीस प्रतिशत ऑक्सीजन की आपूर्ति करने वाले अमेज़ॉन के सैकड़ों किलोमीटर क्षेत्र के जंगलों को ब्राज़ील सरकार के संरक्षण में विकास के नाम पर काट दिया गया है। तभी यह अंदाज़ा होने लगा था कि दुनिया भविष्य में अभूतपूर्व तपिश का सामना करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। और पूरे विश्व विशेषकर भारत को भी इसबार झुलसती गर्मी का सामना करना पड़ा। देश के विभिन्न स्थानों पर 2 से लेकर 3 प्रतिशत तक सामान्य तापमान में वृद्धि दर्ज की गयी। राजधानी दिल्ली के मंगेशपुर नामक एक क्षेत्र में तो पारा 49 डिग्री सेल्सियस पार कर गया। जगह जगह सूखा पड़ने की ख़बरें आईं। निश्चित रूप से आम लोग ग्लोबल वार्मिंग रुपी इस त्रासदी से पूरी तरह तो हरगिज़ नहीं निपट सकते। क्योंकि विकास और प्रगति के नाम पर छिड़ी विश्वव्यापी प्रतिस्पर्धा के ज़िम्मेदार दुनिया के शासक और सरकारें हैं। इन्हीं का काम ऐसी विकासवादी योजनायें बनाना है जो प्राय: पर्यावरण विरोधी होती हैं। जिनमें हरे प्राकृतिक जंगल काटे जाते हैं और सीमेंट व कंक्रीट के तपते जंगलों का विस्तार किया जाता है। परन्तु ऐसा भी नहीं है कि हम अपने,अपने घरों के आसपास का तापमान कम या स्थिर रखने के लिये अपने स्तर पर कुछ भी नहीं कर सकते। तपिश कम करने और ग्लोबल वार्मिंग से जूझने के ऐसे तमाम छोटे छोटे उपाय हैं जिनका सीधा संबंध सरकार या शासन से नहीं बल्कि आम लोगों से है। जिन्हें अपनाकर हम स्थानीय स्तर पर कम से अपने अपने घर परिवार में तो झुलसती गर्मी से राहत महसूस कर ही सकते हैं और प्रकृति प्रदत्त इस बेशक़ीमती जल और ऑक्सीजन युक्त धरा का सम्पूर्ण नहीं तो कुछ क़र्ज़ तो अदा कर ही सकते हैं। सर्वप्रथम हमें अपनी यह सोच बनानी होगी और अपने बच्चों में भी पैदा करनी होगी कि वातावरण को कम से कम गर्म होने दें। इसके लिये धुंआ ,अग्नि और गर्म हवा के उत्सर्जन को जितना संभव हो सके,कम करें। प्राय: देखा गया है कि लोग अपने घरों के बाहर कूड़ा करकट ख़ासकर प्लास्टिक पॉलीथिन आदि इकट्ठाकर उसमें आग लगा देते हैं। आज कल विशेषकर स्वछता अभियान के तहत जब घर घर से कूड़ा इकट्ठा करने का कार्य सरकारी स्तर पर किया जा रहा हो और इस व्यवस्था के बदले नक़द भुगतान भी जनता ही कर रही हो ऐसे में कूड़ा व प्लास्टिक आदि जलाने का ही कोई औचित्य नहीं है। कई बार यह भी देखा गया है कि स्वयं नगर परिषद / निगम के सफ़ाई कर्मचारी ही झाड़ू से एक जगह कूड़ा इकठ्ठा कर उसमें आग लगा देते हैं। कबाड़ का काम करने वाले तमाम लोग रबड़ आदि जलाकर ज़हरीला काला धुआं पैदा करते हैं। इस पर भी नियंत्रण पाना ज़रूरी है। स्टेशन के आस पास बैठे भिखारी तो सर्दियों के अतिरिक्त गर्मी में भी कूड़ा जलाकर प्रदूषण फैलते हैं। गाय-भैंस पालक प्राय: मच्छर भगाने की परंपरा के नाम पर पशुओं के आस पास धुआं करते हैं जिससे पशु भी परेशान होते हैं और आस पास का पूरा क्षेत्र भी प्रदूषित होता है। परन्तु न तो स्वयं इनकी समझ में आता है कि यह इसी स्वर्ग रुपी पृथ्वी को कितना नुक़सान पहुंचा रहे हैं न ही इन्हें कोई समझने वाला है। अपने आसपास के वातावरण को और अधिक गर्म होने से बचाने के लिये दूसरा उपाय है कम से कम विद्युत् खपत की जाये । विशेषकर गर्मियों में बेतहाशा व अनावश्यक रूप से चलने वाले एयर कंडीशनर्स, वातावरण को सबसे अधिक गर्म करते हैं। बड़े मकानों में तो कई कई ए सी लगाकर अधिक से अधिक बिजली बिल चुकाने व वातावरण को गर्म करने में साझीदार बनने से बेहतर है कि अपने घरों को सेंट्रली एयर कूल्ड करने की व्यवस्था करें। इससे कम बिजली ख़र्च में और पर्यावरण को हानि पहुंचाये बिना हम गर्मी में अपने मकानों को ठण्डा रख सकते हैं।सभी विद्युत् उपकरण ज़रूरी होने पर ही इस्तेमाल करें। आवश्यकता न हो तो बत्ती पंखे आदि बंद ही रखें। इन बातों को अपनी आदतों में शामिल करना होगा। इसके साथ साथ अपने घरों में अधिक से अधिक पौधे गमलों में लगायें। वृक्षारोपण को अपनी जीवनचर्या में शामिल करें। पार्कों में सड़कों के किनारे,शमशान-क़ब्रिस्तान,धर्मस्थलों जहाँ भी जगह हो अधिक से अधिक वृक्ष लगायें।

प्रधानमंत्री का नेपाल दौरा दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत करने में सफल रहा

मृत्युंजय दीक्षित

प्रधानमंत्री का लुंबिनी में स्वागत वास्तव में बहुत अभूतपूर्व रहा। जब वह मायादेवी मंदिर में पूजा अर्चना के बाद बाहर निकले तो लोग उनको देखने और उनसे मिलने के लिए आतुर हो रहे थे। सड़क के दोनों ओर खड़े लोग भारत माता की जय की नारे लगा रहे थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर नेपाल की यात्रा की, यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब विश्व का बहुत बड़ा हिस्सा युद्ध और हिंसा के वातावरण के दौर से गुजर रहा है। विश्व के कई देश कोविड महामारी के बाद आंतरिक अशांति से गुजर रहे हैं तथा पूरा विश्व समुदाय भारत की ओर आशा की दृष्टि से देख रहा है। इसके अतिरिक्त ये ऐसा समय है जब नेपाल में बहुत दिनों के बाद भारत का समर्थन करने वाली सरकार बनी है।

ज्ञातव्य है कि प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के पहले वाली सरकार पर चीन का प्रभुत्व था और चीन की शह पर नेपाल भारत के खिलाफ चल पड़ा था यहाँ तक कि उसने भारत के कुछ हिस्सों पर अपना दावा भी पेश करना शुरू कर दिया था जिसके कारण नेपाल और भारत सरकार के बीच सम्बन्धों की मधुरता समाप्त प्राय हो गयी थी। इसी बीच नेपाल में आंतरिक राजनैतिक उठापटक हुई और शेर बहादुर देउबा वहां के नए प्रधानमंत्री बने जिसके बाद अब एक बार फिर भारत और नेपाल के बीच सकारात्मक वातावरण बना है।

बुद्ध पूर्णिमा के दिन नेपाल पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लुम्बिनी स्थित माया देवी मंदिर में पूजा अर्चना की और विश्व शांति का वरदान मांगा। प्रधानमंत्री ने वहां अशोक स्तम्भ के भी दर्शन किये और दीप जलाये। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस प्रकार से लुम्बिनी में नेपाल की जनता को संबोधित किया वह एक बहुत ही सुखद व सकारात्मक संदेश दे रहा था और वह संबोधन कई मायने में ऐतिहासिक कहा जायेगा क्योंकि उसमें चीन सहित उन सभी लोगों को संदेश दिया गया जो यह समझ रहे थे कि नेपाल और भारत के बीच अब खाई इतनी गहरी हो गयी है कि उसे भर पाना बहुत ही मुश्किल है।

प्रधानमंत्री ने धर्म, आस्था, संस्कृति के समागम के साथ भारत-नेपाल मैत्री के नये युग की शुरूआत के संकेत दिये। प्रधानमंत्री ने अपनी नेपाल यात्रा के माध्यम से सारनाथ से लुंबिनी वाया कुशीनगर के विकास का खाका तैयार कर दिया है। इस बीच भारत और नेपाल के मध्य छह समझौते भी हुए तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के मध्य द्विपक्षीय वार्ता भी हुई जिसमें कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई।

प्रधानमंत्री का लुंबिनी में स्वागत वास्तव में बहुत अभूतपूर्व रहा। जब वह मायादेवी मंदिर में पूजा अर्चना के बाद बाहर निकले तो लोग उनको देखने और उनसे मिलने के लिए आतुर हो रहे थे। सड़क के दोनों ओर खड़े लोग भारत माता की जय की नारे लगा रहे थे। वहां के जनमानस में भारत के प्रति प्रेम उमड़ रहा था। ऐसा प्रतीत ही नहीं हो रहा था कि यह लोग चीन की भारत विरोधी नीतियों से प्रभावित हो सकते हैं। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लुम्बिनी में वहां उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित किया और लोगों ने जिस प्रकार से मोदी-मोदी के नारे लगाकर उनका स्वागत और समर्थन किया उससे भारत के प्रति उनके सहज प्रेम का अनुमान पूरे विश्व को हुआ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लुम्बिनी में अपने सम्बोधन में कहा कि अयोध्या में बन रहे राम मंदिर से नेपाल के लोग भी खुश हैं जिसके बाद वहां उपस्थित जनसमुदाय में आनंद की नयी लहर दौड़ गयी। उन्होंने आगे कहा कि प्रभु राम के युग से ही नेपाल भारतीयों के लिए आस्था का केंद्र रहा है क्योंकि वह माता सीता का घर है। दोनों देश मिलकर मानवता के लिए काम करेंगे और पूरे विश्व में भगवान बुद्ध के शांति के संदेश को पहुंचाएंगे। वर्तमान वैश्विक हालात को देखते हुए तय है कि भारत और नेपाल का सम्बंध और मजबूत होगा। दोनों देशों के बीच सिर्फ व्यावसायिक सम्बंध नहीं है अपितु सांस्कृतिक और सामाजिक सम्बंध भी हैं।

प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान भारत और नेपाल के बीच छह समझौते हुए हैं जिनमें भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और लुंबिनी बौद्ध विश्व विद्यालय के बीच डॉ. अम्बेडकर पीठ को स्थापित करने के लिए करार हुआ। नेपाली विश्व विद्यालय में भारतीय अध्ययन पीठ बनाने, काठमांडू विश्व विद्यालय और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास के बीच भी एक समझौता हुआ है। काठमांडू विश्व विद्यालय और आईआईटी मद्रास के बीच स्नातक स्तर पर संयुक्त डिग्री पाठयक्रम शुरू करने को लेकर भी सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किये गये हैं। सतलुज जल विद्युत् निगम और नेपाल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी के बीच पनबिजली परियोजना लगाने के लिए समझौता हुआ है। साथ ही लुंबिनी और कुशीनगर को जुड़वा शहरों के रूप में विकसित करने पर भी दोनों देशों के बीच सैद्धांतिक समहति बनी है।

प्रधानमंत्री ने अपनी यात्रा से प्रेम, सौहार्द्र, भाईचारे की भावना की मजबूती पर बल दिया है। पीएम मोदी ने धर्म, शिक्षा, संस्कृति, व्यापार के बुनियादी ढांचे को मजबूती प्रदान करने की बात कही। प्रधानमंत्री ने लुम्बिनी में कहा कि सारनाथ, बोधगया, कुशीनगर और लुम्बिनी को जोड़कर बौद्ध सर्किट बनेगा। बुद्ध के सभी स्थानों को एक सूत्र में पिरोने की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सारनाथ, बोधगया, कुशीनगर और लुबिंनी दोनों देशों की साझी विरासत है। इन्हें साथ मिलकर विकसित करना है।

प्रधानमंत्री का यह कहना कि भारत रिश्तों में नेपाल को हिमालय जैसी ऊंचाई देगा, आगामी भविष्य के लिए बहुत कुछ संकेत दे रहा है। प्रधानमंत्री ने बताया कि आठ वर्ष पहले हमने जो पौधा भेजा था अब वह वृक्ष होने जा रहा है। प्रधानमंत्री के नेपाल दौरे की एक सबसे बड़ी विषेषता यह रही कि भारत-नेपाल सीमा सोनौली में इंटीग्रेटेड चेकपोस्ट का निर्माण करीब 20 साल से अधर में है तथा किसानों के साथ कई दौर की बातचीत के बाद भी मसला हल नहीं हुआ है लेकिन लुंबिनी में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने उसका उल्लेख किया है जिसके कारण उसे भी संजीवनी मिल गयी है।

प्रधानमंत्री की नेपाल यात्रा से नेपाली पीएम देउबा भी बहुत गदगद नजर आ रहे थे। नेपाली पीएम देउबा ने कहा कि प्रधानमंत्री की नेपाल यात्रा से विशेषकर लुम्बिनी को वैश्विक पहचान मिलेगी। उनके यहां आने से दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक सम्बंधों को और मजबूती मिलेगी। नेपाली शहर लुंबिनी में नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के साथ हुई द्विपक्षीय मुलाकात से दोनों देशों के बीच विगत दिनों उपज रहे तनाव को दूर कर सम्बंध सशक्त करने में मदद मिली है। दोनों देशों की तरफ से शुरू होने वाले विशेष कार्यक्रमों के अलावा कनेक्टिविटी, अर्थव्यवस्था, कारोबार, ऊर्जा के क्षेत्र में भावी समझौतों और परियोजनाओं पर भी बात हुई है। प्रधानमंत्री की नेपाल यात्रा से दोनों देशों के बीच मैत्री को और मजबूती प्रदान हुई है। प्रधानमंत्री की नेपाल यात्रा से पहले नेपाल के पीएम शेर बहादुर देउबा भी रिश्ते सुधारने के लिए दिल्ली यात्रा पर आये थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नेपाल के साथ रिश्तों को सुधारने व मजबूती प्रदान करने के लिए वहां के प्रमुख ऐतिहासिक मंदिरों व स्थलों का पहले भी भ्रमण कर चुके हैं तब परिस्थितियां कठिन थीं लेकिन वर्तमान में पहले से सुधार है।

रावण दरबार में हनुमानजी की रक्षा के लिए प्रभु श्रीराम ने किसे भेजा था?

सुखी भारती

रावण को श्रीहनुमान जी से इतना कटु भाव नहीं था, जितना कि उस समय हो उठा, जब-जब श्रीहनुमान जी ने रावण को श्रीराम जी की महिमा सुनाई और बार-बार इसी बात पर बल दिया, कि वह समस्त पापों का त्याग करके, प्रभु श्रीराम जी की शरणागति को प्राप्त करे। रावण सोचता है, कि कमाल का मूर्ख वानर है। इसके उपदेश तो ऐसे हैं, कि बड़े-बड़े विद्वान भी इसके समक्ष नत्मस्तक हो जायें। लेकिन इस मंदबुद्धि को इतना-सा ज्ञान क्यों नहीं है, कि मैं भला उन निर्बल वनवासियों की शरणागति क्यों होऊंगा। वो मुझसे कोई श्रेष्ठ थोड़ी न हैं? वे श्रेष्ठ होते, तो अपनी पत्नि की रक्षा करने में समर्थ न होते? रही बात हे वानर तुम्हारी, तो तुम मनोरंजन के लिए तो अच्छे हो। लेकिन तुम यह कैसे मान कर बैठ गए, कि मैं तुम्हारे उपदेश मान कर तुम्हारा चेला बनना स्वीकार कर लूँगा। हमने तुम्हें रुचिकर जान, तुमसे कुछ बातें क्या कर लीं, तुम तो सिर पर ही चढ़ कर बैठ गए। चलो यह भी बढ़िया है। संसार में यह भी एक व्यंग्य के तौर पर जाना जायेगा, कि रावण का गुरु एक बँदर भी हुआ था। यह सोच कर तो मेरी हँसी रोके नहीं रुक रही है-

'जदपि कही कपि अति हित बानी।
भगति बिबेक बिरति नय सानी।।
बोला बिहसि महा अभिमानी।
मिला हमहि कपि गुर बड़ ग्यानी।।'

रावण जो अभी तक तो श्रीहनुमान जी की खरी-खोटी जैसे-तैसे सुन रहा था। लेकिन अब उसकी कलुषित वाणी विष उगलने लगी। रावण ने कहा कि रे दुष्ट वानर! तेरा साहस कैसे हुआ, कि तू हमें उपदेश दे। मैं कब से तेरा मुँह ताके जा रहा हूँ। वह भी इस आशा में कि तू अपनी जिह्वा व शब्दों को लगाम देगा। लेकिन तूने हमारी शिष्टता को, ऐसे ही, हल्के में ही ले लिया? लेकिन अब हम और नहीं सहेंगे। हम तुम्हें तुम्हारे अपराधों का दण्ड अवश्य देंगे। और दण्ड में मृत्यु से कम तो तुम्हें कुछ देना ही नहीं। अगर तू सोच रहा है, कि तुम्हें कौन से अपराध के चलते मृत्यु दण्ड दिया जा रहा है, तो हे दुष्ट वानर सुन! तूने मेरे पुत्र अक्षय कुमार सहित अनेकों राक्षसों को मार डाला, तो इस सबका मुझे वह दुख नहीं, जितना कि इसका, कि तू एक वानर होकर, मुझे शिक्षा कैसे देने चला था। मेरी दृष्टि में इसका फल केवल और केवल तुम्हारी मृत्यु ही है-

'मृत्यु निकट आई खल तोही।
लागेसि अधम सिखावन मोही।।'

श्रीहनुमान जी ने जैसे ही रावण के मुख से यह कटु भाषण सुना। तो उन्हें भी क्रोध आ गया। अभी तक जो श्रीहनुमान जी बड़ी मीठी-मीठी वाणी का प्रयोग कर रहे थे, वे अचानक पलटवार पर उतारू हो गए। श्रीहनुमान जी ने कहा कि रे दुष्ट रावण! तू भला मुझे क्या मारेगा। देखना, इसका उलट न हुआ तो कहना। अर्थात मैं नहीं, अपितु तुम ही मारे जाओगे-

'उलट होइहि कह हनुमान।
मतिभ्रम तोर प्रगट मैं जाना।।'

रावण ने जब श्रीहनुमान जी के श्रीमुख से अपने बारे में ऐसे कठोर वचन सुने, तो वह क्रोध से तिलमिला उठा। वह ऐसा कुपित हुआ, कि तुरन्त आदेश देता है, कि हे सैनिकों, इस वानर को तत्काल मृत्यु के घाट उतार दो। यह सुनते ही सभी राक्षस श्रीहनुमान जी की ओर दौड़े, और उन्हें मारने का प्रयास करते हैं। हालाँकि सभी राक्षस अभी भी श्रीहनुमान जी से थर-थर काँप रहे हैं। कारण कि श्रीहनुमान जी के बल व सामर्थ्य का संपूर्ण लंका नगरी में आतंक ही इतना था, कि श्रीहनुमान जी भले ही इस समय पाश में बँधे दिख रहे हैं। लेकिन तब भी राक्षस, श्रीहनुमान जी को हाथ डालने में संकुचा रहे हैं। लेकिन उनका संकुचाना भी आखिर कब तक चलता। कारण कि सामने रावण बैठा सबको घूर रहा था, कि राक्षस वानर को मार क्यों नहीं रहे।

पारंपरिक और आधुनिक शिक्षा प्रणाली के बीच खाई?!!

भारतीय प्राचीन विरासत अद्भुत कृतियों से भरी हुई है जिसे संरक्षित प्रिलेखित और प्रचार-प्रसार की नितांत आवश्यकता को रेखांकित करना ज़रूरी

भारतीय ज्ञान, संस्कृति, सभ्यता, दर्शन और आध्यात्मिकता का वैश्विक स्तरपर व्यापक प्रभाव से भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी- एड किशन भावनानी

भारतीय प्राचीन विरासत हजारों वर्ष पुरानी है जिसकी गाथाओं से इतिहास भरे पड़े हैं जिसे हमने पढ़ें वह सुने भी हैं, जिसे अब संरक्षित प्रिलेखित और प्रचार-प्रसार की नितांत आवश्यकता को रेखांकित करना ज़रूरी है क्योंकि वर्तमान में बदलते परिपेक्ष में,बढ़ते डिजिटल युग में हर क्षेत्र में हर कार्यक्रम डिजिटलाईड हो रहा है हस्त लिखित का युग अब समाप्ति की ओर याने विलुप्तता की ओर बढ़ते चला है!! ऐसी स्थिति में अब शिक्षा प्रणालियों में भी आधुनिकता पर जोर देना स्वभाविक ही है!!

क्योंकि अगर हमें विश्व के साथ कंधा मिलाकर चलना है, वैश्विक प्रतियोगिता को टक्कर देना है, तो हमें आधारभूत शिक्षण ढांचा वैश्विक स्तर का रखना होगा जिसकी परिणीति है डिजिटल इंडिया का उदय है!!

अब सवाल है फिर हमारी अद्भुत प्राचीन विरासत कृतियों लिपियों को कैसे संरक्षित रख पाएंगे ? युवाओं को, अगली पीढ़ियों को, हमारी प्राचीन विरासत का आभास कैसे होगा ? इसलिए हमें इसका प्रचार-प्रसार और वर्तमान शैक्षणिक नीतियों, प्रणालियों में सामंजस्य स्थापित करने को रेखांकित करने की नितांत आवश्यकता है!!

इसलिए ही पीआईबी के अनुसार केंद्रीय शिक्षा और कौशल विकास मंत्री ने एक कार्यक्रम में संबोधन में कहा, कि पीएम के नेतृत्व में भारतीय शिक्षा प्रणाली में वैकल्पिक ज्ञान प्रणालियों, दर्शन और परिप्रेक्ष्य को प्रतिबिंबित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि वैसे तो हम अपने प्राचीन अतीत की अच्छी चीजों को अपनाते हैं, लेकिन इसके साथ ही हमें अपने समाज में निहित समस्याओं के प्रति भी सचेत रहना चाहिए और एक ऐसे भविष्य का निर्माण करना चाहिए जो प्राचीन अतीत के विशिष्ट ज्ञान व समकालीन मुद्दों के बीच उचित सामंजस्य सुनिश्चित करे।

उन्होंने कहा कि समस्त दुनिया की अनगिनत समस्याओं का समाधान भारतीय ज्ञान प्रणाली में निहित है।

साथियों बात अगर हम विद्यार्थियों में पारंपरिक और आधुनिक शिक्षा प्रणाली के बीच की खाई को पाटने की करें तो नई शिक्षा नीति 2020 में भी एक स्पष्ट दिशा बताई गई है और हाल ही में दिनांक 16 मई 2022 को भारतीय ज्ञान प्रणालियों पर परिचर्चा-अवधारणाएं और अमल पर एक पाठ्य पुस्तक का विमोचन हुआ। यह पुस्तक हाल ही में एआईसीटीई द्वारा अनिवार्य किए गए 'आईकेएस (भारतीय ज्ञान प्रणालियों)' पर एक आवश्यक पाठ्यक्रम की पेशकश करने की आवश्यकता को पूरा करती है। इसके अलावा, नई शिक्षा नीति में भी उच्च शिक्षा से जुड़े पाठ्यक्रम में आईकेएस के बारे में विस्तृत जानकारियां प्रदान करने के लिए एक स्पष्ट दिशा बताई गई है जिससे आने वाले दिनों में देश के कई उच्च शिक्षण संस्थानों में इस तरह की पुस्तक अत्यंत आवश्यक हो गई है। वैसे तो यह पुस्तक मुख्य रूप से इंजीनियरिंग संस्थानों द्वारा उपयोग के लिए लिखी गई है, लेकिन इसमें निहित संरचना और सामग्री स्?वयं ही इस तरह की पुस्तक के लिए अन्य विश्वविद्यालय प्रणालियों (लिबरल आर्ट्स, चिकित्सा, विज्ञान और प्रबंधन) की आवश्यकता को आसानी से पूरा करने में मदद करती है।

आईकेएस पर हाल ही में जारी पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों को अतीत के साथ फिर से जुड़ने, समग्र वैज्ञानिक समझ विकसित करने और बहु-विषयक अनुसंधान एवं नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए इसका उपयोग करने का अवसर प्रदान करके विद्यार्थियों को पारंपरिक और आधुनिक शिक्षा प्रणाली के बीच की खाई को पाटने में सक्षम बनाएगी।

साथियों बात अगर हम भारतीय ज्ञान प्रणाली पर लिखी पुस्तक और उसके महत्व की करें तो पीआईबी के अनुसार केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री ने भी उस कार्यक्रम में अपने संबोधन में, पारंपरिक भारतीय ज्ञान प्रणालियों के बारे में सीखने की नितांत आवश्यकता का उल्लेख किया।

उन्होंने आयुर्वेद, प्राचीन काल में जहाजों के निर्माण, विमान संबंधी ज्ञान, सिंधु घाटी शहरों के वास्तुकार, और प्राचीन भारत में मौजूद राजनीति विज्ञान के उदाहरणों का हवाला दिया। उन्होंने 'भारतीय ज्ञान प्रणाली का परिचय' पर लिखी गई पुस्तक की सराहना की जिसका उद्देश्य भारतीय ज्ञान प्रणालियों की ज्ञानमीमांसा एवं सत्व शास्त्र को जीवन के सभी क्षेत्रों में लागू करना, और इंजीनियरिंग एवं विज्ञान के छात्रों को इनसे कुछ इस तरह से परिचय कराना है जिससे कि वे इससे जुड़ाव महसूस कर सकें, इसके महत्व को गंभीरता से समझ सकें और इस दिशा में आगे खोज कर सकें।

श्री सरकार ने यह भी कहा कि किसी भी व्यक्ति के उत्थान के लिए उसकी जड़ें अवश् ?य ही मजबूत होनी चाहिए और इन जड़ों को संरक्षित करने के लिए पारंपरिक भारतीय ज्ञान प्रणाली के बारे में जानकारियां जरूर होनी चाहिए।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि पारंपरिक और आधुनिक शिक्षा प्रणाली के बीच खाई को पाटना जरूरी है! भारतीय प्राचीन विरासत अद्भुत कृतियों से भरी हुई है जिसे संरक्षित प्रिलेखित और प्रचारप्रसार की नितांत आवश्यकता को रेखांकित करना जरूरी है। भारतीय ज्ञान संस्कृति, सभ्यता,दर्शन औरआध्यात्मिकता का वैश्विक स्तरपर व्यापक प्रभाव से भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है।

सुरम्य एवं सहज जीवन!

गुरुर में रास्ते धुंधले पड़ जाएंगे,
खुद के अलावा किसी को कैसे देख पाएंगे,
प्रेम और जुनून के साथ आगे बढ़ते हैं,
जिंदगी को सफल और सरल बनाएंगे !

पूरी शिद्दत के साथ हिम्मत जुटाएंगे,
हर मंजिल पर खुलकर मुस्कुराएंगे,
चैन और सुकून के साथ आगे बढ़ते हैं,
जिंदगी को हसीन और खूबसूरत बनाएंगे!

स्वयं में भरपूर आत्मविश्वास जगायेंगे,
खुद को उच्च शिखर तक पहुंचाएंगे,
संपन्न और संपूर्ण होकर आगे बढ़ते हैं,
जिंदगी को बेहतरीन और श्रेष्ठ बनाएंगे!

गुरुर में रास्ते धुंधले पड़ जाएंगे,
खुद के अलावा किसी को कैसे देख पाएंगे,
प्रेम और जुनून के साथ आगे बढ़ते हैं,
जिंदगी को सफल और सरल बनाएंगे !

डॉ. माध्वी बोरसे!

शार्ट न्यूज

वीडियो बना रहा 12 साल का लड़का, गले में फंदा अटकने से मौत

नोएडा। नोएडा के सेक्टर–113 कोतवाली क्षेत्र के पर्थला गांव से दर्दनाक घटना सामने आई है। जहां पर एक मासूम की वीडियो बनाते समय जान चली गई। दरअसल, फर्रुखाबाद निवासी ब्रजेश अपनी चार बेटियों और 12 साल के बेटे के साथ पर्थला गांव में किराए के मकान में रह रहे हैं। वह अपनी बहनों के साथ घर पर गले में दुपट्टा डाल कर वीडियो बना रहा था। तभी अचानक जैसे ही वह नीचे कूदा दुपट्टा उसके गले में कस गया। ये देखकर बहनों का शोर सुनकर स्वजन उसे उपचार के लिए नजदीक के एसआरएस अस्पताल ले गए, जहां से उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। उपचार के दौरान बच्चे की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि मासूम कमरे में सामान रखने के लिए बनाए गए स्लैब पर रखे बक्शे पर चढ़ा था और गले में दुपट्टा बांधकर हवा में उड़ने का वीडियो बना रहा था। दुपट्टे के एक सिरे को उसने एक जगह से बांध रखा था। कूदने समय दुपट्टा गले में फंस गया और बच्चे की मौत हो गई। मौत के बाद घर में मातम का माहौल है। पुलिस ने लोगों से ऐसी जोखिम भरी वीडियो रील न बनाने की अपील की है।

राजमार्ग पर पेड़ों में पानी डाल रहे टैंकर से टकराई कार, चार की मौत

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात में अकबरपुर थाना अंतर्गत राजमार्ग पर पेड़ों में पानी डाल रहे टैंकर से एक कार पीछे से आकर टकरा गई, जिससे उसमें सवार चार लोगों की मौत हुई है। थाना प्रभारी अकबरपुर विनोद पांडेय ने बताया कि घटना में चार लोगों की मौत हो गई है। सभी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। साथ ही मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है। हादसे के बाद राजमार्ग की एक लेन पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर कार सवारों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया और यातायात सुचारु कराया। अस्पताल में चारों लोगों को डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद मृत घोषित कर दिया। पांडेय ने बताया कि कानपुर देहात थाना अकबरपुर नेशनल हाईवे पर औरैया के तिलक नगर निवासी अजहर अली कार से अपने औरैया निवासी साथी राजू, मयंक व अरविंद के साथ औरैया से कानपुर जा रहे थे। अकबरपुर कस्बे के शोरूम के सामने एनएचएआई का टैंकर डिवाइडर में लगे पौधों में पानी डाल रहा था। उसी दौरान तेज रफ्तार कार टैंकर में पीछे से टकरा गई। हादसे में कार सवार चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ लग गई। पुलिस ने घायलों को कार से निकालकर एंबुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया, जहां चारों लोगों को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद टैंकर लेकर चालक फरार हो गया।

कुशीनगर में बुजुर्ग महिला की हत्या

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश में कुशीनगर जिले के कसया क्षेत्र में बुधवार तड़के एक बुजुर्ग महिला की धारदार हथियार से हत्या कर दी गयी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि गांव कुड़वा उर्फ दिलीपनगर के भागी बिंद टोला निवासी दुलारी देवी (62) की कुदाल मार कर हत्या कर दी गयी। घटना उस समय की है जब दुलारी देवी खेत से भिंडी तोड़ कर घर आ रही थी कि उनके मोबाइल पर कोई कॉल आया और मिट्टी की ढेर पर बैठकर बात करने लगी। रही थीं। इसी बीच अर्जुन नामक व्यक्ति ने उन पर कुदाल से हमला कर लहूलुहान कर दिया। इलाज के लिए परिजन जिला अस्पताल लेकर पहुंचे कि डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। गांव के लोगों का कहना है कि दो दिन पूर्व मिट्टी भराई को लेकर दोनों में विवाद हुआ था। लेकिन पुलिस कोई वजह होने से अभी इनकार कर रही है। मृतका टोले पर संचालित प्राथमिक विद्यालय पर रसोइयां थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। हत्यारोपी की तलाश की जा रही है।

बलिया में गैर इरादतन हत्या के मामले में सगे भाइयों को सजा

बलिया। उत्तर प्रदेश में बलिया की एक अदालत ने गैर इरादतन हत्या के 11 साल पुराने मामले में दो भाइयों को दोषी करार देते हुए दस दस साल के कारावास की सजा सुनाई है। संयुक्त निदेशक अभियोजन सुरेश कुमार पाठक ने बुधवार को बताया कि जिले के फेफना थाना क्षेत्र के भीखमपुर गांव में गत 13 फरवरी 2011 को शिवानन्द सिंह के सिर पर मुसर व लाठी से हमला कर घायल कर दिया गया था, जिनकी इलाज के दौरान मृत्यु हो गयी थी। हैण्डपाइप पर स्नान करने की बात को लेकर हुए विवाद में यह घटना हुई थी। इस मामले में मृतक के भतीजे की शिकायत पर रंग बहादुर सिंह व राम अवतार सिंह के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की सुसंगत धारा में नामजद मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने विवेचना के उपरांत दोनों भाई के विरुद्ध न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। उन्होंने बताया कि अपर जिला जज अरुण कुमार के न्यायालय ने मंगलवार को दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद दोनों भाई रंग बहादुर सिंह व राम अवतार सिंह को दोषी करार देते हुए दस दस साल के कारावास व दस हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

वाणी रंजन अग्रवाल जौनपुर की नई जिला जज

जौनपुर। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने वाणी रंजन अग्रवाल को जौनपुर का नया जिला जज नियुक्त किया है। जिले में पहली बार जिला जज के पद पर किसी महिला की नियुक्ति हुयी है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि मंगलवार देर शाम प्रदेश के कई जिलों में न्यायाधीशों के ट्रांसफर के क्रम में जौनपुर के जिला न्यायाधीश मदन पाल सिंह को इसी पद पर बिजनौर के लिए स्थानांतरित कर दिया और उनके स्थान पर प्रधान न्यायाधीश पारिवारिक कोर्ट भदोही से वाणी रंजन अग्रवाल को यहां नियुक्त किया गया है। मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल फैजाबाद के पीठासीन अधिकारी भूदेव गौतम को जौनपुर में इसी पद पर और पारिवारिक न्यायालय फैजाबाद की प्रधान न्यायाधीश श्रीमती रीता कौशिक को जौनपुर के परिवारिक न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश पद पर स्थानांतरित किया गया है। इसके साथ ही पारिवारिक न्यायालय जौनपुर के प्रधान न्यायाधीश सत्य प्रकाश को इसी पद पर बदायूं और मनोज कुमार सिंह गौतम मोटर एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल के पीठासीन अधिकारी जौनपुर को प्रधान न्यायाधीश पारिवारिक कोर्ट गोरखपुर बनाया गया है। गौरतलब है कि श्रीमती वाणी रंजन अग्रवाल इसके लगभग 13–14 वर्ष पूर्व जौनपुर जिले में अपर सिविल जज और अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के पद पर कुशलता पूर्वक कार्य कर चुकी हैं।

ज्ञानवापी की आड़ में भाजपा भड़का रही है धार्मिक भावनायें : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने आरोप लगाया कि ज्ञानवापी, मथुरा और ताजमहल की आड़ में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लोगों की धार्मिक भावनायें भड़का रही है जिससे हालात बिगड़ने की आशंका है। मायावती ने बुधवार को कहा कि देश में लगातार बढ़ रही ग़रीबी, बेरोज़गारी और आसमान छू रही महंगाई से त्रस्त जनता का ध्यान बाँटने के लिए भाजपा और उसके सहयोगी संगठन चुन–चुनकर धार्मिक स्थलों को निशाना बना रहे हैं। इससे यहाँ कभी भी हालात बिगड़ सकते हैं। उन्होने कहा कि आज़ादी के वर्षों बाद अब ज्ञानवापी, मथुरा, ताजमहल व अन्य और स्थलों के मामलों की भी आड़ में जिस प्रकार से षड्यन्त्र के तहत् लोगों की धार्मिक भावनाओं को भड़काया जा रहा है इससे देश मज़बूत नहीं बल्कि कमज़ोर ही होगा। बसपा अध्यक्ष ने कहा कि विशेषकर एक धर्म समुदाय से जुड़े स्थानों के नाम भी एक–एक करके जो बदले जा रहे हैं तो इससे अपने देश में शान्ति, सद्भाव व भाईचारा आदि नहीं बल्कि आपसी नफरत एवं द्वेष की भावना ही पैदा होगी, यह चिन्ता की बात है। इन सबसे ना तो देश का और ना ही आम जनता का भला हो सकता है।

हापुड़ में वकीलों का चक्का जाम

बीजेपी विधायक को गाड़ी छोड़ पैदल ही जाना पड़ा

हापुड़। यूपी के हापुड़ में बार एसोसिएशन के आह्वान पर चक्का जाम कर रहे वकीलों ने विधायक विजयपाल आढ़ती की गाड़ी को रोक लिया। प्रदर्शन के बीच विधायक को पैदल ही जाना पड़ा। इस दौरान विधायक ने मीडिया से कहा कि मैं एक एक्सीडेंट की सूचना पर घायल की मदद के लिए जा रहा था। अब पैदल ही जा रहा हूं। यह गलत है। ऐसा नहीं करना चाहिए लेकिन अब मैं क्या कर सकता हूं।

शासन के एक अधिकारी पर अमर्यादित भाषा के इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए अधिवक्ताओं ने बुधवार के तहसील चौरोह पर जाम लगा दिया। इस दौरान उन्होंने उधर से गुजर रहे विधायक विजयपाल की गाड़ी को रोक लिया। प्रदर्शन के बीच विधायक कार छोड़कर वहां से पैदल ही रवाना हो गए।

प्रदर्शन के बारे में बार एसोसिएशन के सचिव रविन्द्र निमेष ने कहा कि अधिवक्ताओं ने व्यक्तिगत स्वार्थ, जाति धर्म और हर तरह के भेदभाव से ऊपर उठकर कमजोर, निर्धन, असहाय, शोषित वंचित वर्ग को न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अधिवक्ताओं को ऑफिसर ऑफ द कोर्ट कहा जाता है। जबकि सम्मानित न्यायालय अधिवक्ता को सम्मान से विद्वान कहकर संबोधित करते हैं। लेकिन राज्य सरकार के एक विशेष सचिव ने 14 मई को डीएम और जिला न्यायाधीशों को पत्र प्रेषित करते हुए अधिवक्तागण के कृत्य को अराजकतापूर्ण संबोधित करते हुए अधिवक्ता के सम्मान के विरुद्ध अशोभनीय अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया है।

इससे अधिवक्ताओं के सम्मान को गहरी ठेस पहुंची है। इसे लेकर अधिवक्ताओं में अत्याधिक रोष व्याप्त है। अधिवक्ताओं ने विशेष सचिव को बर्खास्त करने और उनके द्वारा लिखे पत्र को वापस लेने के लिए की मांग की। इसी मांग को लेकर प्रदर्शन किया गया।

अमेठी: 70 लाख की अंग्रेजी शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी में आज प्रयागराज एसटीएफ व अमेठी पुलिस ने 517 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद की गई है शराब की कीमत 70 लाख रुपये बताई गयी है।

पुलिस के अनुसार काफी समय से सूचना मिल रही थी कि अन्तरराज्यीय गिरोह दिल्ली, पंजाब व हरियाणा से अवैध अंग्रेजी शराब की तस्करी उत्तर प्रदेश के रास्ते बिहार के विभिन्न जनपदों में कर रहे है। इस सम्बन्ध में एसटीएफ की विभिन्न टीमों ने सूचना संकलित कर एसटीएफ प्रयागराज के पुलिस उपाधीक्षक नवेन्दु कुमार ने इस मुहिम की कमान अपने हाथों में ली। इस क्रम में एसटीएफ प्रयागराज के निरीक्षक अनिल कुमार सिंह अपनी टीम के साथ अमेठी पहुंचे।

यहां मुखबिर से सूचना मिली कि शराब तस्करों द्वारा हरियाणा से अवैध अंग्रेजी शराब बिक्री के लिये लखनऊ सुलतानपुर नेशनल हाईवे के रास्ते बिहार ले जायी जा रही है। इस सूचना पर मुखबिर द्वारा बताये हुये स्थान पर पहुंचकर टीम वाहन का इन्तजार करने लगी। थोड़ी देर में मुखबिर द्वारा बताये गये नम्बर की गाड़ी आती हुई दिखाई दी।

लखनऊ सुलतानपुर हाईवे पर कमरौली थाना क्षेत्र के रोड नं–4 के पास उक्त वाहन को रोककर चेक किया गया तो ट्रक में लदी नमक की 320 बोरियों के बीच अवैध अंग्रेजी शराब छिपायी गयी थी।

ट्रक पर लदे नमक की बोरियों और अवैध अंग्रेजी शराब को कब्जे में लेकर 2 अभियुक्तों (ट्रक चालक व सहायक) को मौके से गिरफ्तार किया गया।

3586 करोड़ के निवेश से एमएसएमई सेक्टर भरेगा उड़ान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में गंभीर प्रयास कर रही योगी सरकार ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) सेक्टर को अहमियत देते हुये तीसरी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरमनी में 3586 करोड़ रूपये के निवेश से एमएसएमई की 865 इकाइयां स्थापित करने का मन बनाया है। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि तीन जून को तीसरी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरमनी में 75 हजार करोड़ रुपये से अधिक की 1,500 परियोजनाओं को शुरू करने की योजना है। इसमें से एमएसएमई क्षेत्र का योगदान लगभग 3586 करोड़ रुपये का होगा। इससे राज्य में लगभग 48,766 रोजगार के अवसर अकेले एमएसएमई सेक्टर में पैदा होंगे। उन्होने बताया कि सबसे ज्यादा 283 एमएसएमई इकाइयां मेरठ में स्थापित की जाएंगी, जिससे 702 करोड़ रुपये के निवेश से लगभग 13,985 रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उसके बाद अयोध्या में लगभग 128 एमएसएमई इकाइयाँ 915 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित की जाएंगी जहाँ 5991 से अधिक रोजगार सृजित होंगे।

इस मौके पर शुरू होने वाली अन्य प्रमुख परियोजनाओं में अडानी और हीरानंदानी समूहों के क्रमश: 4,900 करोड़ रुपये और 9,100 करोड़ रुपये के डेटा सेंटर, साथ ही माइक्रोसॉफ्ट के 2,100 करोड़ रुपये के सॉफ्टवेयर सेंटर शामिल हैं। इसके अलावा डालमिया ग्रुप द्वारा मिर्जापुर में 600 करोड़ रुपये के सीमेंट निर्माण संयंत्र और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के डिटर्जेंट प्लांट पर भी काम शुरू होगा। यूपी के औद्योगिक विकास विभाग के अधिकारियों के अनुसार समारोह में शुरू होने वाली परियोजनाओं में से 21,000 करोड़ रुपये का निवेश केवल सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्रों में है। इसके अलावा कपड़ा, पर्यटन, ऊर्जा, खाद्य प्रसंस्करण और फार्मा की कई अन्य परियोजनाएं भी शुरू होंगी।

पत्नी-बच्चों के साथ एसएसपी ऑफिस पहुंचे किसान ने खुद को लगाई आग, इंस्पेक्टर समेत पांच सस्पेंड

बदायूं। यूपी के बदायूं में बुधवार को पत्नी और बच्चों के साथ एसएसपी ऑफिस पहुंचे एक किसान ने खुद को आग लगा ली। किसान ने पुलिस पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। एसएसपी दफ्तर पहुंचकर किसान ने खुद पर पेट्रोल छिड़का और जब तक कोई कुछ समय पाता आग लगा ली। झुलसे किसान को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने उसे बरेली हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। उधर एसएसपी ने लापरवाही पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई की है। इंस्पेक्टर समेत पांच को सस्पेंड कर दिया गया है।

बताया जा रहा है कि किसान का नाम कृष्णपाल है। वह बदायूं के सिविल लाइन्स थाना क्षेत्र के रसूलपुर का रहने वाला है। 20 दिन पहले गेहूं के उसके खेत में दबंगों ने आग लगा दी थी। आरोप है कि इस मामले की शिकायत करने के बावजूद मंडी चौकी पर तैनात चौकी इंचार्ज ने कोई कार्रवाई नहीं की। पिछले कुछ दिनों से वह थाने और अधिकारियों के दफ्तरों के चक्कर काट रहा था लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही थी। किसान का आरोप है कि कार्रवाई की बजाए पुलिसकर्मियों ने खुद ही फैसला कर दिया और दबाव बनाने लगे। किसान के परिवार ने आरोप लगाया कि मंडी चौकी के पुलिसकर्मियों ने आरोपियों से सांठगांठ कर ली। इसी वजह से उसके मामले में अभी तक कार्रवाई नहीं की गई। उल्टे पुलिसकर्मी उस पर आरोपियों से समझौते का दबाव बनाते रहे। दु :खी होकर उसने आज एसएसपी ऑफिस पहुंचकर आत्मदाह की कोशिश की।

किसान ने खुद पर पेट्रोल छिड़का और आग लगा ली। किसान को जलता देख आसपास मौजूद लोगों ने आग बुझाई और किसान को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया ये घटनाक्रम

मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को 11:45 बजे एसएसपी ऑफिस पहुंचे किसान ने वहां तैनात पुलिसकर्मी से एसएसपी से मुलाकात कराने की गुजारिश की। पुलिस ने थोड़ी टाल–मटोल की तो किसान ने बैग से पेट्रोल भरी बोतल निकाली और खुद पर छिड़ककर आग लगा ली। इस दौरान कुछ लोगों ने उसे बचाने की बजाए वीडियो बनाना शुरू कर दिया। किसान के खुद को आग लगाने के बाद वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने जैसे–तैसे से उसके आग को बुझाया और उसे जिला अस्पताल पहुंचाया। इस घटनाक्रम के दौरान कुछ पुलिसकर्मी लोगों से घटना का वीडियो डिलीट कराते भी देखे गए।

लापरवाही में इंस्पेक्टर समेत पांच निलंबित

लापरवाही में एसएसपी ने सिविल लाइंस इंस्पेक्टर राजकुमार तिवारी, मंडी चौकी इंचार्ज राहुल पुंडीर, पूर्व में व हाल में दहगवां चौकी इंचार्ज अशोक कुमार व बीट सिपाही आशीष व मनोज कुमार को सस्पेंड कर दिया है।

ट्रक से भिड़ी बारातियों से भरी स्कॉर्पियो, 2 महिलाओं समेत 3 की मौत ; 14 घायल

भदोही। भदोही–वाराणसी मार्ग पर कोल्हन गांव के पास मंगलवार की रात एक सड़क हादसे में 2 महिलाओं समेत 3 लोगों की मौत हो गई जबकि 14 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को एमबीएम भदोही में भर्ती कराया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार बारातियों से भरी स्कॉर्पियो की सामने से आ रही ट्रक से आमने–सामने की टक्कर हो गई। दुर्घटना के बाद 17 घायलों को एमबीएम हॉस्पिटल पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों ने 2 महिलाओं और ड्राइवर को मृत घोषित कर दिया। जबकि आठ गंभीर रूप से घायलों को वाराणसी रेफर कर दिया। छह लोगों का एमबीएम हॉस्पिटल में ही इलाज चल रहा है।

चौरी थाना क्षेत्र के अमवाखुर्द गांव के संतोष गौतम की बारात मंगलवार को ज्ञानपुर थाना क्षेत्र के भिदिउरा गांव निवासी राजेश गौतम के यहां गई थी। देर रात जयमाल और भोजन के बाद करीब एक बजे 17 बारातियों को लेकर स्कॉर्पियो घर के लिए निकली। कोहल्न गांव के पास स्कॉर्पियो सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। इस दुर्घटना में स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए। एम्बुलेंस से सभी को भदोही शहर के महाराजा बलवन्त सिंह राजकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सको ने 22 वर्षीय चालक रंजीत गौतम निवासी पकरी कला भदोही, 26 वर्षीय सोनम देवी पत्नी अच्छेलाल निवासी माधोरामपुर चौरी और 35 वर्षीय सावित्री उर्फ देविया पत्नी पप्पू अमवाखुर्द को मृत घोषित कर दिया।

फव्वारे को शिवलिंग बताकर उड़ाया जा रहा है हिंदुओं का मजाक : तौकीर रजा

एजेंसी

बरेली। वाराणसी के ज्ञानवापी प्रकरण में इत्तेहाद–ए–मिल्लत कौंसिल (आईएमसी) के अध्यक्ष एवं आला हजरत परिवार से जुड़े मौलाना तौकीर रजा खान ने कहा है कि फव्वारे को शिवलिंग बता कर हिन्दू मजहब का मजाक उड़ाया जा रहा है।

मौलाना ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि नफरत की राजनीति करके देश को बांटने की कोशिश की जा रही है। अब किसी भी मस्जिद में जबरदस्ती की गयी तो इसका खामियाजा सरकार को भुगतना होगा। फव्वारे को शिवलिंग बता कर हिन्दू मजहब का मजाक उड़ाया जा रहा है।

रजा ने मंगलवार रात एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि ज्ञानवापी का सर्वे बंद कमरों के लिए होना था, खुले हौज के लिए नहीं। यह संविधान का उल्लंघन है।

हौज में खड़े फव्वारे को शिवलिंग बताकर हिंदू मजहब का मजाक उड़ाया जा रहा है। इसके खिलाफ तो हिंदूओं को खड़ा होना पड़ेगा। अगर ज्ञानवापी में शिवलिंग है तो हौज और फव्वारा तो हर जिले में और हर सूबे में मौजूद है।

उन्होंने बरेली शहर की जामा मस्जिद, नौमहला मस्जिद, रहमानी मस्जिद, मिर्जा मस्जिद समेत कई मस्जिदों के नाम भी गिनाए।

उन्होने कहा इससे हमारा कोई नुकसान नहीं है, बल्कि ऐसी बातों से दुनिया में भारत की छवि खराब हो रही है। जबकि एक कानून बन चुका है कि अयोध्या के किसी धार्मिक स्थल को तोड़ा नहीं जा सकता। जहां मस्जिद है या दूसरे धार्मिक स्थल हैं वे उसी स्थिति में वैसे ही रहेंगे।

बाबरी मस्जिद का उदाहरण देते हुए उन्होने कहा सुप्रीम कोर्ट ने हमारी आस्था को नहीं माना, हिंदुओं की आस्था को माना। जबकि मिलकियत मुसलमानों की मानी थी। इस तरह बाबरी मस्जिद मामले में एक जज ने फैसला देकर राज्यसभा में जगह पा ली, अब एक और जज की तैयारी है। मौलाना ने कहा कि देश के बंटवारे में भी आरएसएस और जिन्ना की मिलीभगत थी।

जिन्ना के पिता गुंजा लाल ठक्कर हिंदू थे, दादा प्रेमजी थे जिन्ना ने घर में विवाद होने पर हिंदू धर्म छोड़कर मुस्लिम धर्म अपना लिया था। मुस्लिम धर्म अपनाने के बाद भी इस्लामी परंपराओं का पालन नहीं करते थे।

संभव है- शिकायतों का समाधान; संतुष्टि एवं समदृष्टि : ए. के. शर्मा

आनंद राय गौरवशाली भारत

लखनऊ। सेवा एवं सुविधा से जुड़ी संस्थाओं, अधिकारियों, पदाधिकारियों एवं व्यक्तियों से जनसामान्य की बहुत अपेक्षाएं हैं। इन अपेक्षाओं के चलते जन शिकायतें भी उपस्थित होती रहती हैं। किसी भी लोकत्रांतिक व्यवस्था में ऐसी जन शिकायतों का त्वरित, न्यायपूर्ण एवं प्रभावी निस्तारण बहुत ही आवश्यक है। इस दृष्टि से SAMBHAV नामक व्यवस्था खड़ी की जा रही है, जिसमें विभाग के उच्च स्तर से लेकर जमीनी स्तर के अधिकारी की जिम्मेदारी सुनिश्चित होगी। इस व्यवस्था में नवीन तकनीक का भरपूर उपयोग निहित है। ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने संभव (sambhav.up.gov.in), नामक वेब पोर्टल का उद्घाटन किया। यह पोर्टल उनके विभाग की योजनाएं, व्यक्तिगत जन शिकायतें, विभागीय मुद्दे और विभागीय परियोजनाओं एवं कार्यक्रमों की निगरानी के लिए बनाया गया है। ऊर्जा विभाग के लिए SAMBHAV की व्यवस्था के प्रमुख अंश निम्नाँकित हैं : –

जिला स्तर पर जन सुनवाई कार्यक्रम अधिशासी अभियंता (EEE) हर सोमवार सुबह 10:00 बजे से 12:00 बजे तक जन सुनवाई कार्यक्रम करेंगे। सर्कल स्तर पर अधीक्षण अभियंता (SE) हर सोमवार को 3:00 बजे से 5:00 बजे तक जन सुनवाई कार्यक्रम करेंगे।

डिस्कॉम (DISCOM) स्तर पर जन सुनवाई कार्यक्रम
हर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक प्रत्येक मंगलवार को 10ः00 बजे से 12ः00 बजे तक जन सुनवाई कार्यक्रम करेंगे।

राज्य स्तर पर जन सुनवाई कार्यक्रम

हर तीसरे बुधवार को विभाग के मंत्री तथा विभाग के उच्च अधिकारीयों के स्तर पर जन सुनवाई कार्यक्रम दिन के 12:00 बजे होगा

नगर विभाग विकास के लिए SAMBHAV की व्यवस्था के प्रमुख अंश निम्नाँकित हैं : -

नगर निकाय अधिशासी अधिकारी के स्तर पर सभी नगर पालिका/ नगर पंचायत में जन सुनवाई कार्यक्रम हर सोमवार को 10: 00 बजे से 12: 00 बजे तक होगा।

नगर निगम के क्षेत्र में नगर आयुक्त के स्तर पर जन सुनवाई कार्यक्रम प्रत्येक मंगलवार को 10:00 बजे होगा।

हर महीने के पहले बुधवार को मंत्री एवं उच्च अधिकारीयों के स्तर पर जन सुनवाई कार्यक्रम दिन के 12:00 बजे होगा।

विशेष सूचनाएं

1. किसी भी अपेक्षा के पूर्ण न होने पर शिकायतें मिलती / प्राप्त होती रहती हैं।
2. स्थानीय, क्षेत्रीय एवं राज्य स्तर पर यह समन्वित कार्यक्रम शुरू किये जाने के पीछे भावना एवं आशय यह है कि जो शिकायत जहाँ प्राप्त हो, वहीं पर उस शिकायत का निस्तारण होना चाहिए।
3. निवारण योग्य कोई जन शिकायत किसी के समक्ष आती है तो उसके निस्तारण में विलम्ब या गैर जिम्मेदारी सिद्ध होने पर दण्ड की व्यवस्था भी आवश्यक है।
4. इसी क्रम में स्थानीय,/जिला/क्षेत्रीय स्तर की जन शिकायतें यदि अनिस्तारित रहकर राज्य स्तर तक पहुँचती हैं, तो उसका सीधा अर्थ यह है कि स्थानीय स्तर पर निस्तारण व्यवस्था में कोई कमी है।
5. सुशासन के लिये इन व्यवस्थाओं को चुस्त, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाने के लिए SAMBHAV नामक यह समन्वित कार्यक्रम शुरू किया है।

संभव पोर्टल की शुरूआत इस उद्देश्य से की जा रही है कि नगर विकास एवं ऊर्जा विभाग की योजनाएँ, जन शिकायतें, विभागीय मुद्दे, विभागीय परियोजनाओं एवं कार्यक्रमों की सक्षम, कड़ी एवं चुस्त निगरानी की जा सके।

संभव एक बहुविधिक मंच है, जो जनता से संबंधित समस्याओं का पंजीकरण एवं त्वरित निस्तारण (Swift & Effective Disposal) करेगा 7 पोर्टल की लॉगिन आईडी नगर विकास एवं ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को उपलब्ध करा दी गई है।

ऊर्जा विभाग में निम्न लोगों को लॉगिन आईडी दी गई है:-

अपर मुख्य सचिव / प्रमुख सचिव
चेयरमैन, यूपीपीसीएल
एमडी, यूपीपीसीएल
सभी डिस्कॉम के एमडी

नगर विकास विभाग में निम्न लोगों को लॉगिन आईडी दी गई है:-

अपर मुख्य सचिव / प्रमुख सचिव
निदेशक, स्थानीय निकाय
निदेशक, सूडा
नगर निगम के नगर आयुक्त एवं अन्य अधिकारी

6 गौरवशाली भारत
व्यापार
नई दिल्ली
गुरुवार 19 मई 2022
Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

अडानी एयरपोर्ट्स ने गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने के लिए चलाया संदेश अभियान

नयी दिल्ली। विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाली अडानी समूह की हवाईअड्डा ऑपरेटर इकाई अडानी एयरपोर्ट्स होल्डिंग लिमिटेड (एएएचएल) ने स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम नायकों को याद करने के लिए अपने हवाईअड्डे पर संदेश अभियान शुरू किया है। कंपनी ने बुधवार को यहां जारी बयान में बताया कि हर महीने की शुरुआत पर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार सभी भारतीय एयरपोर्ट गुमनाम स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में पीए या एफआईडी सिस्टम से प्री-रेकार्डेड मैसेज चलाएंगे। यह संदेश इन स्वतंत्रता सेनानियों की जयंती और पुण्यतिथि पर चलाए जाएंगे या ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण तारीखों पर यह संदेश चलाया जाएगा। यह अभियान लोगों में देश प्रेम की भावना को और मजबूत करने में काफी सफल रहा है। यात्रियों ने इस अभियान की सराहना की है और वह देशप्रेम से भरकर गर्व महसूस कर रहे हैं। इस अभियान की पहुंच बढ़ाने के लिए एएएचएल ने लोकप्रिय सोशल मीडिया चैनलों, फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम पर संदेश को ऑनलाइन चलाया है। एएएचएल को इस पोस्ट से काफी शानदार रेस्पॉन्स मिला है।

वीवो ने लांच किये एक्स 80 सीरीज के नये स्मार्टफोन

नयी दिल्ली। स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी वीवो ने अपने एक्स 80 सीरीज में दो नये स्मार्टफोन लाँच करने की घोषणा की जिसमें वीवो एक्स 80 और वीवो एक्स 80 प्रो शामिल है। कंपनी ने आज यहां कहा कि दोनों ही फोन बैक साइड से बड़े गोल आकार के कैमरे मॉडल में है। वीवो एक्स 80 में ट्रिपल रियर कैमरा है जबकि एक्स 80 प्रो में क्वाड रियर कैमरा है। इसमें 32 एमपी का फ्रंट कैमरा है। इस नये फोन में 6.78-इंच की एफएचडी प्लस अमोलेड ई5 स्क्रीन है। वीवो एक्स 80 में मीडियाटेक डाइमेंशन 9000 चिपसेट है जबकि वीवो एक्स 80 प्रो क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 8 जेन 1 एसओसी से चलता है। वीवो एक्स80 में आठ जीबी रैम और 256 जीबी रॉम और 12जीबी रैम एवं 256जीबी रॉम के दो वेरिएंट उपलब्ध है। पहले वेरिएंट की कीमत 54,999 रुपये और दूसरे वेरिएंट की कीमत 59,999 रुपये है। इसी तरह से वीववो एक्स 80 प्रो 12जीबी रैम और 256 जीबी रॉम में उपलब्ध है और इसकी कीमत 79,999 रुपये है। एक्स 80 में 4500 एमएएच की बैटरी है जो 80वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ है जबकि एक्स 80 प्रो में 4,700 एमएएच की बैटरी है, जो 80वॉट फास्ट चार्जिंग और 50 वॉट वायरलेस चार्जिंग के सपोर्ट के साथ है। दोनों स्मार्टफोन की प्री बुकिंग शुरू हो गई है और 25 मई से इसकी पहली बिक्री शुरू हो जाएगी। ये दोनों ही फोन फ्लिपकार्ट और वीवो इंडिया के ऑनलाइन स्टोर समेत चुनिंदा रिटेल स्टोर पर उपलब्ध होंगे।

खाद्य तेलों में गिरावट; दालें सस्ती

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव से अधिक आवक होने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों के साथ ही मसूर, मूंग और अरहर दाल के भाव गिर गए वहीं अनाज एवं मीठे के बाजार में टिकाव रहा। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा 30 रिंगिट बढ़कर 6694 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, अमेरिकी सोया तेल का जून वायदा 0.51 सेंट की गिरावट लेकर 82.98 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान सरसों तेल 294 रुपये, सोया रिफाइंड 366 रुपये, पाम ऑयल 367 रुपये और वनस्पति तेल 366 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हो गया। वहीं, मूंगफली तेल और सूरजमुखी तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव में स्थिरता रही। दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में नरमी रही। मसूर दाल 100 रुपये, मूंग दाल 100 रुपये और अरहर दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल गिर गई। वहीं, चना, चना दाल और उड़द दाल के भाव में टिकाव रहा। अनाज : अनाज मंडी में स्थिरता रही। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव पिछले कारोबार दिवस के स्तर पर टिके रहे। दाल-दलहन : चना 4600-4700,दाल चना 5600-5700, मसूर काली 8600-8700, मूंग दाल 8800-8900, उड़द दाल 9900-10000, अरहर दाल 8300-8400 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2250-2350 रुपये और चावल : 2500-2600 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़ : चीनी एस 3560-3670, चीनी एम. 3740-3840, मिल डिलीवरी 3440-3540 और गुड़ 3500-3600 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेल : सरसों तेल 19047 रुपये, मूंगफली तेल 20512 रुपये, सूरजमुखी तेल 21245 रुपये, सोया रिफाइंड 18388 रुपये, पाम ऑयल 17215 रुपये और वनस्पति तेल 18681 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

आरबीआई प्रमुख ने सरकारी बैंकों के प्रमुखों के साथ की समीक्षा बैठक

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गर्वनर शक्तिकांता दास ने मंगलवार को सरकारी बैंकों के प्रमुखों के साथ यहां एक बैठक में बैंकिंग प्रणाली की वर्तमान स्थिति और रुझानों की समीक्षा की। बैठक से जुड़े सूत्रों के अनुसार रिजर्व बैंक के मुख्यालय पर हुई इस बैठक में बैंकों के ऋण कारोबार के विस्तार और सम्पत्तियों की वसूली की स्थिति और मौद्रिक नीतिगत के बाजार पर परिलक्षित हो रहे प्रभाओं आदि जैसे मुद्दों पर बैंकों से जानकारी ली गयी। सूत्रों ने बताया कि आरबीआई गवर्नर ने नीतिगत ब्याज दर के प्रभाव का प्रसार ग्राहकों तक पहुंचने के मुद्दे पर विशेष रूप से बात की। गौरतलब है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी प्रमुख नीतिगत ब्याज दर रेपो को चार मई को द्वैमासिक समीक्षा अवधि के बीच में ही चार प्रतिशत से बढ़ा कर 4.40 प्रतिशत कर दिया था। रिजर्व बैंक ने मुद्रास्फीति के दबाव पर अंकुश के लिए यह निर्णय किया है। खुदरा मुद्रा मुद्रास्फीति की दर अप्रैल में बढ़ कर 7.8 प्रतिशत तक पहुंच गयी जो मई 2014 के बाद सबसे उच्च स्तर पर है और रिजर्व बैंक के लिए निर्धारित छह प्रतिशत की उच्चतम सीमा से ऊपर है। मार्च में खुदरा मुद्रास्फीति 6.95 प्रतिशत थी। रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार 22 अप्रैल को समाप्त दो सप्ताह की अवधि में बैंक ऋण में सालाना आधार पर हल्की नरम हो कर 10.07 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी थी। इस अवधि से पहले के दो सप्ताह के दौरान ऋण वृद्धि दर 10.10 प्रतिशत थी।

रसोई का बजट बिगाड़ रहे खाद्य तेल, पेंट-वार्निश कारखानों में हो रही 23 फीसद खपत

नई दिल्ली । भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि देश का 23 फीसद खाद्य तेल पेंट और वार्निश सरीखे उत्पादों के कारखानों में जा रहा है और खाने के तेलों के मामले में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य के मद्देनजर इस प्रवृत्ति पर रोक जरूरी है। आईसीएआर अधिकारी ने यह बात ऐसे वक्त कही है, जब देश में खाद्य तेलों की महंगाई आम आदमी की रसोई का बजट बिगाड़ रही है। आईसीएआर के सहायक महानिदेशक (तिलहन और दलहन) डॉ. संजीव गुप्ता ने बताया कि भारत फिलहाल अपनी जरूरत का करीब 60 फीसद खाद्य तेल आयात कर रहा है, जिस पर देश को 1.17 लाख करोड़ रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं। खाद्य तेल बाजार में मंगलवार को सोयाबीन रिफाइंड के भाव में सात रुपये प्रति 10 किलोग्राम की कमी हुई। आज पाम तेल 10 रुपये प्रति 10 किलोग्राम सस्ता बिका। तिलहन में सरसों के भाव में 100 रुपये प्रति क्विंटल कम हुए।

उच्च शिक्षण संस्थाओं ने स्मार्ट कैंपस के लिए कोलपोल के साथ की साझेदारी

नयी दिल्ली। उच्च शिक्षण संस्थाओं में तेजी से लोकप्रिय हो रहे मोबाइल फर्स्ट डिजिटल प्लेटफॉर्म कोलपोल ने 10 से ज्यादा प्रगतिशील शिक्षण संस्थाओं में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को बिना किसी रुकावट के लगातार आधुनिक शिक्षा तथा स्मार्ट कैंपस का अनुभव प्रदान करने के लिए संस्थानों के साथ साझेदारी की है।

कंपनी ने आज यहां कहा कि इसमें दिल्ली यूनिवर्सिटी का श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, बीएमएल मुंजाल यूनिवर्सिटी, जीडी गोयनका यूनिवर्सिटी, ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, बेनेट यूनिवर्सिटी और अशोका यूनिवर्सिटी जैसे बड़े संस्थान भी शामिल हैं। ये शिक्षण संस्थाएं सामूहिक रूप से विद्यार्थियों को बेहतरीन शिक्षा और स्मार्ट कैंपस का अनुभव प्रदान करने के लिए कोलपोल से जुड़ी हैं। इस समय 30 हजार से ज्यादा विद्यार्थियों को इस प्लेटफार्म पर पढ़ने का अनुकूल मिश्रित माहौल मिल रहा है और वह सहज रूप से डिजिटल शिक्षा का अनुभव हासिल कर रहे हैं।

दिल्ली -एनसीआर क्षेत्र में शिक्षण संस्थाओं ने काफी तेजी से डिजिटलीकरण को अपनाया है। कोलपोल 20 अन्य शिक्षण संस्थाओं को अपने साथ शामिल करने की योजना बना रहा है, जिससे अगले 6 महीनों में 25 हजार से ज्यादा विद्यार्थी उसके प्लेटफार्म पर आयेंगे। महामारी की शुरुआत से, दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में यूनिवर्सिटी को ऑनलाइन क्लास और परीक्षायें आयोजित करने, रिकार्डों का प्रबंधन करने, प्रमुख रिपोर्टों तक पहुंच बनाने, आंकड़ों को साझा करने के अलावा विद्यार्थियों, विभागों और कॉलज के बीच तालमेल बनाने में काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। कोलपोल की मदद के साथ शिक्षण संस्थाएं बिना एक-दूसरे के संपर्क में आए हुए डिजिटल कैंपस का अनुभव विद्यार्थियों और अध्यापकों को प्रदान कर रही हैं। इससे विद्यार्थी दाखिला लेने, ऑनलाइन क्लासेज अटेंड करने, परीक्षा देने और भुगतान करने के लिए डिजिटल व्यवस्था का प्रयोग कर रहे हैं।

उसने कहा कि इससे विद्यार्थियों का ऑनलाइन शिक्षा व्यवस्था से जुड़ाव और बढ़ा है और वह बेहतर तालमेल बनाने और एक दूसरे से बातचीत करने में सक्षम हुए हैं। इस प्लेटफॉर्म की मदद से 29,869 विद्यार्थियों के दाखिले और 1,56,885 नौकरी के आवेदनों को स्वचालित ढंग से निपटाया गया। इसके अलावा इसकी मदद से 1,50,000 ऑनलाइन क्लास का होना संभव हो सका। 60 लाख से ज्यादा लोगों के फीडबैक लिए गए।

कोलपोल की ओर से दिए जाने वाले ऑफर में डिजिटल शिक्षा का पूरी व्यवस्था करना, डिजिटल पेमेंट, कारोबार संबंधी कामकाज का स्वचालन, सुव्यस्थित ढंग से टीचर्स का फीडबैक, संपर्कहीन डिजिटल कैंपस सर्विसेज, ऑनलाइन क्लासेज और एग्जाम लेना शामिल हैं। इसके ऐप पर रेगुलर अपडेट के बारे में नोटिफिकेशन मिलती है। ऑनलाइन मूल्यांकन किया जाता है। आंकड़े और रिपोर्ट साझा की जाती है।

कंपनी के संस्थापक एवं सीईओ हेमंज सहल ने कहा दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में प्रगतिशील उच्च शिक्षा देने वाली संस्थाएं नई तकनीक को अपनाने के लिए काफी उत्सुक हैं। उनका मूल उद्देश्य अपने विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा के साथ स्मार्ट कैंपस का अनुभव कराना है। हमने कई ऐसी प्रमुख शिक्षण संस्थाओं से साझेदारी की है, जो दिल्ली और दिल्ली के आसपास शिक्षा जगत का नेतृत्व कर रहे हैं और अपनी शिक्षण संस्थाओं का डिजिटलीकरण करने के संबंध में काफी उत्साहित हैं। हम इन शिक्षण संस्थाओं के दीर्घकालीन तकनीकी साझीदार के रूप में ऑनलाइन शिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराकर दिल्ली के आसपास 25 से हजार से ज्यादा विद्यार्थियों पर प्रभाव डाल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा व्यवस्?था ने कोरोना महामारी के बाद नई तकनीक को अपनाने का महत्व समझा है। महामारी के समय बच्चों की अच्छी सेहत के लिहाज से शिक्षण संस्थाओं को बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ा। ऐसे समय में टेक्नोलॉजी से लैस संसाधनों से बच्चों की शैक्षिक गतिविधियां जारी रह सकीं। दोतरफा संवाद कायम किया जा सका। नई तकनीक से रोजमर्रा की गतिविधियों का स्वचालन संभव हो सका। इससे सुरक्षा और मौलिक सूचना तक लोगों की पहुंच बढ़ी। इन समाधानों ने जहां शिक्षा व्यवस्था को बढ़ावा दिया, वहीं शिक्षा क्षेत्र में तकनीक को अपनाने के प्रमुख लाभों के रूप में प्रभावपूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए संसाधन से लैस टूल्स अपनाए गए। शिक्षकों को अपने क्षेत्र में होने वाली गतिविधियों से अपडेट रखने के लिए उनका कौशल विकास किया गया और छात्रों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में ऑनललाइन जोड़कर उन्हें ज्यादा स्मार्ट तरीके से क्लास रूम शिक्षा प्रदान की गई।

उन्होंने कहा कि आज की जेनरेशन जेड और भविष्य में आने वाली जनरेशन अल्फा पीढ़ी के बच्चे डिटिजल टेक्नोलॉजी के बारे में ज्यादा जानते हैं। वह किसी भी पिछली पीढ़ी के अलावा ज्यादा बेहतरीन ढंग से तकनीकी कामकाज सकते हैं। वह अपने कैंपस में इसी तरह का माहौल मिलने की उम्मीद करते हैं। शिक्षण उद्योग में विद्यार्थियों की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए काफी बदलाव किए गए हैं। इसके लिए विद्यार्थियों के लिए कई मूल?यवर्धित गतिविधियां लाई गई हैं और कोलपोल इसम बदलाव में काफी आगे है।

शेयर बाजार ने गंवाई पिछले दो दिन की तेजी

मुंबई। विदेशी बाजारों में जारी तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर एसबीआई, एलटी, एयरटेल, एनटीपीसी, टाटा स्टील, आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी समेत 17 कंपनियों में हुई बिकवाली के दबाव में शेयर बाजार ने आज पिछले लगातार दो दिन की तेजी गंवा दी।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 109.94 अंक गिरकर 54208.53 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 19 अंक फिसलकर 16240.30 अंक पर रहा। हालांकि बीएसई की दिग्गज एवं मझौली कंपनियों के विपरीत छोटी कंपनियों में तेजी रही। इस दौरान मिडकैप 0.13 प्रतिशत उतरकर 22,672.16 अंक जबकि स्मॉलकैप 0.33 प्रतिशत चढ़कर 26,404.78 अंक पर पहुंच गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 3466 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1440 में बिकवाली जबकि 1910 में लिवाली हुई वहीं 116 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 21 कंपनियों में गिरावट जबकि 29 में तेजी रही।

बीएसई में बेसिक मैटेरियल्स, हेल्थकेयर और एफएमसीजी की 1.21 प्रतिशत तक की बढ़त को छोड़कर शेष 16 समूहों में गिरावट दर्ज की गई। इस दौरान रियल्टी 1.82, दूरसंचार 0.97, तेल एवं गैस 0.68, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.64 , टेक 0.60, कैपिटल गुड्स 0.58 और ऊर्जा समूह के शेयर 0.34 प्रतिशत गिर गए।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेजी का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.07, जर्मनी का डैक्स 0.24, जापान का निक्केई 0.94 हांगकांग का हैंगसेंग 0.20 प्रतिशत चढ़ गया जबकि चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.25 प्रतिशत की गिरावट रही।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 236 अंक की तेजी लेकर 54,554.89 अंक पर खुला और दमदार लिवाली की बदौलत थोड़ी देर बाद ही 54,786 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। बिकवाली होने से दोपहर बाद यह 54,130.89 अंक के निचले स्तर पर आ गया।

हालांकि इसके बाद भी लिवाली हुई लेकिन ज्यादा देर टिक नहीं पाया और अंत में पिछले दिवस के 54,318.47 अंक के मुकाबले 0.20 प्रतिशत गिरकर 54,208.53 अंक पर आ गया।

निफ्टी भी 59 अंक बढ़कर 16,318.15 अंक पर खुला और कारोबार के दौरान 16,399.80 अंक के उच्चतम जबकि 16,211.20 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 16,259.30 अंक की तुलना में 0.12 प्रतिशत फिसलकर 16,240.30 अंक पर रहा।

इस दौरान सेंसेक्स की 17 कंपनियों में गिरावट वहीं शेष 13 में तेजी रही। पावरग्रिड ने सबसे अधिक 4.55 प्रतिशत का नुकसान उठाया जबकि हिंदुस्तान यूनीलीवर ने सर्वाधिक 2.02 प्रतिशत का मुनाफा कमाया।

गिरावट पर रहने वाली अन्य प्रमुख कंपनियों में एसबीआई 2.01, एलटी 1.92, भारती एयरटेल 1.63, एनटीपीसी 1.46, विप्रो 1.14, टाटा स्टील 0.68, इंफोसिस 0.59, आईसीआईसीआई बैंक 0.46, एचडीएफसी 0.28 और टीसीएस 0.09 प्रतिशत शामिल है।

उत्तर प्रदेश में 3586 करोड़ के निवेश से एमएसएमई सेक्टर भरेगा उड़ान

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को एक लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में गंभीर प्रयास कर रही योगी सरकार ने सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) सेक्टर को अहमियत देते हुये तीसरी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरमनी में 3586 करोड़ रूपये के निवेश से एमएसएमई की 865 इकाइयां स्थापित करने का मन बनाया है।

आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि तीन जून को तीसरी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरमनी में 75 हजार करोड़ रुपये से अधिक की 1,500 परियोजनाओं को शुरू करने की योजना है। इसमें से एमएसएमई क्षेत्र का योगदान लगभग 3586 करोड़ रुपये का होगा। इससे राज्य में लगभग 48,766 रोजगार के अवसर अकेले एमएसएमई सेक्टर में पैदा होंगे।

उन्होने बताया कि सबसे ज्यादा 283 एमएसएमई इकाइयां मेरठ में स्थापित की जाएंगी, जिससे 702 करोड़ रुपये के निवेश से लगभग 13,985 रोजगार के अवसर पैदा होंगे। उसके बाद अयोध्या में लगभग 128 एमएसएमई इकाइयाँ 915 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित की जाएंगी जहाँ 5991 से अधिक रोजगार सृजित होंगे।

इस मौके पर शुरू होने वाली अन्य प्रमुख परियोजनाओं में अदाणी और हीरानंदानी समूहों के क्रमश: 4,900 करोड़ रुपये और 9,100 करोड़ रुपये के डेटा सेंटर, साथ ही माइक्रोसॉफ्ट के 2,100 करोड़ रुपये के सॉफ्टवेयर सेंटर शामिल हैं। इसके अलावा डालमिया ग्रुप द्वारा मिर्जापुर में 600 करोड़ रुपये के सीमेंट निर्माण संयंत्र और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के डिटर्जेंट प्लांट पर भी काम शुरू होगा।

प्रदेश के औद्योगिक विकास विभाग के अधिकारियों के अनुसार समारोह में शुरू होने वाली परियोजनाओं में से 21,000 करोड़ रुपये का निवेश केवल सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्रों में है। इसके अलावा कपड़ा, पर्यटन, ऊर्जा, खाद्य प्रसंस्करण और फार्मा की कई अन्य परियोजनाएं भी शुरू होंगी।

बिटमैक्स ने स्पॉट एक्सचेंज किया लॉन्च

नयी दिल्ली। क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म बिटमैक्स ने खुदरा और संस्थागत व्यापारियों के लिए अपने उत्पाद की पेशकश का विस्तार करने के खातिर बिटमैक्स स्पॉट एक्सचेंज के शुभारंभ की घोषणा की है। कंपनी ने लॉन्च ऐसे मौके पर किया है जब कंपनी अपने डेरिवेटिव ऑफर की सफलता के बाद शीर्ष दस वैश्विक स्पॉट एक्सचेंज में अपना स्थान बनाना चाहती है। बिटमैक्स स्पॉट एक्सचेंज का शुभारंभ भारत में क्रिप्टो व्यापारियों को अत्याधुनिक उत्पादों की पेशकश के लिए बिटमैक्स की रणनीति का एक महत्वपूर्ण कदम है। उसने कहा कि अभी उपयोगकर्ता सेंट्रल लिमिट ऑर्डर बुक्स के माध्यम से कॉइन कन्वर्जन रिक्वेस्ट-फॉर-कोट्स रखकर और एपीआई ट्रेडिंग का लाभ उठाकर स्पॉट तक पहुंचने में सक्षम हो सकते हैं। यह उपयोगकर्ताओ की बढ़ती मांग और बाजार की बदलती परिस्थितियों की वजह से बिटमैक्स ने पिछले साल अपने उत्पादों के सूट के पूरक के लिए अपना पूरी तरह से एकीकृत स्पॉट एक्सचेंज बनाने का फैसला किया था। बियांड डेरिवेटिव्स रणनीति के बाद, आज लॉन्च किए गए बिटमैक्स स्पॉट का उद्देश्य नए खुदरा और संस्थागत ग्राहकों को मंच पर आकर्षित करना और क्रिप्टो के साथ व्यापार करते समय उपयोगकर्ताओं को बढ़ने का मौका देगा।

पीट्रॉन ने लांच किया 60 घंटे प्ले-टाइम वाला वायरलेस नेकबैंड

नयी दिल्ली। किफायती और उच्च गुणवत्ता वाली डिजिटल लाइफस्टाइल व ऑडियो एसेसरीज निर्माता पीट्रॉन ने आज गेमिंग और मनोरंजन के लिए अगली पीढ़ी के वायरलेस नेकबैंड ईयरफोन टैंजेंट अर्बन को लॉन्च करने की घोषणा की जिसका प्ले टाइम 60 घंटे से भी अधिक है।

कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि असाधारण गेमिंग अनुभव के लिए प्रोपराइटरी आप्टसेंस टेक्नोलॉजी से युक्त और एक बार चार्ज करने पर 60 घंटे की बैटरी लाइफ जैसी खूबियों के साथ टैंजेंट अर्बन को खास तौर पर शहरी युवाओं के लिए डिजाइन किया गया है।

पीट्रॉन के संस्थापक और सीईओ अमीन ख्वाजा ने कहा, किसी भी उत्साही गेमर के लिए उसकी डिवाइस और ईयरफोन के बीच वॉयस की थोड़ी सी भी देरी वास्तव में गेम में उसकी जीत और हार के लिए उत्तरदायी हो सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए हमने टैंजेंट अर्बन को गेमिंग, मनोरंजन और कॉल के लिए सबसे प्रभावी नेकबैंड के तौर पर डिजाइन किया है। बेहतरीन गुणवत्ता वाले ईयरफोन की एक वाजिब कीमत वाली जोड़ी की तलाश करने वाले युवा ट्रेंडसेटर्स के लिए टैंजेंट अर्बन एकदम सही विकल्प है और वायरलेस ऑडियो सेगमेंट में एक ब्रेक-थ्रू एंट्री है, जो प्रदान करता है बेस्ट-इन-क्लास 60-घंटे का प्लेटाइम, डीएसपी एनवायर्नमेंटल नॉइज कैंसलेशन टेक्नोलॉजी और आप्टसेंस 50एमएस गेमिंग तकनीक।

पॉवरफुल और कई तरह की खूबियों वाला टैंजेंट अर्बन अपने प्रतिस्पर्धियों की तुलना में सबसे उपयोगी उत्पाद है, जो समान खूबियों वाले वायरलेस नेकबैंड की तुलना में लगभग आधी कीमत यानी 799 रुपए की कीमत पर उपलब्ध है।

इसमें ब्लूटूथ वी5.3 से युक्त एकदम नया उत्पाद टैंजेंट अर्बन उन लोगों के लिए विशेष तौर पर डिजाइन किया गया है, जो कॉल और संगीत के लिए सर्वश्रेष्ठ गुणवत्ता वाला साउंड चाहते हैं, जिससे उपयोगकर्ता वायरलेस ऑडियो का अनुभव कर सकें। ट्रूसोनिक बास बूस्ट टेक्नोलॉजी से युक्त टैंजेंट अर्बन, जिसमें 10 मिलीमीटर डायनेमिक ड्राइवर्स और विशेषज्ञता के साथ तैयार किए गए ईक्यू शामिल हैं।

एस्कॉर्ट्स कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट ने EXCON में पेश की भारत की प्रथम हाइब्रिड पिक-एन-कैरी क्रेन और मोनो चेसिस सेफ क्रेन

अलग-अलग टन भार क्षमता के लिए क्रेन्स एवं प्रोडक्ट वेरिएंट्स हेतु प्लैटफॉर्म तैयार करने का लक्ष्य

दिल्ली। एस्कॉर्ट्स लिमिटेड की कारोबारी इकाई एस्कॉर्ट्स कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट ने आज भारत की प्रथम डूअल फ्यूल (डीज़ल एवं सीएनजी) वाली हाइब्रिड पिक-एन-कैरी क्रेन NXTvxDC CNG और भारत की प्रथम 25 टन लिफ्ट क्षमता वालीमोनो चेसिस सेफ क्रेन ऋष्ट2522 को लॉन्च किया है। कंपनी ने यह पेशकश बैंगलुरू में आयोजित EXCON में की है।

पर्यावरण अनुकूल प्रोडक्ट्स की इस पहली श्रृंखला के तहत नई लॉन्च की गईNXTvxDCसीएनजी क्रेन 13 टन श्रेणी में आती है और इसमें सीएनजी से चलने वाला 49.5 HP BSIII इंजन है, साथ ही एक ठोस स्ट्रेट एक्सल बैकेंड भी है। भारत सरकार के मेक इन इंडिया अभियान के अनुकूल इसे स्वदेशी तकनीक से विकसित किया गया है। NXTvxDCसीएनजी क्रेन एक ट्रक जैसी दिखती है और स्टैंडर्ड फीचर्स के साथ इसमें 6.3 मीटर का टर्निंग रेडियस मिलता है। हाइब्रिड इंजन से चलने वाली इस क्रेन का संचालन खर्च कम है और इसमें मैटेरियल एवं मज़दूरों को एक साइट से दूसरी साइट पर ले जाने के लिए रियर डेक यूटिलिटी प्रदान की गई है। इसमें 3 पार्ट पूरी तरह से पावर्ड बूम है, जिसकी अधिकतम ऊंचाई 13 मीटर है और पिछले हिस्से में 14×24 हैवी ड्यूटी टायर हैं, जो मशीन का जीवनकाल लंबा बनाने में मदद करते हैं। बेहतरीन सुरक्षा साधनों के साथ इस क्रेन में स्थिरता के लिए फ्रंट आउटरिगर लगे हैं, जो ऊंचाई पर काम करते वक्त इसकी सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।

भारत में क्रेन उपयोग के तौर-तरीकों में बदलाव लाने के लिए नई लॉन्च की गई RC2522, 25 टन लिफ्ट क्षमता वाली मोनो चेसिस सेफ क्रेन, एंटी-टॉपलिंग फीचर (क्रेन पलटने से रोकने वाला फीचर) से लैस है, जो साइट पर बेहतर सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही अत्याधुनिक तकनीक की पेशकश भी करती है। इस तरह से यह मौजूदा मशीनों से बेहतर साबित होती है। RC2522 क्रेन इस श्रेणी मेंसबसे अधिक टिकाऊपन, उच्च क्षमता, स्थिरता और विभिन्न कार्यों में उपयोगिता की पेशकश करती है।

यह क्रेन 110 HP किर्लोस्कर इंजन से चलती है और इसमें ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ सिर्फ 6.6 मीटर का बेहद कम टर्निंग रेडियस है। इसके केबिन की कुशल डिज़ाइन से2 लोगों के लिए बेहद आरामदायक अनुभव मिलता है और फ्रंट व्हील ड्राइव ऊबड़-खाबड़ वाले रास्तों पर बेहतर पकड़ देती है। एक आधुनिक अंतरराष्ट्रीय बनावट के साथ यह क्रेन एक टेलीहैंडलर के रूप में भी इस्तेमाल की जा सकती है, जिसमें अधिकतम 8 टन तक की क्षमता मिलती है। इसमें एक मैन कैरिंग बास्केट और एक फोल्डेबल फ्लाय जिब भी मौजूद है। इस क्रेन की बूम और चेसिस बेहतर सहनशीलता के लिए उच्च ढांचागत मज़बूती वाले मैटेरियल से बनाई गई है।

बैंगलुरू में आयोजित EXCON में हिस्सा लेते हुए, एस्कॉर्ट्स ने मैटेरियल हैंडलिंग, सॉइल कॉम्पैक्शन और अर्थ मूविंग इक्विपमेंट श्रेणी के तहत येलो लाइन एवं व्हाइट लाइन सीरीज़ में अपने मज़बूत प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का प्रदर्शन किया। कंपनी की येलो लाइन सीरीज़ सामान्य इस्तेमाल के लिए तैयार की गई है और भारतीय बाज़ार में इसकी बड़ी ग्राहक संख्या है।

व्हाइट लाइन सीरीज़ ट्रक मालिकों एवं कॉर्पोरेट ग्राहकों के लिए हाईपरफॉर्मेंस की मांग को पूरा करने के लिए विकसित की गई है।

कंपनी द्वारा क्रेन श्रेणी में प्रदर्शित प्रोडक्ट लाइन-अप मेंस्न15 फाइटर की नई पेशकश रही, जो75 HP VECV इंजन से युक्त है, 18 टन श्रेणी में पिक एंड कैरी क्रेन हाइड्रा 18 को शामिल किया गया है, और पिक एंड कैरी सेफ सेग्मेंट में 35 टन श्रेणी में F35 क्रेन की नई पेशकश है।

बैकहो सेग्मेंट में, भरोसेमंद टर्बोचार्ज्ड उच्च टॉर्क डीज़ल इंजन युक्त बैकहो लोडर जंगली HT और हाई परफॉर्मेंस देने वाला XT 1610 शामिल है, जिसमें बड़े बकेट्स और श्रेणी का सबसे अच्छा डिग डेप्थ और डम्प हाइट मिलेगी।

इसके अलावा रोड मशीनरी में एस्कॉर्ट्स द्वारा 11 टन श्रेणी में व्हाइटलाइन सीरीज़ सॉइल कॉम्पैक्टर5090 और मिनी रोलर 5030 का प्रदर्शन किया गया। इसके साथ ही 10 टन श्रेणी में मोटर ग्रेडर 585 को लॉन्च किया गया।

एस्कॉर्ट्स द्वारा पेश किये जाने वाले सभी कंस्ट्रक्शन एवं मैटेरियल हैंडलिंग इक्विपमेंट के निर्माण में सुरक्षा को सर्वाधिक महत्व दिया जाता है। कंपनी अलग-अलग टन क्षमता में क्रेन एवं उपयुक्त प्रोडक्ट वेरिएंट्स के लिए एक प्लैटफॉर्म तैयार करने की योजना पर काम कर रही है।

संजीव बजाज, सीई - एस्कॉर्ट्स कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट ने कहा, हमारी यही विशेषता है कि हम 'सही ग्राहकों के लिए सही प्रोडक्ट्स' प्रदान करते हैं। इसके लिए विभिन्न खूबियों से युक्त, कम ईंधन खपत वाले प्रोडक्ट्स पेश किये जाते है, जिनका संचालन खर्च ग्राहकों के लिए किफायती बनता है। वर्तमान समय में सरकार द्वारा इन्फ्रास्टक्चर प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिसके चलते कंस्ट्रक्शन एवं मैटेरियल हैंडलिंग इंडस्ट्री में अधिक स्थिरता, सुरक्षित, आधुनिक तकनीक वाले इक्विपमेंट तथा अधिक उपयोगिता वाले समाधानों की मांग लगातार बढ़ेगी। एस्कॉर्ट्स में हम उसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और अपने ग्राहकों की मांग को पूरा करने के लिए उपयुक्त कदम उठा रहे हैं। हम पहले से बैकहो लोडर्स, कॉम्पैक्टर्स और क्रेन सेगमेंट में मौजूद हैं और अब हमारे कॉम्पैक्टर सेगमेंट को मज़बूत बनाने के लिए मोटर ग्रेडर को भी शामिल करते हुए अपनी रेंज में विस्तार कर रहे हैं। हम अपने प्रोडक्ट्स को अधिक डिजिटल भी बना रहे हैं। एस्कॉर्ट्स वर्तमान में चल रहे विभिन्न सरकारी परियोजनाओं का हिस्सा है और हमें देश के विकास कार्यों का हिस्सा बनने पर गर्व है, जैसे एयरपोर्ट आधुनिकीकरण, भारत माला, बुलेट ट्रेन, बंदरगाह एवं पुल निर्माण, कोल इंडिया एवं रक्षा क्षेत्र इसके अलावा हम स्टील, सीमेंट, खनन एवं जल सिंचाई जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में भी सक्रिय हैं।

उन्होंने आगे कहा कि, हमारे ग्राहकों को आमतौर पर क्रेन सेगमेंट में स्थिरता, सुरक्षा और सीमित लिफ्टिंग क्षमता, क्रेन द्वारा वजन उठाने की सीमित ऊंचाई, विभिन्न कार्यों में उपयोगिता एवं एक्सेसराइजेशन जैसी मुख्य चुनौतियां पेश आती है। इन मुश्किलों को समझते हुए एस्कॉर्ट्स में हम क्रेन्स के लिए एक ऐसा प्लेटफॉर्म तैयार करना चाहते हैं, जो इनका समाधान कर सके और इसके लिए मशीनों की डिजाइन में अधिक बदलाव भी ना करना पड़े। ECE ने EXCON में अपने मौजूदा प्रोडक्ट्स का आधुनिक संस्करण और नए अत्याधुनिक इक्विपमेंट भी प्रदर्शित किये।

शार्ट न्यूज

यूपी में राजकीय डिग्री कालेजों में बढ़ेंगी खेलकूद की सुविधाएं

लखनऊ। पढ़ाई लिखाई के साथ खेलकूद, शारीरिक शिक्षा और योग को प्रोत्साहन देने की कवायद के तहत उत्तर प्रदेश की योगी सरकार राजकीय डिग्री कालेजों में खेलों के लिए मूलभूत ढांचे का विकास करेगी। आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि सरकारी डिग्री कालेजों को वित्तीय मदद सूबे का खेलकूद विभाग उपलब्ध कराएगा। विभाग ने इसके लिए प्रस्ताव तैयार किया है, जिसके तहत ऊंची और लंबी कूद, डिस्कस थ्रो के साथ ही सामान्य कोर्ट, सिंथेटिक कोर्ट तैयार किये जाएंगे वहीं शारीरिक शिक्षकों को योग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। खेलकूद विभाग द्वारा प्रस्तावित सुविधाएं के तहत सरकारी महाविद्यालयों में दौड़ने के लिए ट्रैक तैयार किये जाएंगे । डिस्कस थ्रो, लांग व हाई जंप के अलावा सामान्य कोर्ट / सिंथेटिक कोर्ट, वुमेन फ्लोरिंग / ग्रास कोर्ट तैयार किये जाएंगे । साथ ही मेडिसिन बाल उपलब्ध कराए जाएंगे। इन सुविधाओं के लिए एक लाख रुपये प्रति महाविद्यालय की दर से दो करोड़ के बजट का प्रावधान एसएनडी (नई मांग) के जरिये प्रस्तावित किया गया है।

महिला टीम ने जीता कांस्य, फाइनल में पहुंचे पुरुष

ग्वांगजू(दक्षिण कोरिया)। भारतीय कंपाउंड महिला टीम ने बुधवार को तीरंदाज़ी विश्व कप स्टेज-2 में तुर्की को हराकर कांस्य पदक जीत लिया, जबकि पुरुष कंपाउंड टीम ने दक्षिण कोरिया को हराकर फाइनल मुकाबले में जगह बना ली है। अवनीत कौर, मुस्कान किरार और प्रिया गुर्जर ने यहां हुए मुकाबले में आयशा बेरा सुज़ेर, येसिम बोस्तान और सिंगुल लोक को कांस्य पदक के लिये हुए बेहद करीबी मुकाबले में 232-231 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। तीन राउंड होने के बाद भारत और तुर्की के बीच सिर्फ एक पॉइंट का अंतर था। चौथे राउंड में पहुंचते हुए तुर्की के पास 174-173 की बढ़त थी, मगर भारत ने वापसी करते हुए अंतिम राउंड में तुर्की के 57 के मुकाबले 59 अंक हासिल किये, जिससे स्कोर भारत के पक्ष में 232-231 हो गया। जीत के बाद प्रिया गुर्जर ने कहा, यह हमारे देश के लिये गौरव का क्षण है। यहां हवा बहुत पेचीदा है इसलिये हमने निशाना लगाने में पूरी सावधानी बरती। अगले स्टेज में हम स्वर्ण हासिल करने का प्रयास करेंगे। यह हमारे लिये बहुत मायने रखता है। हमें पता था कि यह मैच बहुत करीबी होने वाला है और हमारे बीच सिर्फ एक पॉइंट का अंतर था। हमने अपने आप से कहा कि हमें आखिरी मुकाबले में 60 पॉइंट बनाने होंगे। क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे के खिलाफ 228-226 से जीत दर्ज करने के बाद भारतीय टीम को दक्षिण कोरिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 228-230 से हार का सामना करना पड़ा था।

भारतीय टीम के क़रीब हैं राहुल त्रिपाठी

मुम्बई। रवि शास्त्री और डेनियल वेटोरी के मुताबिक़ सनराइज़र्स हैदराबाद के बल्लेबाज़ राहुल त्रिपाठी भारतीय टीम से अधिक दूर नहीं हैं। वह नंबर तीन और चार पर एक बैक-अप विकल्प हो सकते हैं। राहुल ने आईपीएल के इस सीज़न में 13 पारियों में 39 के औसत से 393 रन बनाए हैं और वह नंबर तीन पर सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज़ हैं। शास्त्री ने कहा, %वह भारतीय टीम से अब अधिक दूर नहीं है। अगर किसी भी खिलाड़ी का फ़ॉर्म ख़राब रहता है या कोई चोटिल होता है, तो वह नंबर तीन या नंबर चार के लिए एक शानदार विकल्प हैं। उन्हें सीधे टीम में शामिल किया जा सकता है। अगर वह सीज़न दर सीज़न अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं तो उन्हें उसका फल ज़रूर मिलना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, वह एक ख़तरनाक खिलाड़ी हैं और निर्भीक होकर अपने शॉट खेलते हैं। उनकी शॉट चयन प्रक्रिया बेहतरीन है। वह गेंदबाज़ों को भी जल्दी पढ़ लेते हैं और फिर किसी भी लेंथ पर मनचाहा शॉट खेलते हैं। उनके पास हर गेंद के लिए प्लान ए और प्लान बी दोनों होता है। वेटोरी ने भी राहुल की तारीफ़ करते हुए कहा, मुंबई के ख़िलाफ़ मंगलवार को खेली गई पारी उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी थी। वह बुमराह जैसे स्किल गेंदबाज़ के ख़िलाफ़ बिल्कुल सहजता से शॉट लगा रहे थे।

श्रीकांत का शानदार प्रदर्शन जारी, थाईलैंड ओपन के दूसरे दौर में पहुंचे

बैंकॉक। थॉमस कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे किदाम्बी श्रीकांत ने बुधवार को थाईलैंड ओपन के अपने पहले मुकाबले में जीत दर्ज करते हुए फ्रांस के ब्राइस लेवेरडेज़ को प्रतियोगिता से बाहर कर दिया। इम्पैक्ट एरीना में आयोजित मुक़ाबले में श्रीकांत ने पहला गेम 18-21 से हारने के बाद 21-10, 21-16 से ज़ोरदार वापसी की और थाईलैंड ओपन के ओपनिंग राउंड में जीत दर्ज की। दूसरी तरफ़ महिला एकल प्रतियोगिता में अश्मिता चालिहा को विश्व की नंबर सात शटलर थाईलैंड की रत्चानोक इंतानोन के हाथों 10-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा। आकर्षी कश्यप भी कनाडा की मिशेल ली के खिलाफ मुकाबले में 13-21, 18-21 से हारकर प्रतियोगिता से पहले ही राउंड में बाहर हो गयीं। राजू मोहम्मद रेहान और जमालुद्दीन अनीस कौसर की युगल जोड़ी को भी जापान के नारू शिनोया और क्योहेई यामाशीटा के खिलाफ मुकाबले में 12-21, 13-21 से शिकस्त मिली। सुमित रेड्डी और अश्विनी पोनप्पा की दूसरी मिश्रित युगल टीम जापान के युकी कानेको और मिसाकी माटसुटोमो के हाथों 17-21, 17-21 से हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गयी।

बच्चे के जन्म के समय उपस्थित रहने के लिए न्यूज़ीलैंड लौटे केन विलियमसन

मुम्बई। बच्चे के जन्म के समय परिवार का साथ देने के लिए केन विलियमसन न्यूज़ीलैंड लौट रहे हैं। वह सनराइज़र्स हैदराबाद के आख़िरी लीग मैच का हिस्सा नहीं होंगे, जो 22 मई को पंजाब किंग्स के ख़िलाफ़ वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। उनकी अनुपस्थिति में भुवनेश्वर कुमार या निकोलस पूरन टीम की कमान संभाल सकते हैं। जहां भुवनेश्वर कुमार पहले भी कुछ आईपीएल मैचों में हैदराबाद की कमान संभाल चुके हैं, वहीं वेस्टइंडीज़ के सीमित ओवरों के कप्तान निकोलस पूरन को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कप्तानी का अनुभव प्राप्त है। वहीं एकादश में उनकी जगह उनके हमवतन ग्लेन फ़िलिप्स ले सकते हैं, जो एक शानदार बल्लेबाज़ के साथ-साथ एक उपयोगी ऑफ़ स्पिनर और कामचलाऊ विकेटकीपर भी हैं। हैदराबाद के लिए इस आईपीएल सीज़न में विलियमसन का प्रदर्शन औसत से भी नीचे रहा है। उन्होंने 19.64 के साधारण औसत और 93.51 के ख़राब स्ट्राइक रेट से 13 परियों में 231 रन बनाए हैं। उनकी कप्तानी में हैदराबाद की टीम 13 मैचों में सिर्फ़ छह जीत और सात हार के साथ अंक तालिका में आठवें स्थान पर है। हालांकि मंगलवार को मुंबई इंडियंस पर जीत के बाद प्लेऑफ़ में उनकी पहुंचने की संभावना क्षणिक रूप से बनी हुई है।

टी20 विश्व कप से पहले न्यूज़ीलैंड में त्रिकोणीय श्रृंखला खेलेगा बांग्लादेश

ढाका। इस साल होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी के तहत बांग्लादेश सितंबर-अक्तूबर में न्यूज़ीलैंड में एक त्रिकोणीय श्रृंखला में भाग लेगा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के क्रिकेट संचालन अध्यक्ष जलाल यूनुस ने बताया कि सारे मैच क्राइस्टचर्च में खेले जाएंगे और तीसरी टीम पाकिस्तान हो सकती है। न्यूज़ीलैंड पहुंचने से पहले बांग्लादेश का एक अभ्यास कैंप एडिलेड में एक सप्ताह के लिए आयोजित किया जाएगा, जहां टी20 अभ्यास मैचों में उनका सामना कुछ क्षेत्रीय टीमों से होगा। त्रिकोणीय श्रृंखला में मैच की तारीख अभी तक स्पष्ट नहीं हैं लेकिन सितंबर के आख़िर और अक्तूबर के शुरुआती दिनों के अलावा इसके लिए कोई विंडो मिलना मुश्किल है। विश्व कप 16 अक्तूबर से शुरू होगा और सुपर 12 का पड़ाव 22 अक्तूबर से। बांग्लादेश और न्यूज़ीलैंड दोनों का अभियान इस पड़ाव से शुरू होना है। यूनुस ने पत्रकारों से कहा, हम (विश्व कप से पहले) 16 से भी ज़्यादा टी20 मैच खेलेंगे। ऐसे में तैयारी के लिए किसी अलग कैंप की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। हम एडिलेड में एक सप्ताह का कैंप रखेंगे और फिर त्रिकोणीय श्रृंखला खेलने जाएंगे।

निखत फाइनल में पहुंचीं, मनीषा और परवीन को करना पड़ा कांस्य से संतोष

नयी दिल्ली। भारतीय मुक्केबाज निखत जरीन ने बुधवार को सनसनीखेज जीत के साथ तुर्की के शहर इस्तांबुल में जारी आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी के 12वें संस्करण के फाइनल में जगह बनाई लेकिन मनीषा और नवोदित परवीन ने सेमीफाइनल में हार के बाद कांस्य पदक के साथ अपने अभियान का समापन किया।

निजामाबाद (तेलंगाना) में जन्मी मुक्केबाज निखत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 52 किग्रा भार वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में ब्राजील की कैरोलिन डी अल्मेडा के खिलाफ 5-0 से एकतरफा जीत हासिल की। दूसरी ओर, मनीषा (57 किग्रा) और परवीन (63 किग्रा) ने अपने सेमीफाइनल मैचों में सब झोंक कुछ दिया लेकिन वे क्रमश: 2020 ओलंपिक खेलों की कांस्य पदक विजेता इटली की इरमा टेस्टा और आयरलैंड की एमी ब्रॉडहर्स्ट के खिलाफ हार गईं। मनीषा को 0-5 से हार मिली जबकि परवीन 1-4 से हारीं।

अपना सिर्फ दूसरा विश्व चैंपियनशिप खेलते हुए निखत गुरुवार को फ्लाईवेट फ़ाइनल में थाईलैंड की जितपोंग जुतामास के खिलाफ़ भिडेंगी और जीत हासिल करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम करना चाहेंगी। जुतामास ने सेमीफाइनल में दो बार की विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता अनुभवी कजाख मुक्केबाज ज़ैना शेकरबेकोवा को 4-1 से हराया है।

भारत के लिए दिन के पहले मुकाबले में निखत ने सावधान शुरुआत की, लेकिन जल्द ही अपना गियर बगला और मुक्कों की झड़ी लगाते हुए आक्रामक हो गईं। उनकी ब्राजीलियाई प्रतिद्वंद्वी को तकनीकी रूप से बेहतर 25 वर्षीय भारतीय के साथ तालमेल बिठाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा। शुरुआती दो राउंड के बाद निखत काफी अच्छी स्थिति में दिखीं। एक बार बढ़त लेने के बाद पूर्व जूनियर युवा विश्व चैंपियन निखत ने अंतिम राउंड में अपने पैरों और मुक्कों की गति को कम नहीं होने दिया। वह पूरी रफ्ताह से रिंग के चारों ओर घूमती रही और ब्राजीली खिलाड़ी से दूरी बनाए रखते हुए सही समय पर कुछ सटीक मुक्के भी मारे।

फेदर वेट वर्ग में हालांकि मनीषा ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया, लेकिन इटली की अपनी मजबूत प्रतिद्वंद्वी का सामना नहीं कर पाई। उनकी प्रतिद्वंद्वी आक्रामक खेल दिखाया और भारतीय को कोई मौका नहीं दिया। दूसरी ओर, परवीन को अपनी विपक्षी खिलाड़ी के खिलाफ काफी अधिक शारीरिक मुकाबला खेलना पड़ा। परवीन को आयरिश मुक्केबाज से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। हरियाणा की इस युवा खिलाड़ी ने पहले राउंड में पिछड़ने के बावजूद अच्छी तरह से वापसी की।

2019 यूरोपीय चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता ब्रॉडहर्स्ट ने हालांकि अंतिम राउंड में कमान संभाला एक बड़ी जीत हासिल करते हुए अपने डेब्यू पर बड़ा पदक जीतने की भारतीय खिलाड़ी के सपने को पूरा नहीं होने दिया।

एंडरसन, ब्रॉड की इंग्लैंड टेस्ट टीम में वापसी

लंदन। एशेज़ 2021-22 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ 0-4 की करारी हार के बाद इंग्लैंड टेस्ट टीम से बाहर हुए जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड को न्यूज़ीलैंड के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज़ के लिये टीम में वापस बुलाया गया है। दोनों दिग्गज खिलाड़ियों को इस साल हुए वेस्ट इंडीज़ दौरे से बाहर रखा गया था, लेकिन न्यूज़ीलैंड के खिलाफ घर में होने वाले पहले दो टेस्ट मैचों के लिये चुनी गयी टीम में उनका नाम शामिल किया गया है।

इस सीरीज़ में इंग्लैंड बेन स्टोक्स के रूप में नये कप्तान और ब्रेंडन मैकुलम के रूप में नये कोच के साथ उतरेगी। उल्लेखनीय है कि क्रिस वोक्स, जोफ्रा आर्चर, सैम करेन, मार्क वुड और साक़िब महमूद जैसे कई तेज गेंदबाज़ चोट के कारण चयन के लिये उपलब्ध नहीं हैं।

इस सीरीज़ के लिये यॉर्कशायर के बैरी ब्रूक और डरहम के मैथ्यू पॉट्स को पहली बार 13 सदस्यीय-टीम में शामिल किया गया है। ब्रूक इस साल की काउंटी चैंपियनशिप में अब तक 151.60 की औसत से 758 रन बना चुके हैं, जबकि पॉट्स ने सबसे ज़्यादा 35 विकेट लिये हैं।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के अंदर आने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज़ दो जून को लॉर्ड्स से शुरू होगी और बाकी दो टेस्ट नॉटिंघम व लीड्स में खेले जाएंगे।

अंपायरिंग में सुधार के लिए ऑनलाइन कोर्स शुरू करेंगे साइमन टॉफ़ल

लंदन। अपने समय में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ अंपायरों में शुमार साइमन टॉफ़ल ने अंपायरिंग में सुधार के लिए एक ऑनलाइन कोर्स शुरू करने की घोषणा की है। तीन लेवल का यह कोर्स मंगलवार से शुरू हो जाएगा। यह कोर्स शौक़िया और प्रोफ़ेशनल दोनों लोगों के लिए होगा। जो अंपायर बनना चाहते हैं और जो अंपायर बन चुके हैं, लेकिन अपने स्किल में सुधार करना चाहते हैं, वे इस कोर्स को कर सकते हैं। टॉफ़ल ने इस कोर्स का पाठ्यक्रम सामग्री खुद तैयार किया है और आईसीसी क्रिकेट एकेडमी, दुबई से इसे मान्यता भी प्राप्त है। टॉफ़ेल ने कहा कि इस कोर्स में क्रिकेट के पारंपरिक नियमों की जगह व्यवहारिक रूप से अंपायरिंग करने के तरीक़े को सिखाया जाएगा। क्रिकइंफ़ो से बात करते हुए टॉफ़ल ने कहा, %हमारे पास तीन कोर्स है। पहला कोर्स काफ़ी बेसिक है, जो स्कूल अध्यापकों, माताओं और पिताओं के लिए है, जिनके बच्चे क्रिकट खेलते हैं। इसमें उन्हें अंपायरों की भूमिका, मैच के दिन पर क्या करना है आदि सिखाया जाएगा। अंपायरिंग के पारंपरिक कोर्स में आपको क्रिकेट के नियम पढ़ाए जाते हैं, लेकिन इस कोर्स में आपको मैदान पर व्यवहारिक होना सिखाया जाएगा। हमारा यह कोर्स मुख्यत: वीडियो आधारित होगा, जिसमें लोग देख और सुनकर अंपायरिंग के विभिन्न पहलुओं को समझ सकेंगे। इस कोर्स को पूरा करने के लिए महज़ कुछ घंटे लगेंगे। टॉफ़ल ने कहा, इस कोर्स में आपको बताया जाएगा कि आप मैदान पर कैसा बर्ताव करें, कोई विवादास्पद घड़ी आती है तो कैसे स्थिति को संभाले, मैदान पर बनने वाले दबाव से कैसे निपटे और अपील पर बिना दबाव आए किस तरह की प्रतिक्रिया दें। लेवल-1 का कोर्स उन अंपायरों के लिए होगा जो अंपायरिंग को अपना करियर बनाना चाहते हैं, जबकि लेवल-2 का कोर्स पहले से अंपायर बन चुके लोगों का स्किल सुधारने के लिए होगा।

सिक्स हिटिंग के लिए शारीरिक के साथ-साथ मानसिक मज़बूती भी ज़रूरी : टिम डेविड

मुम्बई। कुछ तो है जो टिम डेविड को एक अलग बल्लेबाज़ बनाता है। एक तो उनकी लंबाई है और दूसरी यह कि वह क्रीज़ के भीतर काफ़ी मज़बूती से खड़े होते हैं। इसके अलावा उनकी बैट-स्पीड और हाथ और आंखों के बीच तालमेल भी बहुत अच्छा है।

जब उन्हें मुंबई इंडियंस ने सवा आठ करोड़ रुपये में ख़रीदा था तो कोई आश्चर्य की बात नहीं थी। लेकिन जब उन्हें सिर्फ़ दो मौक़े देकर बाहर बैठा दिया गया तो सबको आश्चर्य हुआ। कप्तान रोहित शर्मा और मुंबई इंडियंस प्रबंधन को पर्याप्त मौक़े देने के लिए जाना जाता है, लेकिन डेविड के मामले में ऐसा नहीं हुआ तो और अजीब लगा। डेविड ने मैदान से बाहर रहते हुए अपनी तैयारी को जारी रखा। उन्होंने कहा, मैं बाहर था तो मैंने अपने समय का भरपूर इस्तेमाल ट्रेनिंग में किया। मैंने जिम और नेट्स पर समय बिताया और किसी भी मौक़े के लिए तैयार रहा। यह परिस्थितियों से अनुकूल होने का भी समय था।डेविड को मौक़ा एक महीने बाद मिला जब मुंबई प्रतियोगिता से लगभग बाहर हो गई थी। उन्होंने इसका पूरा फ़ायदा उठाया और कुछ महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। सनराइज़र्स हैदराबाद के ख़िलाफ़ मैच में तो उन्होंने मुंबई को मैच में वापस ला दिया। वह कहते हैं, मैं नेट्स पर बहुत समय बिताता हूं और छक्के मारने का अभ्यास करता हूं। यह सब गेंदबाज़ पर दबाव बनाने का खेल है। अगर आप मैच की परिस्थितियों को समझकर गेंदबाज़ पर दबाव बनाते हैं तो चीज़ें आपके पक्ष में जाएगी।

चीन की ओछी राजनीति : श्रीलंकाई विदेश अधिकारियों को बांटे राशन, भारी हंगामा

कोलंबो। श्रीलंका की आर्थिक स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। जरूरी चीजों की लगातार कमी होती जा रही है और इस बीच चीन द्वारा श्रीलंकाई विदेश मंत्रालय के अधिकारियों को बांटे गए राशन के कारण श्रीलंकाई विदेश सेवा अधिकारी संघ ने चीन को लताड़ लगाई है।

संकटग्रस्त श्रीलंका में अधिकारियों को प्रभावित करने के लिए दाल, चावल और अन्य वस्तुओं जैसे राशन वितरित करने के चीन की कोशिशों को कड़े विरोध का सामना करना पड़ा है।

कोलंबो गजट की एक रिपोर्ट बताती है कि सभी राशन चीनी सरकार द्वारा वितरित किए गए थे लेकिन ग्रामीणों को दिए गए राशन में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के ट्रेडमार्क को बैग में छुपाया गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि सबसे खराब रिश्वत विदेश मंत्रालय के कर्मचारियों को सूखे राशन का वितरण किया जाना था। रिपोर्ट में बताया गया है कि दुनिया में कहीं भी एक दूतावास विदेश मंत्रालय को इस तरह की पेशकश नहीं कर सकता है।

विशेष रूप से श्रीलंका जैसे देश में जहां चीन अपने महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के साथ आगे बढ़ने के लिए नेताओं के साथ गंभीरता से जुड़ा हुआ है जो कि भारी चुनौतियों का सामना कर रहा है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक श्रीलंकाई विदेश मंत्रालय को चीनी दान स्पष्ट तौर पर विदेश सचिव जयनाथ कोलंबेज और चीन-श्रीलंका मैत्री संघ द्वारा अधिकृत था। मामले को लेकर श्रीलंका के विदेश सेवा अधिकारी संघ के प्रतिनिधिमंडल ने विदेश सचिव कोलंबेज के साथ एक बैठक में नाराजगी जताई है। एसोसिएशन ने कहा है कि हम दृढ़ता से मानते हैं कि इस तरह के दान की स्वीकृति, विशेष रूप से श्रीलंका विदेश सेवा के सदस्यों द्वारा ठीक नहीं। यह विदेश मंत्रालय को शर्मनाक स्थिति में डाल देगा।

कोलंबो गजट की रिपोर्ट बताती है कि यह पहली बार नहीं है जब चीनी दूतावास ने श्रीलंका का फायदा उठाने की कोशिश की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन पर पहले से ही सरकार को पेमेंट करने का आरोप लगाया गया है ताकि डिटेल्स को छिपाकर प्रोजेक्ट्स को चीन को दिया जा सके।

लाइन न लगाएं, हमारे पास पेट्रोल खरीदने के लिए भी रकम नहीं; श्रीलंका सरकार की जनता से अपील

कोलंबो। श्रीलंका में आर्थिक संकट गहराता ही जा रहा है। अब यहां की सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे पेट्रोल खरीदने के लिए लाइन न लगाएं क्योंकि सरकार के पास फ्यूल खरीदने के लिए रकम ही नहीं है। सरकार ने कहा है कि उनके पास विदेशी मुद्रा खत्म हो गई है जिससे आयात रुक गया है। हालांकि सरकार ने लोगों को भरोसा दिलाया है कि उनके पास डीजल का पर्याप्त भंडार है। श्रीलंका की सरकार ने कहा है कि पेट्रोल का एक जहाज समंदर में खड़ा है लेकिन सरकार रकम के अभाव में इसे खरीद नहीं सकती है। श्रीलंका के ऊर्जा मंत्री ने कहा कि देश के सामने पेट्रोल की उपलब्धता को लेकर बड़ा संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि हमारे पास पेट्रोल खरीदने के लिए अमेरिकी डॉलर नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जनवरी 2022 में जो पेट्रोल लिया गया था उसका 5.3 करोड़ का कर्ज अब भी बाकी है। मंत्री ने कहा कि शिपिंग कंपनियों ने कहा है कि जब तक दोनों पेमेंट नहीं कर दिए जाते पेट्रोल नहीं दिया जाएगा।

चीनी विमान क्रैश नहीं हुआ जानबूझकर गिराया गया था, रिपोर्ट में सनसनीखेज खुलासा

बीजिंग। चीन की चाइना ईस्टर्न एयरलाइन का विमान 21 मार्च को हादसे का शिकार हो गया था। इस दुर्घटना में विमान में सवार 123 सवारियों और 9 क्रू मेंबर्स की मौत हो गई थी। तब कहा गया था कि यह दुर्घटना शायद किसी तकनीकी खामी से हुई है, लेकिन अब नया खुलासा हुआ है। अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल ने मंगलवार को अपनी एक रिपोर्ट में दावा किया है कि यह हादसा क्रैश नहीं था बल्कि विमान को जानबूझकर गिराया गया था। चीनी एजेंसियों की ओर से की गई जांच में विमान में किसी भी तकनीकी खामी की बात भी सामने नहीं आई है। इससे इस अनुमान को बल मिल रहा है कि विमान को जानबूझकर गिराया गया था। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में कहा गया है, बरामद किए गए ब्लैक बॉक्स के फ्लाइट डेटा की शुरुआत जांच में यह बात सामने आई है कि बोइंग 737-800 को जानबूझकर कॉकपिटट में बैठे किसी व्यक्ति ने गिराया था। अमेरिकी अधिकारियों ने जांच को लेकर अपनी शुरुआती अनुमान में यह बात कही है। 21 मार्च को कुनमिंग से गुआंग्झू जा रहा विमान क्रैश हो गया था और इसमें 132 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। बीते 28 सालों में यह पहला मौका था, जब चीन में इतना भीषण विमान हादसा हुआ है। इस हादसे पर चीन की सरकार ने भी चिंता जाहिर की थी। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि चीनी एयरलाइन का यह विमान जब तेजी से नीचे आ रहा था तो एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स की ओर से लगातार कई कॉल किए गए थे। इनमें से किसी भी कॉल का पायलटों की ओर से जवाब नहीं दिया गया था। इस बात से भी यह आशंका बढ़ गई है कि विमान को शायद जानबूझकर गिराया गया था। फिलहाल जांचकर्ता ऐसे किसी सबूत की तलाश में जुटे हैं, जिससे इस दावे की पुष्टि हो सके कि विमान को जानबूझकर गिराया गया था। फिलहाल जांच ठोस तौर पर किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है।

भारत-बंगलादेश के बीच एक जून से ट्रेन सेवा शुरू होगी

ढाका। भारत-बंगलादेश के बीच कोरोना महामारी के कारण दो वर्षों से बंद ट्रेन सेवा अंतत एक जून से शुरू हो जाएगी। इसके अलावा, ढाका-कोलकाता मार्ग पर भी इसी दिन से तीन ट्रेनों का परिचालन शुरू होगा। बंगलादेश के रेलवे मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव अगले महीने बंगलादेश का दौरा करने वाले हैं। उनके इस दौरे के दौरान दो देशों के बीच मैत्री एक्सप्रेस, बंधन एक्सप्रेस और न्यू जलपाईगुड़ी-ढाका मिताली एक्सप्रेस का परिचालन फिर शुरू किया जायेगा।कोरोना महामारी से पहले मैत्री एक्सप्रेस का परिचालन ढाका-कोलकाता मार्ग पर एक सप्ताह में पांच दिन होता था,जबकि खुलना-कोलकाता मार्ग पर बंधन एक्सप्रेस का परिचालन ट्रेन के शुरू होने के बाद दो सप्ताह तक लगातार हुआ लेकिन कोरोना महामारी के कारण सभी ट्रेनों का परिचालन अभी बंद है। उल्लेखनीय है कि जब इन दो ट्रेनों का परिचालन शुरू किया गया, तब भारत और बंगलादेश ने इसके लिए एक-एक रैक प्रदान किया था। भारत ने हाल ही में दोनों देशों के बीच परिचालन के लिए शुरू हुई मिताली एक्सप्रेस को रैक प्रदान किया है। बंगलादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्च 2021 में ढाका न्यू-जलपाईगुड़ी ट्रेन को संयुक्त रूप से परिचालन शुरू किया था।

श्रीलंकाई सेंट्रल बैंक ने प्रवासियों से किया विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ाने का आग्रह

कोलंबो। श्रीलंका सेंट्रल बैंक (सीबी) ने श्रीलंकाई प्रवासियों से देश के घटते विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने की अपील की है। बैंक का ऐसा कहना उनके नव निर्वाचित गर्वनर नंदलाल वीरसिंग के लिए था, जो राष्ट्रपति सहित सभी राजनीतिक दलों से कह चुके हैं कि अगर अगले कुछ हफ्तों में राजनीतिक स्थिरता हासिल नहीं की गई है, तो वह अपना इस्तीफा दे देंगे। ऐसे में देश की चरमराई अर्थव्यवस्था में जान डालने के लिए अंतरराष्ट्रीय फंडिंग एजेंसियों के साथ बातचीत करना असंभव हो जाएगा। बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा,समय कठिन है। विदेशों में करीब दस लाख श्रीलंकाई नागरिक कार्यरत हैं। अगर वे कम से कम 500 डॉलर भी भेजते हैं, तो हम तब तक के लिए ही सही आवश्यक वस्तुओं का आयात करा सकते हैं, जब तक कि हमें अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से वित्त नहीं मिल जाता है। प्रवासी नागरिक देश में पैसा भेजने के लिए अनौपचारिक चैनलों का उपयोग कर रहे हैं क्योंकि आधिकारिक विनिमय दर और ग्रे मार्केट दर के बीच एक बड़ी असमानता है।

अमेरिका में खाद्य सुरक्षा बैठक में शामिल होंगे पाकिस्तान के विदेश मंत्री

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी अमेरिका में अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान बुधवार को 'वैश्विक खाद्य सुरक्षा कॉल टू एक्शन' पर आयोजित मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेंगे। जियो टीवी ने मंत्री के कार्यालय के हवाले से कहा है कि श्री बिलावल के पास कई अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम भी होंगे, जिसमें विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ द्विपक्षीय बैठक भी शामिल हैं। अपनी यात्रा के दौरान श्री बिलावल संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में भी शामिल होंगे। वह संयुक्त राष्ट्र महासचिव और परिषद के अध्यक्ष से भी मुलाकात करेंगे। जियो टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, विदेश मंत्री इन दो बैठकों में पाकिस्तान के दृष्टिकोण और नीतिगत प्राथमिकताओं पर प्रकाश डालेंगे।

न्यूजीलैंड में 9,570 नए कोविड मामले दर्ज

वेलिंग्टन। न्यूजीलैंड में कोविड-19 वायरस के 9,570 सामुदायिक मामले तथा 32 और मौतें सामने आई हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि न्यूजीलैंड में कोविड-19 के साथ सार्वजनिक रूप से रिपोर्ट की गई मौतों की कुल संख्या 1,017 हो गई है। मंत्रालय ने कहा कि नए सामुदायिक संक्रमणों में सबसे बड़े शहर ऑकलैंड में 3,297 मामले दर्ज किए गए। इसके अलावा, न्यूजीलैंड सीमा पर कोरोना के 91 नए मामलों का पता चला। वर्तमान में, न्यूजीलैंड के अस्पतालों में 425 कोरोना रोगियों का इलाज किया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

इन अजीबोगरीब इमारतों को देखकर आप भी हो जाएंगे हैरान,

किसी का जूते तो किसी का टोकरी जैसा है आकार

दुनिया भर में कई ऐसी अजीबोगरीब और विचित्र जगहें हैं जिन्हें देख कर लोग हैरान रह जाते हैं। ऐसी कई जगह है जहां की विचित्र निर्माण शैली को देखकर आप भी सोच में पड़ जाएंगे कि बनाने वाले ने खूब बनाया है। इन्हें एक बार देखने के बाद आपका भी मन करेगा कि इन्हें प्रत्यक्ष रूप से देखा जाए। आज के इस लेख में हम आपको दुनिया की सबसे विचित्र और अनोखी इमारतों के बारे में बताने जा रहे हैं –

उल्टा चर्च

कनाडा के कैलेग्री में स्थित चर्च को देखकर को देखकर आप भी हैरत में पड़ जाएंगे। यह चर्च देखने में उल्टा लगता है, जिसके कारण इसका नाम डिवाइस टू रूट आउट डेविल रखा गया है। इसका मतलब 'शैतान को जड़ से उखाड़ने का यंत्र।' इस चर्च की ऊंचाई करीब 7 मीटर और चौड़ाई 3 मीटर है। कनाडा आने वाले पर्यटकों के बीच यह चर्च आकर्षण का केंद्र है।

नाचता मकान

नीदरलैंड में स्थित एक घर को देखकर आपको ऐसा लगेगा कि मकान नाच रहा है। इस अनोखे मकान का नाम दो प्रसिद्ध डांसर फ्रेड एस्टेयर और जिंजर रॉजर्स के नाम पर रखा गया है। इस इमारत के दो हिस्से हैं। पहले भाग को शीशे से बनाया गया है, वहीं दूसरा हिस्सा सीधा है। इस मकान में कुल 9 मंजिलें हैं।

टोकरी जैसा ऑफिस

ओहियो के नेवार्क शहर में एक ऑफिस का आकार लकड़ी की टोकरी जैसा है। यह इमारत लॉन्गा बर्गर का मुख्यालय है, जो की लकड़ी की टोकरी बनाने वाली एक कंपनी थी। इस इमारत का निर्माण 1997 में हुआ था। इसके सात मंजिलों के निर्माण में लगभग 3 करोड रुपए खर्च हुए थे। इस इमारत में ऊपर स्टील के दौरान जल दिए गए हैं और नीचे की टोकरी का आकार है।

जूते के आकार का घर

पेंसिलवेनिया जाने वाले पर्यटकों को हैंस शू हाउस को जरूर देखना चाहिए। इस घर का आकर जूते की तरह है। यह विचित्र इमारत हेलन टाउनशिप में स्थित है। दुनियाभर से पर्यटक इस बिल्डिंग को देखने आते हैं।

पुस्तकालय के आकार की इमारत

यूनाइटेड स्टेट्स के मिजूरी में कंसास सिटी एक पुस्तकालय के आकार की है। इसे बाहर से देखने पर ऐसा लगता है कि कई सारी किताबें रखी गई हों। इस अनोखी इमारत का आकार 25 से 9 फीट है। इस लाइब्रेरी की दक्षिणी दीवार पर 22 किताबों के अनोखे डिजाइन को इमारत बनाया गया है।

गर्मी में घूमने के लिए यह हैं बेहतरीन जगहें

जब गर्मी का मौसम आता है तो मन करता है कि किसी ठंडी जगह पर जाकर रहा जाए। चिलचिलाती गर्मी सिर्फ तन को ही नहीं, मन को भी झिंझोड़कर रख देती हैं। ऐसे में समर वेकेशन में हम सभी किसी कूलिंग प्लेस पर जाना चाहते हैं। वैसे इस मौसम में घूमने के स्थान का चयन बेहद सोच-समझकर करना चाहिए। तो चलिए आज हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बता रहे हैं, जहां पर आप गर्मी के दिनों में कुछ रिलैक्सिंग पल बिता सकते हैं-

मनाली

भारत में लोकप्रिय ग्रीष्मकालीन अवकाश स्थलों में से एक, हिमाचल प्रदेश में मनाली में प्राकृतिक सुंदरता, और रोमांच का बेहतरीन संगम है। सुरम्य शहर बर्फ से ढकी पर्वत चोटियों और ब्यास नदी द्वारा पोषित हरियाली से घिरा हुआ है। आपकी छुट्टी का मुख्य आकर्षण रोहतांग दर्रे पर बर्फ का आनंद लेना है।

मनाली में करने के लिए चीजें:

- हडिम्बा मंदिर, वन विहार हिमालयन निंगमापा गोम्पा मठ, क्लब हाउस आदि जगहों के दर्शनीय स्थल।
- सोलंग घाटी में साहसिक खेलों में शामिल हों।
- बर्फ का मज़ा लेने के लिए रोहतांग दर्रे पर जाएं।
- ब्यास नदी में रिवर राफ्टिंग करें।
- कुल्लू, मणिकरण गुरुद्वारा, जोगिनी जलप्रपात, अर्जुन गुफा, भृगु झील और वशिष्ठ हॉट-वाटर स्प्रिंग्स की यात्रा करें।
- सेब के बागों में जाएं।
- कैम्पिंग और ट्रेकिंग।

शिमला

भारत में गर्मी का मौसम बिताने के लिए शिमला एक आदर्श स्थान है। हिमाचल प्रदेश में इसे 'हिल स्टेशनों की रानी' कहा जाता है। यहां की जलवायु के कारण ही ब्रिटिश उपनिवेश यहां हर गर्मियों में बसते थे। कई आवास विकल्प हैं, और आश्चर्य है।

शिमला में करने के लिए चीजें:

- कालका से शिमला के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- व्हाइट वाटर राफ्टिंग करें।
- खाने, खरीदारी करने और आनंद लेने के लिए माल रोड के आसपास घूमें।
- मॉल के पास खूबसूरत क्राइस्ट चर्च की सैर करें।
- जाखू हनुमान मंदिर तक ट्रेक करें।
- वाइसरीगल लॉज, क्राइस्ट चर्च आदि की ब्रिटिश वास्तुकला का अन्वेषण करें।
- कुफरी, चैल और मशोबरा की यात्रा, खूबसूरत पहाड़ी पर्यटन स्थल को एक्सप्लोर करें।

दार्जिलिंग

पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग उत्तर पूर्व में लोकप्रिय समर हॉलिडे गेटवे में से एक है। हरी चाय के बागानों से घिरा, पहाड़ी शहर एक आरामदायक गर्मी की छुट्टी के लिए एकदम सही है। प्रकृति और मनुष्य द्वारा बनाए गए सुंदर स्थलों को एक्सप्लोर करें। मठों में तिब्बती जड़ों के बारे में जानें। मनोरंजक व्यवहार, खरीदारी और बहुत कुछ में शामिल हों।

दार्जिलिंग में करने के लिए चीजें:

- पहाड़ी शहर में जाने के लिए टॉय ट्रेन की सवारी करें।
- बतासिया लूप और गोरखा युद्ध स्मारक में आनंद लें।
- हैप्पी वैली टी एस्टेट में चाय बागानों को एक्सप्लोर करें।
- टाइगर हिल से राजसी सूर्योदय देखें।
- पद्मजा नायडू जूलॉजिकल पार्क में वन्यजीवों को एक्सप्लोर करें।
- माल रोड पर खरीदारी करें।

मुन्नार

भारत का अपना देश कहा जाने वाला केरल भारत में लोकप्रिय हॉलिडे डेस्टिनेशन में से एक है। पश्चिमी घाट की हरी-भरी गोद में बसा मुन्नार गर्मी बढ़ने पर एक सुखद पलायन है। अपने खूबसूरत नजारों, चाय के बागानों, अनोखे वनस्पतियों और जीवों, मसालों की सुगंध और सुहावने मौसम के लिए प्रसिद्ध है।

मुन्नार में करने के लिए चीजें:

- चाय बागानों की हरी-भरी सुंदरता का आनंद लें।
- कुंडला झील, इको पॉइंट और एलिफेंट लेक पर जाएं।
- अनामुडी पीक के लिए ट्रेक करें
- टाटा टी म्यूजियम को एक्सप्लोर करें।
- ट्री हाउस में रहें।
- इको पॉइंट तक ट्रेकिंग, माउंटेन बाइकिंग, कुंडला झील में शिकारा की सवारी।
- कार्मेलागिरी हाथी पार्क में हाथी सफारी।

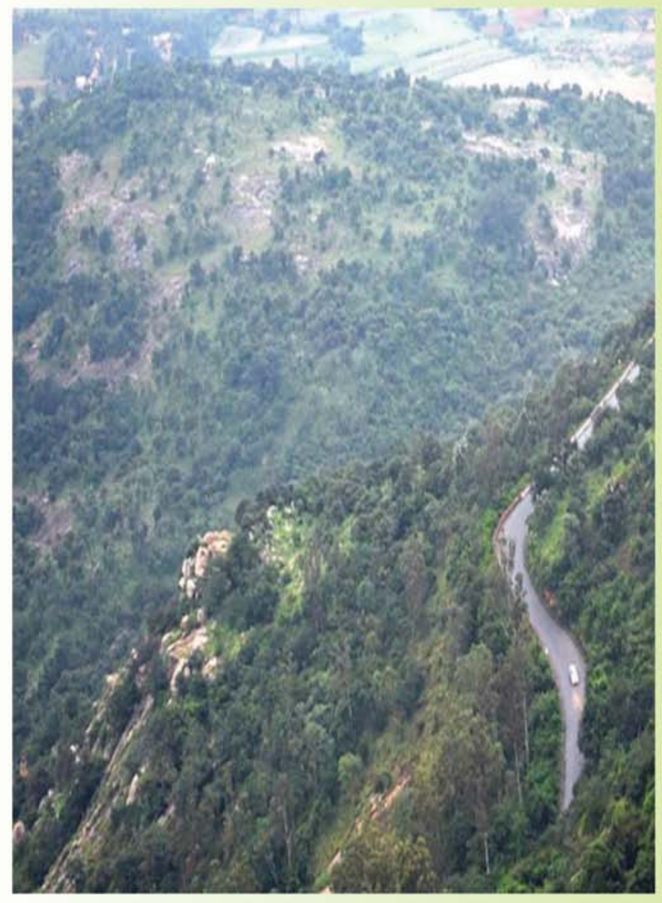

कर्नाटक के कुछ बेहतरीन हिल स्टेशन, एक बार जरूर जाएं घूमने

भारत के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में स्थित खूबसूरत राज्य कर्नाटक अपने हाई-टेक हब, नाइटलाइफ़, भव्य महलों, पुराने मंदिरों और वन्यजीव अभयारण्यों के लिए जाना जाता है। हालांकि, इस राज्य में हरे-भरे वातावरण और शांति प्रदान करते कई हिल स्टेशन भी हैं। जो लोग शहर की भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के बीच कुछ शांत समय बिताना चाहते हैं, वह इन हिल स्टेशनों में जा सकते हैं। हरी-भरी पहाड़ियों, झरनों और सुविधाजनक स्थानों से लेकर ऐतिहासिक आकर्षणों और एड्रेनालाईन गतिविधियों तक, कर्नाटक के हिल स्टेशनों में बहुत कुछ है। तो चलिए आज हम आपको कर्नाटक के कुछ बेहतरीन हिल स्टेशनों के बारे में बता रहे हैं-

चिकमगलूर, कर्नाटक

चिकमगलूर चाय और कॉफी के बागानों, दूधिया-सफेद झरनों और खूबसूरत पार्कों से भरपूर है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थान हेब्बे फॉल्स, कल्लाथिगिरी फॉल्स, हनुमना गुंडी फॉल्स, भद्रा वन्यजीव अभयारण्य, महात्मा गांधी पार्क, कॉफी संग्रहालय, हिरेकोले झील, कोडंदरामा मंदिर आदि हैं। अगर आप यहां पर हैं तो चाय और कॉफी के बागानों में टहलें, उच्चतम मुल्लायनगिरी चोटी पर जाएँ, क्यातनामक्की में सुंदर दृश्यों का आनंद लें, अमृतेश्वर और विद्याशंकर मंदिर में जाएं।

नंदी हिल्स, कर्नाटक

4849 फीट की ऊंचाई पर स्थित नंदी हिल्स कर्नाटक के सबसे प्रसिद्ध हिल स्टेशनों में से एक है। हरे भरे परिवेश, ट्रेकिंग ट्रेल्स और आश्चर्यजनक दृश्यों के अलावा, इस जगह में कई स्मारकों और मंदिरों के साथ एक लोकप्रिय ऐतिहासिक किला भी है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थान टीपू की बूंद, टीपू का ग्रीष्मकालीन निवास, अमृता सरोवर, भोग नंदीश्वर मंदिर, ब्रह्माश्रम, नेहरू निलय, ग्रोवर ज़म्पा वाइनयार्ड आदि है।

सिरसी, कर्नाटक

घने जंगलों के बीच बसा कर्नाटक का यह आकर्षक हिल स्टेशन, बैंगलोर से एक आदर्श वीकेंड गेटवे है। विविध वन्यजीवों से भरे घने उष्णकटिबंधीय जंगलों से लेकर सुरम्य झरनों और हरी-भरी पहाड़ियों तक, सिरसी की प्राकृतिक सुंदरता आपको मंत्रमुग्ध कर देगी। अगर आप यहां पर हैं तो मुरेगर फॉल्स, शिवगंगा फॉल्स, बुरुड फॉल्स, उंचल्ली फॉल्स, विभूति फॉल्स, मरिकंबा मंदिर, श्री महागणपति मंदिर, गुडवी पक्षी अभयारण्य आदि जगहों को जरूर एक्सप्लोर करें।

माले महादेश्वर या एमएम हिल्स, कर्नाटक

सात पहाड़ी श्रृंखलाओं, एमएम हिल्स समुद्र तल से 3200 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और 'स्वयंभू' या स्वयं प्रकट रूप में भगवान शिव के साथ एक प्राचीन मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। धार्मिक स्थलों के अलावा, यह स्थान वनस्पतियों और जीवों में समृद्ध है, जो इसे वन्यजीव प्रेमियों और एड्रेनालाईन के दीवाने लोगों के बीच एक लोकप्रिय आकर्षण बनाता है। यहां पर आने वाले हर यात्री को श्री माले महादेश्वर मंदिर, थाला बेट्टा, नागमाले हिल्स आदि जगहों पर जरूर जाएं। साथ ही घने जंगलों में हाथियों और अन्य जानवरों को देखना ना भूलें।

गंगामूला, कर्नाटक

हरे-भरे और घने जंगलों से घिरा गंगामूला उन लोगों के लिए एक आदर्श स्थान है जो प्रकृति की गोद में क्वालिटी टाइम बिताना चाहते हैं। हिल स्टेशन एक धुंधली जलवायु और आश्चर्यजनक परिदृश्य और आकर्षण का आनंद लेता है। यह स्थान तीन महत्वपूर्ण नदियों- तुंगा, भद्रा और नेत्रावती का उद्गम स्थल होने के लिए भी प्रसिद्ध है। यहां पर घूमने के लिए लोकप्रिय स्थानों में हनुमना गुंडी जलप्रपात, श्री अन्नपूर्णेश्वरी मंदिर, सिरिमाने जलप्रपात, गोमतेश्वर प्रतिमा, चतुर्मुख बसदी, श्री वेंकटरमण मंदिर, अंबा तीर्थ आदि शामिल है। अगर आप यहां पर हैं तो कुरिंजल पीक और नरसिम्हा पर्वत के लिए ट्रेक, कुद्रेमुख राष्ट्रीय उद्यान की प्राकृतिक सुंदरता को देखें। भगवती प्रकृति शिविर में प्रकृति की सैर, जीप सफारी और ट्रेकिंग का आनंद लें।

गर्मियों की छुट्टियों में घूमने का प्लान बना रहे हैं तो भूलकर भी इन जगहों पर न जाएं वरना पड़ेगा पछताना

हर साल गर्मियों की छुट्टी में लोग कहीं ना कहीं घूमने जाते हैं। यह एक ऐसा समय होता है जब आप अपने परिवार के साथ अच्छा समय बिताते हैं और खूब मौज मस्ती करते हैं। ऐसे में गर्मियों की छुट्टियों में भारत की कई जगहों पर सैलानियों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। लेकिन गर्मियों में कहीं भी घूमने का प्लान बनाने से पहले वहां का तापमान जरूर देख लें। गर्मियों में तेज धूप और लू में कहीं बाहर घूमना किसी सिरदर्द से कम नहीं है। ऐसा में अगर आप किसी ऐसी जगह घूमने का प्लान बना लेते हैं जहां भीषण गर्मी होती है तो आपका समय और पैसा दोनों बर्बाद होंगे। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि गर्मियों में कहां जाने से बचना चाहिए –

आगरा, उत्तर प्रदेश

वीकेंड ट्रिप के लिए लोग अक्सर आगरा घूमने का प्लान बनाते हैं। यहाँ पर मौजूद दुनिया के सातवें अजूबे को देखने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं। आगरा में घूमने के लिए और भी कई बेहतरीन जगहें हैं। लेकिन गर्मी में यहाँ घूमना आपके लिए सिरदर्द बन सकता है। दरअसल, गर्मियों के मौसम में आगरा का तापमान बहुत बढ़ जाता है। तेज धूप में संगमरमर से बना ताजमहल भी तपने लगता है और आप कहीं बाहर भी नहीं घूम सकते हैं। इसलिए यहाँ गर्मियों में जाने का प्लान ना ही बनाएं।

जैसलमेर, राजस्थान

राजस्थान का जैसलमेर न केवल भारतीय बल्कि विदेशी पर्यटकों की लिस्ट में भी शामिल है। जैसलमेर को गोल्डन सिटी के नाम से भी जाना जाता है। यहाँ हर साल दुनिया भर से लाखों पर्यटक आते हैं और सफारी का लुफ्त उठाते हैं। खाना की गर्मियों में जिप्सी गिरी शहर में घूमना काफी कठिन हो सकता है। गर्मियों में जैसलमेर का टेंपरेचर 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला जाता है। इतनी भीषण गर्मी में जैसलमेर की यात्रा करना अच्छा आइडिया नहीं है।

गोवा

घूमने के शौकीन लोगों की लिस्ट में गोवा का नाम सबसे ऊपर आता है। यहां लोग अपने दोस्त या पार्टनर के साथ मौज मस्ती करने के लिए पहुंचते हैं। यहां के खूबसूरत बीच, नाइटलाइफ और खुला माहौल युवाओं को अपनी ओर आकर्षित करता है। लेकिन गर्मियों के मौसम में गोवा घूमने का प्लान बनाने से पहले एक बार जरूर सोच लें। गर्मियों में तेज धूप में आप ठीक तरह से घूम नहीं पाएंगे और आपके पैसे सिर्फ बर्बाद ही होंगे।

चेन्नई, दक्षिण भारत

दक्षिण भारत का चेन्नई शहर घूमने के लिहाज से बेहतरीन है। यहां कई सारे मंदिर, बीच और अन्य दार्शनिक स्थल हैं। लकी गर्मियों में यहां का पर बहुत अधिक बढ़ जाता है। ऐसे में गर्मियों के मौसम में चेन्नई में घूमना मुश्किल हो जाता है। इसलिए आप गर्मियों में चेन्नई घूमने का प्लान ना ही बनाएं।

CMYK CMYK CMYK CMYK